प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

सही कर्म वह नहीं हैं
जिसके परिणाम हमेशा सही हो,
अपितु सही कर्म वह हैं
जिसका उद्देश्य कभी गलत ना हो!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 17 | अंक 275 | दैनिक | रांची | सोमवार 20 मई 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

अब सीआईएसएफ के हाथों में संसद भवन की सुरक्षा

हो गए आदेश, 10 साल बाद हुई सीआरपीएफ की विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की सुरक्षा के लिए समर्पित पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप (पीडीजी) को तैनात करने, इसकी योजना बनाने और उन्हें प्रशिक्षित करने में लगभग 13 साल लग गए लेकिन 10 साल के बाद ही इसे भंग कर दिया। 2013 से संसद भवन की सुरक्षा कर रहे लगभग 1,400 जवानों की ड्यूटी का शुक्रवार को आखिरी दिन था। अब संसद की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों के मजबूत कंधों पर है। 2023 में संसद भवन की सुरक्षा में हुई चूक के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक (डीजी) अनीश दयाल सिंह और अन्य सुरक्षा विशेषज्ञों के नेतृत्व में संसद में सुरक्षा चूक की जांच की गई, जिसमें संसद भवन की सुरक्षा के पुनर्गठन की सिफारिश की गई थी। एक रिपोर्ट में नाम नहीं छापने की शर्त पर एक अधिकारी के हवाले से कहा, हम बहुत लंबे समय से संसद भवन की सुरक्षा कर रहे हैं। पांच महीनों के भीतर, सब कुछ बदतर हो गया और जवानों को अपने ड्यूटी को छोड़ने और नए कार्यों की तलाश करने के लिए कहा गया। उन्होंने आगे कहा, पिछले साल की सुरक्षा चूक की जांच करने वाली समिति की अध्यक्षता डीजी सीआरपीएफ ने की थी। अब सीआईएसएफ इमारत की सुरक्षा करेगी। सूत्रों ने बताया कि लगभग 150 से अधिक सैनिकों के साथ सीआईएसएफ अब संसद भवन में तैनात है।

भ्रष्टाचारियों के बंगले-गाड़ियां बिकवाएंगे, ये मोदी की गारंटी

पीएम मोदी बोले-टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट के पाप एक जैसे, इसलिए इंडिया गठबंधन बनाया

बिष्णुपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहे। उन्होंने बिष्णुपुर और पुरुलिया में जनसभाएं कीं। पुरुलिया में पीएम ने पहले रोड शो किया था। बिष्णुपुर में पीएम ने कहा कि टीएमसी हो, कांग्रेस या लेफ्ट हो, ये तीनों पार्टियां अलग-अलग दिखती हैं, लेकिन उनके पाप एक जैसे ही हैं। इसलिए इन्होंने मिलकर इंडिया गठबंधन बनाया है। प्रधानमंत्री ने ये भी कहा कि इन्होंने (टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट) गरीब, मजदूर, एससी-एसटी, महिला को हमेशा नारे दिए। जहां भी इन्होंने सरकार चलाई, उन राज्यों को गरीब बनाकर छोड़ दिया। पश्चिम बंगाल इसका ताजा उदाहरण है। कभी दूसरे राज्यों के लोग रोजगार के लिए बंगाल आते थे, आज बांकुरा से पूरे बंगाल से काम के लिए पलायन कर रहे हैं। टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट का मॉडल विकास पर आधारित नहीं है। वे कुशासन, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वंशवादी राजनीति (परिवारवाद) के मॉडल पर काम करते हैं।

हरियाणा के कैथल में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की रैली

- बोले-मोदी ने राजनीति की संस्कृति बदली, कहा-ईमानदार पार्टी के 3-3 नेता जेल में

कैथल (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में न केवल हरियाणा या देश ही नहीं, बल्कि भारत की राजनीति की संस्कृति बदल गई है और काम काज का तरीका बदल गया है। देश में आज जवाबदेही की राजनीति है। उन्होंने विपक्ष के गठबंधन को घमंडिया गठबंधन बताया। इस मौके पर सीएम नायब सैनी भी उनके साथ रहे। नड्डा रविवार को कैथल में चंदाना गेट पर भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे।

मोदी को 400 सीटें दीजिए, 'यूसीसी' लेकर आएंगे!

- देश से खल्लास हो जाएंगी मुल्ला पैदा करने वाली दुकानें

सीवान (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि अगर एनडीए 400 सीटों के साथ सत्ता में लौटता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार समान नागरिक संहिता लेकर आएगा। इसके साथ ही मुस्लिमों में चार बार शादी करने के व्यवसाय को समाप्त कर देगा। उन्होंने मदरसों की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि हम मुल्ला पैदा करने वाली दुकानें बंद कर देंगे और मुस्लिम आरक्षण खत्म कर देंगे। असम के मुख्यमंत्री ने शनिवार को सीवान के रघुनाथपुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, मोदी को 400 सीटें दीजिए, समान नागरिक संहिता आएगी और हम चार शादी करने का दुकान का यह धंधा बंद कर देंगे।

आगरा में आईटी का छापा 60 करोड़ कैश मिले

- जूता कारोबारी ने बेड-गद्दों में छिपाए थे नोट, 10 मशीनों से हुई गिनती

आगरा (एजेंसी)। आगरा में 3 जूता कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। एक कारोबारी के घर से 60 करोड़ रुपए के नोट बरामद हुए हैं। ये नोट बेड, गद्दों और आलमारी में छिपाकर रखे थे। इसकी तस्वीर भी सामने आई। इसमें दिख रहा है, बेड पर नोटों की गड्डियां रखी हैं। जमीन पर रखे बैग भी नोटों से भरे हैं। इनकम टैक्स टीम हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के घर और ऑफिस पहुंचीं। सर्च किया, तो उनके घर में बेड और गद्दों में नोट के बंडल मिले।

अबकी झूमकर बरसेंगे बदरा

लग जाएगी 'बारिश' की झड़ी

अंडमान-निकोबार पहुंचा मानसून, 31 मई तक पहुंचेगा केरल

एमपी में 16 से 21 जून तो राजस्थान में 25 जून के बाद दस्तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अंडमान-निकोबार पहुंच गया है। 31 मई तक यह केरल पहुंच जाएगा। पिछले साल भी मानसून ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 19 मई को ही दस्तक दी थी, लेकिन केरल में 9 दिन देरी से 8 जून को पहुंचा था। इस साल मानसून सामान्य तारीख से पहले ही केरल में दस्तक दे सकता है। वैसे केरल में मानसून आने की सामान्य तारीख 1 जून है। घोषित तारीख में 4 दिन कम या ज्यादा होने की गुंजाइश रखी गई है। यानी मानसून 28 मई से 3 जून के बीच कभी भी आ सकता है। आईएमडी के अनुसार, मानसून के मध्य प्रदेश में 16 से 21 जून और राजस्थान में 25 जून से 6 जुलाई तक पहुंचने के आसार हैं। वहीं यूपी में 18 से 25 जून और बिहार-झारखंड में 18 जून तक पहुंच जाएगा। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था। बीते चार साल की बात करें तो 2020 में मानसून 1 जून को, 2021 में 3 जून को, 2022 में 29 मई को और 2023 में 8 जून को केरल पहुंचा था। क्लाइमेट (जलवायु) के दो पैटर्न होते हैं, अल नीनो और ला नीना। पिछले साल अल-नीनो सक्रिय था, जबकि इस बार अल-नीनो परिस्थितियां इसी हफ्ते खत्म हुई हैं और संभावना बन रही है कि तीन से पांच हफ्तों में ला-नीना परिस्थितियां पैदा हो जाएंगी। पिछले साल अल-नीनो के समय सामान्य से कम 94 फीसदी बारिश हुई थी। 2020 से 2022 के दौरान ला-नीना ट्रिपल डिप के दौरान 109, 99 व 106 फीसदी बारिश हुई थी। पिछले महीने आईएमडी ने बताया था कि देश में इस साल सामान्य से बेहतर मानसून रहेगा।

स्वाति मालीवाल केस में फिर सीएम हाउस पहुंची दिल्ली पुलिस

सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर कलेक्ट किए, 5 दिन की रिमांड पर बिभव कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एएपी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट केस की जांच के लिए दिल्ली पुलिस रविवार दोपहर सीएम हाउस पहुंची। वहां से पुलिस ने मारपीट के समय के सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर कलेक्ट किए। मारपीट के आरोपी और सीएम अरविंद केजरीवाल के पर्सनल असिस्टेंट बिभव कुमार को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। बिभव को सीएम हाउस से ही शनिवार शाम 4.30 बजे गिरफ्तार किया गया था। देर रात उन्हें तीस हजारी कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने बिभव की 7 दिन की कस्टडी मांगी थी। पुलिस की ओर से एडवोकेट अतुल श्रीवास्तव ने बिभव की कस्टडी पर दलीलें दीं। बिभव को 23 मई को अदालत में पेश किया जाएगा। बिभव की गिरफ्तारी के बाद मालीवाल ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा कि बिभव ने उन्हें थप्पड़ और लातें मारीं। मालीवाल ने आरोप लगाया है कि बिभव ने 13 मई को सीएम हाउस में मारपीट और बदसलूकी की। उनके कपड़े तक फट गए थे। स्वाति ने 16 मई को शाम 6.15 बजे एफआईआर करवाई थी।

केजरीवाल बोले- पीएम ने ऑपरेशन झाड़ू लॉन्च किया

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एएपी सांसदों, विधायकों और नेताओं के साथ भाजपा हेडक्वार्टर पर प्रदर्शन के लिए मार्च किया। वे दोपहर 12 बजे आम आदमी पार्टी (एएपी) के ऑफिस पहुंचे और आधे घंटे बाद पार्टी नेताओं के साथ 800 मीटर दूर भाजपा हेडक्वार्टर की ओर कूच कर गए। हालांकि प्रदर्शन किसी बड़े नेता की गिरफ्तारी के बिना करीब 1.30 बजे खत्म हो गया। पुलिस ने कुछ एएपी समर्थकों को हिरासत में लिया, जिन्हें कुछ देर बाद छोड़ दिया गया। पुलिस ने प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। भाजपा ऑफिस के बाहर धारा 144 लगा दी गई थी। साथ ही आने-जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई थी। अरविंद केजरीवाल ने 18 मई को स्वाति मालीवाल से मारपीट के आरोपी अपने पीए बिभव कुमार की गिरफ्तारी के बाद वीडियो जारी कर भाजपा हेडक्वार्टर पर प्रदर्शन की घोषणा की थी। उन्होंने आज कहा- भाजपा ने हमें खत्म करने के लिए तीन प्लान बनाए हैं, पहला- चुनाव बाद पार्टी के अकाउंट फ्रीज किए जाएंगे। दूसरा- पार्टी के बड़े नेताओं को गिरफ्तार किया जाएगा। तीसरा- पार्टी दफ्तर खाली कराया जाएगा। उधर एएपी के प्रदर्शन के बीच स्वाति मालीवाल ने पोस्ट किया।

प्रयागराज में राहुल-अखिलेश की सभा में जमकर हंगामा

- समर्थकों ने सुरक्षा घेरा तोड़ा, नहीं हो पाया भाषण, दोनों मंच छोड़कर गए

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के फूलपुर में रविवार को राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त रैली में हंगामा हो गया। राहुल-अखिलेश के मंच पर पहुंचते ही समर्थक बेकाबू हो गए। उन्होंने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया। मंच की तरफ बढ़ने लगे। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की की। पुलिस ने लाठी चलाई तो वहां भगदड़ जैसे हालत हो गए। कई समर्थक चोटिल हो गए। मंच पर बैठे अखिलेश ने समर्थकों से शांत रहने की अपील की, लेकिन किसी ने उनकी एक नहीं सुनी। करीब 15 मिनट तक भीड़ बेकाबू रही। अखिलेश के साथ राहुल ने भी हाथ उठाकर लोगों से शांत रहने की अपील की। जब दोनों नेताओं की समर्थकों ने नहीं सुनी तो यह देखकर अखिलेश नाराज हो गए। अखिलेश उठे और मंच से जाने लगे। मंच पर मौजूद नेताओं ने अखिलेश को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह इतना नाराज हो गए कि मंच के पीछे बने हैलीपेड की तरफ चल पड़े।

पीएम के भाषण से 400 पार और मोदी की गारंटी गायब

- कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रविवार को पटना के सदाकत आश्रम में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। जयराम रमेश ने कहा कि 369 सीटों पर अभी तक चुनाव हो चुका है। 19 अप्रैल और 27 अप्रैल के चुनाव के बाद दक्षिण भारत में बीजेपी साफ हो गई है। वहीं, अन्य जगहों पर हाफ हो चुकी है। 4 जून को इंडिया गठबंधन के साथियों को स्पष्ट और साफ जनादेश मिल जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कार्यकर्ताओं से और लोगों से मिले फीडबैक के अनुसार इस बार कोई लहर नहीं है यह साफ हो चुका है। किसान वंचित वर्गों युवाओं में बीजेपी को लेकर नाराजगी काफी है।

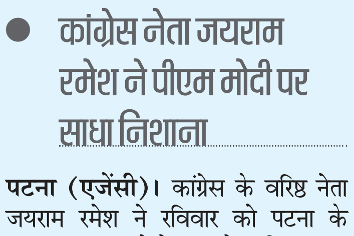

देश के 8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग आज

लोकसभा चुनाव का पांचवां चरणः राजनाथ, स्मृति समेत 9 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री मैदान में, राहुल रायबरेली से भी लड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में कल सोमवार को 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 32, शिवसेना ने 7, टीएमसी ने 4 सीटें जीती थीं। कांग्रेस केवल यूपी की रायबरेली सीट जीत पाई थी। अन्य को 5 सीटें मिली थीं। इस फेज में राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल समेत 9 केंद्रीय मंत्री मैदान में हैं। रायबरेली से वायनाड सांसद राहुल गांधी भी चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के पांचवें फेज में 695 कैंडीडेट्स मैदान में हैं। इनमें 613 पुरुष और 82 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 12 फीसदी हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के मुताबिक, इस फेज के 615 उम्मीदवारों में से 23 फीसदी यानी 159 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 227 यानी 33 पीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। केवल एक उम्मीदवार ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी उत्तर प्रदेश की झांसी सीट से भाजपा उम्मीदवार अनुराग शर्मा हैं। उनके पास 212 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 543 लोकसभा सीटों में चौथे फेज तक 380 सीटों पर मतदान हो गया है। 20 मई तक कुल 429 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा।

159 चुनावी कैंडीडेट्स पर हत्या किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 159 कैंडीडेट ऐसे हैं, जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 3 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 4 उम्मीदवारों पर हत्या और 28 पर हत्या की कोशिश के मामले हैं। 29 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। एक उम्मीदवार के खिलाफ दुष्कर्म से जुड़ा मामला दर्ज है। वहीं, 10 कैंडीडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इलेक्शन के पांचवें चरण में 695 उम्मीदवारों में से 227 यानी 33 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। कैंडीडेट्स के पास औसत संपत्ति 3.56 करोड़ रुपए है। सबसे ज्यादा भाजपा के 36 उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे अमीर प्रत्याशी यूपी की झांसी से भाजपा उम्मीदवार अनुराग शर्मा हैं।

सऊदी अरब को परमाणु हथियार बनाने से रोकेगा अमेरिका

- बदले में देगा नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी, ईरान के खिलाफ सऊदी को साधने की कोशिश

वाशिंगटन (एजेंसी)। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने रविवार को अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) जेक सुलिवन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सिक्योरिटी अकॉर्ड और सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट पर चर्चा हुई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, समझौतों के तहत अमेरिका सऊदी अरब को सुरक्षा और परमाणु सहायता देगा। दरअसल, पिछले साल इजराइल और सऊदी अरब के बीच डिप्लोमैटिक रिश्ते शुरू करवाने के लिए अमेरिका बैकडोर बातचीत कर रहा था।

भाजयुमो कला एवं खेल प्रकोष्ठ ने चलाया पक्षी बचाओ अभियान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ, रांची महानगर की ओर से बेजुबान पक्षियों की रक्षा के लिए रातु रोड स्थित डांस झारखंड नृत्य संस्थान के बच्चों एवं उनके अभिभावकों के बीच÷ पक्षी बचाओ अभियान÷ चलाया गया।

इसमें भीषण गर्मी में पक्षियों सहित अन्य बेजुबान प्राणियों को दाना पानी देने की अपील भी की गई।

मौके पर छोटे-छोटे बच्चों एवं अभिभावकों के बीच पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सैकड़ों सिकोरे बांटे गए। साथ ही यह संकल्प दिलाया गया कि सब अपने-अपने घरों पर सिकोरे रख कर पक्षियों को दाना-पानी देकर उनकी रक्षा के करने में अपना योगदान देंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा युवा नेता सह समाजसेवी डॉ अनिल कुमार, भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी उपस्थित थे। इस अवसर पर डांस झारखंड के निदेशक राम कुमार, सुजाता कुमारी, रोहन लोहरा, उमेश कुमार सहित डांस झारखंड के सदस्यगण उपस्थित थे। यह जानकारी अमन ने दी।

प्रमुख मुद्दों को न उठाकर अमित शाह लफ्फाज शो कर चले गये: धर्मेंद्र तिवारी

वन भूमि का अतिक्रमण रोकने का संकल्प

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के रांची लोकसभा के प्रत्याशी धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शो में जमीनी मुद्दों की चर्चा नहीं की गई। संभव है कि श्री शाह को जमीनी हकीकत की जानकारी न हो लेकिन भाजपा वालों को बताना चाहिए था कि यहां की दिक्कतें क्या हैं। हरमू नदी से दुर्गन्ध आती है, राजधानी के रूप में रांची कराह रही है क्योंकि यहां की आधारभूत संरचना अधूरी है। जाम की समस्या है। एचईसी का हाल बेहाल है। लोगों को ससमय वेतन नहीं मिल रहा है। हजारों परिवार की जिंदगी अधर में लटकी है। इन मुद्दों को श्री शाह को एड्रेस करना चाहिए था लेकिन वह अन्य तमाम बातों के मकड़जाल में रांची वालों को फंसाने की जुगत में लगे रहे। श्री तिवारी ने कहा कि हाल के दिनों में जानवरों का इंसानों पर हमला इस कारण से बढ़ा है, क्योंकि हमने उनकी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है। जाहिर है, जब आप जानवरों के क्षेत्र में घुसेंगे तो वह आप पर हमला करेगा ही। उन्होंने सामूहिक प्रयास की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि वन भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण को रोकने के लिए सभी के साथ की जरूरत होगी। अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों से कहा कि झारखंड वन प्रधान राज्य है लेकिन लोग पेड़ों को काट रहे हैं और पैसे कमा रहे हैं। वन विभाग भी इसमें कई बार उदासीन पाया जाता है। अब तो जरूरत इस बात की है कि लोग ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और वनों को और ज्यादा सघन करें ताकि पर्यावरण का स्वास्थ्य बेहतर रहे। उन्होंने कहा कि अगर रांची लोकसभा की जनता ने उन्हें सेवा का मौका दिया तो वह सघन वनीकरण की दिशा में काम करेंगे।

लोकसभा चुनाव के निमित्त निर्वाची पदाधिकारी,कोडरमा लोस क्षेत्र ने डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर पोलिंग पार्टी को उनके दायित्वों से कराया अवगत

लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा रहा है, साथ ही पोलिंग पार्टियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया जा रहा है

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। लोकसभा आम निर्वाचन व 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव 2024 को लेकर रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी, नमन प्रियेश लकड़ा ने मतदान के लिए सभी पोलिंग पार्टी को अपने कर्तव्य पथ की ओर रवाना किया। साथ ही उन्होंने सभी डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने सभी को जिम्मेवारी सौंपी गई तथा चुनाव कार्यों को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक संचालित कराना हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने दायित्वों का निष्पादन स-समय सुनिश्चित करना है। साथ ही आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान उन्होंने मास्टर ट्रेनर को उनके दायित्व के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मतदान कर्मियों को मतदान दिवस के सफल क्रियान्वयन को लेकर शुभकामनाएं दी।

गौरतलब हो कि लोकसभा आम निर्वाचन व 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव 2024 के सफल क्रियान्वयन को लेकर चार डिस्पैच सेंटर बनाए गए हैं। जिसमें 28 धनवार विधानसभा हेतु कृषि उत्पादन केंद्र, बाजार समिति, 29 बगोदर विधानसभा हेतु विवाह भवन, 30 जमुआ विधानसभा हेतु गिरिडीह कॉलेज तथा 31 गांडेय विधानसभा हेतु एग्जामिनेशन हॉल, गिरिडीह कॉलेज को बनाया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में सभी पोलिंग पार्टियां को सकुशल उनके कर्तव्य पथ पर रवाना किया गया।

सांसद संजय सेठ ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया

झारखंड के कांग्रेस झामुमो की भ्रष्ट्र सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है: संजय सेठ

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने गोंदा मंडल, कांटा टोली, के विभिन्न क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया तथा दादुर बगान चौक में महिला सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। सांसद सेठ ने कहा भारत विकसित भारत की श्रेणी में खड़ा है। आज का भारत आत्मनिर्भर भारत है। हाथ फैलाने वाला भारत नहीं बल्कि दूसरों को देने वाला भारत है।आज सैन्य शक्ति में दूसरे देशों के मुकाबले में हम उनसे पीछे नहीं है । आज का भारत आंख में आंख डालकर बात करने वाला भारत है। भारत खुद हथियार का निर्माण कर रहा है। यही नहीं अब दूसरे देश भी हमसे हथियार खरीद रहे हैं। लड़ाकू विमान तेजस हम खुद अपने देश में बना रहे हैं और दूसरे देश आज हमारे बने हुए फाइटर प्लेन ले रहे हैं। यह है विकसित भारत की ताकत, आज भारत में सबसे ज्यादा मोबाइल का मैन्युफैक्चर हो रहा है । आज भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। झारखंड सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। उनके मुख्यमंत्री से लेकर उनके अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद है। झारखंड में

बिना पैसे का कोई काम नहीं हो पा रहा है। बिजली हो ,बेरोजगारी हो ,महिला पर अत्याचार हो, कानून व्यवस्था सभी ध्वस्त है।

इस लंगड़ी और भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। सांसद सेठ ने लोगों से अपील करते हुए कहा लोकतंत्र के इस पर्व में सभी 25 तारीख को अपना मतदान राष्ट्र के निर्माण के लिए करें और देश को और मजबूती प्रदान करें। पदयात्रा में दल के अध्यक्ष विकास कुमार रवि ,रामेंद्र कुमार ,विश्वास कुमार, जगलाल पाहन ,माया सिंह सिसोदिया, नकुल तिर्की ,राम लगन राम, कुंदन सिंह ,जितेंद्र सिंह, नीरज नायक ,राजू रजक ,विनोद सिंह, गीता देवी ,राजेंद्र नायक ,प्रदीप लकड़ा, प्रदीप रवि ,गौतम घोष ,प्रदीप दत्त, संदीप घोष, संबोधित गुहा ,सोना घोष, स्वातीघोष, पूजा गुहा, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे।

महिला सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित की गई : दादुर बागान चौक में महिला सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित की गई। इस सम्मेलन में सांसद सेठ ने कहा आज महिलाओं के दुख दर्द को अगर किसी ने समझा है उसका नाम है नरेंद्र मोदी। आज देश की महिलाएं नरेंद्र मोदी को अपना गार्जियन मानती है। देश के प्रधानमंत्री ने महिलाओं को उज्जवला के तहत गैस चूल्हा ,जनधन खाता हो, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, वृद्धा पेंशन ,विधवा पेंशन ,जैसी कई योजनाओं से महिलाओं को सशक्त करने के लिए दिए हैं।

देश में महिलाओं को अगर किसी ने सम्मान दिया तो वह नरेंद्र मोदी हैं: गीता कोड़ा

गीता कोड़ा ने कहा महिलाओं को किसी ने समझा वह है नरेंद्र मोदी। नरेंद्र मोदी जो भी कार्य करते हैं वह महिलाओं को केंद्र बिंदु में रखकर कार्य कर रहे हैं । चाहे उज्ज्वला योजना हो ,हर घर जल हो ,स्वयं सहायता समूह हो, स्वयं सहायता समूह के माध्यम से मोदी जी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए रोजगार के अवसर पैदा किये। आज महिला सम्मान के साथ अपना रोजगार कर अपना परिवार चला रही हैं और स्वावलंबी बन रही है । यह नरेंद्र मोदी की ही देन है। आज महिला गांव के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आज गांव में मुखिया हो, सरपंच हो, ग्राम पंचायत हो ,ग्राम सेवक के पद पर महिलाएं गांव का नेतृत्व कर रही है और गांव के विकास में अहम फैसला ले रही हैं। यह मोदी जी की देन है। मोदी जी ने देश की महिलाओं को 33 परसेंट आरक्षण देकर महिलाओं को सशक्त करने का काम किया है ताकि महिला राजनीति में अपनी भागीदारी निभा सके। इसलिए हम सब मिलकर मोदी जी को और सशक्त बनाएं ताकि महिलाओं का और विकास हो सके। 25 तारीख को सभी महिलाएं अपना और अपने परिवार का वोट भाजपा के पक्ष में मतदान कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आज के कार्यक्रम में उदय सिंह देव, छत्तीसगढ़ के पूर्व सांसद कमलभान सिंह मारवी, विनोद राय ,सारथी महतो, कुलवंत सिंह बंटी, दीपू जयसवाल ,राजकुमार गुप्ता ,आकाश महतो ,मोतीलाल कुंभकार, दिलीप महतो ,भूषण मुर्मू, मनोरंजन महतो, चामू राम महतो भीम सिंह मुंडा शिव शंकर महतो यदुपति गोप, हेमंत कुमार प्रमाणिक, फटीक गोराई, विश्वनाथ उरांव, सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

सामाजिक नवनिर्माण के लिए इंडिया गठबंधन प्रत्याशी को वोट दें- रेखा सहाय

- यशस्विनी को विजयी बनाएं और रांची संसदीय क्षेत्र के विकास का सपना साकार करें - सुंदरी तिर्की
- भाजपा हटाएं, देश बचाएं - रानी कुमारी

वरीय संवाददाता

रांची। प्रख्यात टीवी कलाकार रेखा सहाय ने इंडिया गठबंधन प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को वोट देने की अपील की। श्रीमती सहाय रविवार को सुंदर नगर, हेहल (काजू बागान) में राजद महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित जनसंपर्क अभियान के दौरान महिलाओं को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि रांची संसदीय सीट से पहली बार युवा व महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने मतदाताओं से उन्हें विजयी बनाने का अनुरोध किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष सुंदरी तिर्की ने कहा कि सुश्री सहाय को रांची संसदीय सीट से जिताकर भेजें और क्षेत्र में सर्वांगीण विकास का सपना सरकार करने में सहयोग करें। मौके पर राष्ट्रीय जनता दल (महिला प्रकोष्ठ) की प्रदेश अध्यक्ष रानी कुमारी ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता त्राहिमाम कर रही है। भाजपा ने झूठे वादे कर जनता को दिग्भ्रमित किया है। जनता अब भाजपा के झांसे में आने वाली नहीं है। जनता का भाजपा से मोह भंग होने लगा है। उन्होंने महिलाओं,युवाओं किसानों व सभी वर्गों के मतदाताओं से रांची संसदीय सीट से इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

जनसंपर्क अभियान के दौरान देवंती कुमारी, उर्मिला देवी, अंजली देवी, सोनी देवी, नीलू देवी, आरती देवी, लकी कुमारी, मुस्कान देवी, मीना देवी, गीता देवी, पूजा देवी, अन्नु कुमारी, विभाश्री, लक्ष्मी कुमारी, काजल कुमारी, प्रतिभा, प्रेरणा, किरण, आयुष, दिव्यांशु, सोनू, शैलेंद्र कुमार, राजेश कुमार सहित अन्य शामिल थे।

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी यशस्विनी सहाय की पदयात्रा व जनसंपर्क अभियान में उमड़ी भीड़

- जीएसटी की जटिलता से व्यवसायियों को छुटकारा दिलाएगी कांग्रेस सरकार : यशस्विनी सहाय
- महंगाई और बेरोजगारी पर क्यों नहीं बात करते हैं पीएम: सुबोधकांत सहाय

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

रांची। कांग्रेस की सरकार बनी तो व्यवसायियों को जीएसटी की जटिलता से छुटकारा दिलाया जाएगा। ताकि कारोबारी आसानी से अपना व्यापार कर सके। कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने यह बातें चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा। रविवार को जनसंपर्क और चुनावी सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यशस्विनी सहाय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों के दुख दर्द को समझती है। जीएसटी से व्यापारियों की परेशानी को देखते हुए हमारे नेता राहुल गांधी ने घोषणा की है कि जीएसटी की जटिलता को दूर कर इसे सरल बनाया जाएगा। जिससे कि व्यापारियों को सहूलियत हो और उन्हें पांच तरह का टैक्स नहीं देना पड़े।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई तो 30 लाख युवाओं को शीघ्र नौकरी दी जाएगी। इसके साथ ही शिक्षित युवाओं को अप्रेंटिसशिप योजना के तहत एक लाख रुपए दिए जाएंगे। कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर गरीब परिवार की एक महिला को हर साल एक लाख रुपए मतलब हर महीने 8,500 रुपए देगी। इसके साथ ही केंद्र की नई सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा और आशा, आंगनबाड़ी और मिड डे मील कर्मियों का वेतन दुगना कर दिया जाएगा। उन्होंने मतदाताओं से अपील किया कि महंगाई व बेरोजगारी से मुक्ति और देश के विकास के लिए कांग्रेस को वोट देकर इंडिया गठबंधन को मजबूत करें।

तानाशाह मोदी सरकार के दिन अब लद रहे हैं- सुबोधकांत

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि तानाशाह मोदी सरकार के दिन अब पूरे हो गए हैं। देश की जनता जन विरोधी नीतियों से ऊब चुकी है। इसलिए देश में परिवर्तन की लहर बह रही है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे ज्वलंत समस्या महंगाई और बेरोजगारी से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पीएम मोदी इधर-उधर की बातें करते हैं।

लेकिन देश की जनता अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है। जनता सत्ता परिवर्तन चाहती है और पिछले चार चरणों के चुनाव में यह साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और जन विरोधी नीतियों से छुटकारा पाने के लिए कांग्रेस को वोट देकर इंडिया गठबंधन और राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करें। श्री सहाय ने अपील किया कि रांची से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को हाथ छाप में वोट देकर विजयी बनावे।कार्यक्रम में प्रभाकर तिर्की, मो.असलम, प्रताप, विजय टोप्पो, सुषमा हेंब्रम, माधव कच्छप, दीपक लाल, शंभू सिंह, रोहित सिन्हा, पतरस मुखिया, सत्येंद्र कुमार, रंजन यादव, राजीव कुमार, अकीउल रहमान, खुर्शीद हसन रूमी, जावेद जमाल, नीरज सिंह सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक शामिल थे।

चेंबर का मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। शत प्रतिशत मतदान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा मोराबादी के संगम गार्डेन से लेकर बापू वाटिका तक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हर एक वोट जरुरी है का संदेश देते हुए बापू वाटिका के समीप सिग्नेचर अभियान चलाकर मतदाताओं को अपने अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के संयोजक एवं सह सचिव अमित शर्मा ओर शैलेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए कहा कि 25 मई को मतदान के दिन शत प्रतिशत मतदान हो सके, इस उद्देश्य से हमारा यह प्रयास जारी रहेगा। चैम्बर अध्यक्ष किशोर मंत्री एवं महासचिव परेश गट्टानी ने संयुक्त रूप से रांची क्षेत्र के सभी मतदाताओं विशेषकर व्यापारियों एवं उद्यमियों से स्वयं के साथ ही अपने परिवार के सदस्यो, मित्रों एवं कर्मचारियों के साथ बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की।मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में चैम्बर अध्यक्ष किशोर मंत्री, महासचिव परेश गट्टानी, सह सचिव शैलेश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य विमल फोगला, सदस्य मनोज मिश्रा, किशन अग्रवाल, पियूष कुमार, विजय शंकर के अलावा कई अन्य सदस्य शामिल थे।

फिटनेस और डाइट की मदद से ब्लड प्रेशर का नियंत्रण संभव

रांची। वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे हमें याद दिलाता है कि यह एक गंभीर समस्या है और इसमें तुरंत ही ध्यान देने की जरूरत है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। भारत में, यह काफी बड़ी आबादी को प्रभावित करता है- लगभग तीन में से एक वयस्क को हाइपरटेंशन होता है। सही वजन बनाए रखना और सक्रिय बने रहना जरूरी है, वहीं डाइटरी विकल्प भी क्रॉनिक समस्या को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाता है। भारतीय संदर्भ में फिटनेस, फ्राइड फूड्स और विशेषकर ब्लड प्रेशर बेहद महत्वपूर्ण है, जहां स्वादिष्ट लेकिन तली-भुनी चीजें पाककला की संस्कृति में गहराई से रची-बसी हैं।

डॉ. हेमंत नारायण राय, प्रोफेसर एवं एचओडी, कार्डियोलॉजी, रिम्स, रांची का कहना है कि सीमित मात्रा में फ्राइड फूड्स और फलों, सब्जियों तथा लीन प्रोटीन युक्त आहार का सतर्कतापूर्वक चुनाव, काफी हद तक हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम कर सकता है। याद रखें, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना लंबे समय तक लिया जाने वाला संकल्प है, लेकिन अपनी रोजमर्रा की आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करने से उसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। खाना पकाने का सेहतमंद तरीका चुनें, अपनी पसंदीदा तली-भुनी चीजों का विकल्प ढूंढें और अपने शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए अपनी पसंदीदा एक्टिविटीज चुनें। इस तरह के सुरक्षात्मक कदम उठाने से आप अपनी सेहत की लगाम अपने हाथ में रख सकते हैं और हाइपरटेंशन की समस्याओं से मुक्त भविष्य में निवेश कर सकते हैं।

फिटनेस तथा कम फ्राइड फूड्स वाला संतुलित आहार युक्त सेहतमंद लाइफस्टाइल अपनाने से आप काफी हद तक हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम कर सकते हैं या यदि आपको पहले ही समस्या हो चुकी है तो उसे नियंत्रित कर सकते हैं।

फ्राइड फूड्स को यदि इन्हें लगातार खाया जाए तो ब्लड प्रेशर पर काफी ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। फ्राइड फूड्स को अक्सर ही सैचुरेटेड एवं ट्रांस फैट्स युक्त तेल में तला जाता है। ये फैट्स खून में एलडीएल (÷बैड÷) कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है, जिसकी वजह से धमनियों में प्लाक जमा होने लगता है। कई सारे फ्राइड फूड्स में काफी ज्यादा मात्रा में नमक होता है, जिसकी वजह से सोडियम के सेवन की मात्रा बढ़ जाती है। उच्च सोडियम/निम्न पोटेशियम युक्त भोजन से धमनियों में कड़ापन आ जाता है और यह रोगजनक हाइपरटेंशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अत्यधिक तलने से भोजन के काफी सारे आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। फ्राइड फूड्स में अक्सर ही फाइबर और जरूरी विटामिन्स तथा मिनरल्स की कमी होती है, जोकि संपूर्ण सेहत और ह्दय की कार्यप्रणाली के लिए अहम होते हैं।

जेसीआई रांची यूथ के समर कैम्प में बच्चों ने मचाया धमाल

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,रांची। जेसीआई यूथ रांची द्वारा पिछले 3 दिनों से चल रहे समर कैंप का रविवार को समापन हो गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। समर कैंप में डांसिंग,ड्रामा,प्रिंटिंग आर्ट एंड क्राफ्ट तथा गेम्स आदि सिखाए गए।संस्था की अध्यक्ष सोनल अग्रवाल बताया कि समापन अवसर पर बच्चों ने अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों के साथ फूलों की होली खेली गई।समापन मौके पर प्रतिभागी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।यह उनके विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कैंप में बच्चों ने जो सीखा उसका बखूबी प्रदर्शन किया।कैंप में बच्चों को बताया गया कि कैसे वह पढ़ाई के साथ-साथ अपनी पसंद के गेम में अपना बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।बच्चों को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के लिए तो हम अपनी पाठ्य पुस्तको से पूरे वर्ष शिक्षा प्राप्त करते ही है,लेकिन इसके अतिरिक्त भी हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए समय समय पर कुछ हटकर भी अनेक गतिविधियां और क्रियाकलाप अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं।समर कैंप इसका बेहतर विकल्प है, जिसमें हम अपना शारीरिक एवं मानसिक विकास कर सकते है।समर कैंप में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चे बधाई के पात्र हैं।समर कैम्प के सफल समापन पर जेसीआई यूथ की ओर से सभी बच्चों और स्कूल की शिक्षिका को गिफ्ट दिया गया। कार्यक्रम में मे सहयोग के लिए जेसीआई यूथ ने स्कूल की प्रधानाचार्य एवं उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया है। समापन समारोह मे पूर्व अध्यक्ष प्रतीक बदानी,अध्यक्ष सोनल अग्रवाल,मोनिका ग़ोयनका,आदिति बदानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

युवाओं-महिलाओं के अधिकार के लिए इंडिया गठबंधन प्रत्याशी को वोट करें ःदीपक लाल

वार्ड 29 में बूथ कमिटी के साथ बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। जिस तरह से देश में युवाओं को पढ़ाई के बाद भी बेरोजगार रहना पड़ रहा है, महिलाएं सुरक्षित नही हैं, ऐसे में अपने हक और अधिकार के लिए इंडिया गठबंधन को समर्थन दें, उनके पक्ष में मतदान करें।

उक्त बातें रांची नगर निगम वार्ड संख्या 29 में बूथ कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए रांची विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक लाल ने कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता घर घर जा कर कांग्रेस के न्याय पत्र को बता रहे हैं एवं सबको उसके वोट के अधिकार को समझा रहे हैं। सभी वोटरों को घर से निकलकर वोट करने की अपील की गई।

बैठक में कांग्रेस नेता दीपक लाल, समाजसेवी बादल सिंह, मोहम्मद तालिब अली, उमर अंसारी , शाहनवाज़ आलम, कृष्णा राम, दीपक वर्मा, छोटू वर्मा, इम्तियाज अंसारी, राजेश तिर्की, भगवती पाठक, मोहम्मद अजहर, महफूज आलम, जायेद, तबरेज कलाम, रियाज अंसारी, सौरभ लाल, शाहनवाज, शकील अंसारी, मुन्ना अंसारी, अफरोज कुमार, हैदर, अजहर अंसारी, पप्पू खान, मिराज खान सहित अन्य उपस्थित थे।

कोडरमा लोकसभा व गांडेय विधानसभा उपचुनाव हेतु पोलिंग पार्टी के सदस्य रवाना

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। कोडरमा लोकसभा और गांडेय विधानसभा का उप चुनाव सोमवार 20 मई को है। चुनाव की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। मतदान के लिए मतदान कर्मियों को उनके बूथ और कलस्टर पर रवाना किया गया।गिरिडीह कॉलेज, विवाह भवन और झंडा मैदान स्थित डिस्पैच सेंटर से मतदान कर्मियों को आवश्यक सामग्रियों के साथ रवाना किया गया। अलग अलग वाहनों से ईवीएम सहित अन्य सामग्रियों के साथ मतदान कर्मियों को उनके बूथों पर के लिए रवाना किया गया। इस संबंध मे जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि लगभग 90 फीसदी मतदानकर्मियों को उनके निर्धारित क्षेत्र के लिए रवाना कर दिया गया है।साथ ही जो दस फीसदी बचे हुए हैं वे रिजर्व हैं।पोलिंग पार्टी के सदस्य सेक्टर ऑफिसर के साथ जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि चुनाव की पूरी तैयारियां कर ली गई हैं।साथ ही उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की एवं मतदान कर्मियों को निष्पक्षता पूर्वक मतदान कराने का निर्देश दिया गया।

एंबुलेंस चालकों को नहीं मिली दो माह का बकाया वेतन, दस महीने बीत गए आस के इंतजार में

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,पाकुड़। स्वास्थ्य विभाग में कंपनी पेरोल पर वर्षो से सेवा दे रहे एंबुलेंस चालक जो दिन रात अपनी सेवा की भावना से मेहनत करते है। मरीजों को सही सलामत व समय पर अस्पताल पहुंचना ताकि जान बच सके लेकिन झारखंड सरकार की गलत नीति और रवैया के कारण आज पूरे राज्य में चालकों का पिछले वर्ष 2023 जुलाई एवं अगस्त का वेतन आज तक नहीं मिला। बात करे सिर्फ पाकुड़ जिले कि तो कुल 44 चालकों का दो माह का वेतन बकाया है, जिसे नौ माह के बाद भी नहीं मिली। इस संबंध में एंबुलेंस चालकों ने पूर्वांचल सूर्य के पत्रकार को बताया कि हमलोग गरीब है, और हमारा भी परिवार है, हमलोग मरीज कि जान बचाने में अपनी जान की परवाह तक नहीं करते है, लेकिन पिछले कंपनी जीगाजा हेल्थ केयर पिछले वर्ष का दो महीने का वेतन हमारा रख लिया है, जिसे आज तक नहीं मिला। वही दूसरी कंपनी जवीके ईएमआरआई ने सभी का वेतन कम कर दिया और पी एफ आई तक नहीं काटा जाता है। हम सभी सरकार से गुजारिश करते है की इस विषय पर ध्यान दिया जाए। यहां तक की रांची जाने पर भी अलग से कोई कमीशन नहीं दिया जाता है। मतलब साफ है, सरकार कि नीति ही खराब है , कंपनी को काम देकर खुद के पल्ले को झाड़ लेना वाली बात हो गई है। जबकि सरकार के पास बेहतर संसाधन है, जो खुद सरकार पूरे राज्य में एंबुलेंस चला सकती है। जरूरत है इन तमाम एंबुलेंस चालकों पर ध्यान देने कि, ताकि ये लोग और बेहतर ढंग और लगन से कार्य कर सके।

जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस ने चलाया चुनावी जनसंपर्क अभियान

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, पाकुड़। रविवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार के नेतृत्व में अपने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ सदर प्रखंड अंतर्गत ग्राम गुलदाहा, रामचंद्रपुर,बेलडांगा पालिमोड़, पालि हाट, गगनपहाड़ी में चुनावी जनसंपर्क अभियान चलाया गया साथ ही श्रीकुमार सरकार द्वारा लोगों को संबोधित भी किये। उन्होंने लोगों से राजमहल क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विजय कुमार हांसदा के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील किया। ग्रामीणों ने भी गठबंधन प्रत्याशी विजय कुमार हांसदा को अधिक से अधिक मतों से विजय दिलाकर आदरणीय राहुल गांधी जी के हाथ को मजबूत करने की बात किये। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, सेलिम हुसैन, सोशल मीडिया प्रभारी पियारूल इस्लाम सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

चतरा लोकसभा अंतर्गत पांकी विधानसभा के लिये मतदान कर्मियों को रवाना किया गया

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,मेदिनीनगर(पलामू)। चतरा लोकसभा अंतर्गत पड़ने वाले पांकी विधानसभा के कुल 326 बूथों के लिये रविवार को जिला मुख्यालय स्थित गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज के परिसर से सभी मतदान सामग्री लेकर मतदानकर्मियों को रवाना किया गया।पांकी विधानसभा के लिये प्रतिनियुक्ति कर्मी सुबह 7 बजे से ही केंद्र पर पहुंच गये थे।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन,पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन,ईवीएम/ वीवीपैट कोषांग के नोडल पदाधिकारी रवि आनंद, सामग्री कोषांग के नोडल

पदाधिकारी जावेद हुसैन पांकी विधानसभा के सहायक निर्वाची पदाधिकारी प्रीति किस्कू की देख-रेख में वितरण कार्य शुरू हुआ।रविवार को जी.एल.ए कॉलेज में पांकी विधानसभा के लिये बनाये गये काउंटर पर कई तरह के कागजी प्रक्रियाओं के मिलान के पश्चात मतदानकर्मियों को मतदान सामग्री देकर अपने-अपने बूथों के लिये रवाना कर दिया गया।पोलिंग पार्टी के साथ सेक्टर पदाधिकारी व पुलिस बल को भी टैग किया गया था।चतरा लोकसभा के पांकी में सोमवार को होने वाले मतदान में कुल 326 बूथों पर 322063 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जिसमें महिला मतदाता 156679 व पुरुष मतदाता 165384 शामिल हैं।

भाजपा का मतदाता जागरूकता अभियानः

गरीबों के पैसे की बंदरबांट करने वालों को चुनाव में जनता देगी करारा जवाब : संजय सेठ

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने रविवार को धुर्वा, हरमू ,ईरगु टोली, खादगढा के विभिन्न क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। साथ ही गौशाला हरमू रोड में मतदाता जागरूकता अभियान में शामिल हुए।श्रमिक युवा सामाजिक व व्यापारिक संगठन के साथ मतदाता जागरूक अभियान सहित सरना विकास समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह में शामिल हुए। पूर्व सैनिकों के साथ खटंगा में आयोजित महासम्मेलन की बैठक एवं दंगी समाज की बैठक में सम्मिलित हुए। सांसद सेठ ने आज धुर्वा स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मॉर्निंग वॉकर्स और खिलाड़ियों से मिले। श्री सेठ ने कहा आज भारत विकसित भारत के श्रेणी में खड़ा है। आज का भारत आत्मनिर्भर भारत है। आज खेल के क्षेत्र में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया के माध्यम से प्रतिभा को सामने लाने का एक अनूठा प्रयास किया है। खेल के क्षेत्र में पहले ग्रामीण क्षेत्र के

प्रतिभाशाली युवा आगे नहीं बढ़ पाए थे। नरेंद्र मोदी के प्रयास से आज खेलो इंडिया कार्यक्रम देश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित की जा रही है ताकि ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चे आगे बढ़ सके । कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष उमेश यादव ,सुचित्रा रानी ,सागर यदुवंशी, चंदन पटेल ,शिव बच्चन, कन्हैया सिंह ,राम सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रमिक युवा सामाजिक व व्यापारिक संगठन के साथ मतदाता जागरण अभियान में शामिल हुए सांसद सेठ ने कहा आज झारखंड सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है उनके मुख्यमंत्री से लेकर उनके अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद है। आज झारखंड में बिना पैसे का कोई काम नहीं हो पा रहा है। झारखंड की सरकार ने गरीब एवं श्रमिकों के लिए कुछ नहीं किया। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के लिए बिना ब्याज रोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया। हमारे श्रमिक भाइयों के लिए पेंशन की व्यवस्था सुनिश्चित की। गरीब कल्याण योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 5 किलो अनाज पिछले 4 साल से दिया जा रहा है और आगे 5 साल तक दिया

जाएगा। आयुष्मान कार्ड के तहत 5 लाख तक मुफ्त में इलाज आवास योजना के तहत घर शौचालय ,जनधन खाता सहित कई ऐसे कार्य किया जा रहे हैं। *रांची के विधायक सी पी सिंह ने कहा झारखंड की सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है। इस झारखंड की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए एवं राष्ट के निर्माण के लिए जरूरी है कि हम सभी अपने-अपने घरों से निकले और 25 तारीख को मतदान अवश्य करें। यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्यौहार है। 5 साल में एक बार यह त्यौहार आता है। हम इसे त्यौहार के रूप में मनाएं और अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन अवश्य करें। हम इस देश के एक जिम्मेदार नागरिक है और इसके कर्तव्यो का निर्वहन करना चाहिए। सभा मे सी पी सिंह ने कहा झारखंड में बिजली की समस्या ,बेरोजगारी की समस्या ,महिला पर अत्याचार व कानून व्यवस्था सभी ध्वस्त है।

इस कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू ,ललित ओझा ,सत्यनारायण सिंह, कृपा शंकर सिंह, संजय जयसवाल, सुधीर सिंह, पुतुल चौधरी, बिनोद जायसवाल ,हरि चौधरी ,अवध किशोर चौधरी, अमित चौधरी, श्याम बिहारी, बैजू सोनी, हरेंद्र सिंह , पुरेनदर सिंह, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे।

सांसद सेठ गौशाला न्यास समिति द्वारा आयोजित जागो मतदाता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए : सांसद सेठ ने गौशाला न्यास समिति द्वारा आयोजित जागो मतदाता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और गौ माता की पूजा अर्चना की। तुला दान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर संसद सेठ ने कहा न्यास समिति गौ सेवा कर पुण्य का काम कर रही है। हम सबों को मिलकर गौ माता को बचाना होगा। गौ माता की सेवा से बढ़कर इस दुनिया में कोई बड़ा पुण्य का कार्य नहीं है। उन्होंने सभी लोगों से राष्ट्रहित में 25 तारीख को मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर रतन जालान, प्रदीप राजगढ़िया, पुनीत पोद्दार ,मुकेश काबरा ,देवकीनंदन नर्सरिया ,किशोर मंत्री ,अमित चौधरी ,मनीष लोढ़ा, संजय जयसवाल ,वासुदेव भल्ला, आदित्य मल्होत्रा ,उमाशंकर कनोडिया, रमाशंकर बगड़िया, प्रेम मित्तल सहित सैकड़ो की संख्या में महिला और पुरुष शामिल थे।

28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने किया महत्वपूर्ण बैठक

जिला के लिट्टीपाड़ा प्रखंड में होगा कार्यक्रम, मोदी की उपलब्धियां घर घर पहुंचाने का लिया संकल्प

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,पाकुड़। भाजपा परिवार ने विगत दिन पाकुड़ नगर की एक आवश्यक बैठक भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज कुमार साह की अध्यक्षता में एवं छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा के नेता मनोज शर्मा , पाकुड़ विधानसभा प्रभारी धर्मेंद्र ठाकुर , पाकुड़ विधानसभा के पूर्व विधायक बेनी प्रसाद गुप्ता, पाकुड़

विधानसभा संयोजक बाबुधन मुर्मू , मंगल हांसदा, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साह, पाकुड़ विधानसभा के विस्तारक जयप्रकाश यादव के गरिमा मय उपस्थिति में, पाकुड़ विधानसभा चुनाव कार्यालय अपर्णा मार्केट में बैठक संपन्न हुई। बैठक में पाकुड़ नगर में निवास करने वाले सभी वरिष्ठ सम्मानित प्रदेश के पदाधिकारी, पूर्व विधायक ,पूर्व जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, पूर्व नगर अध्यक्ष, सभी मोर्चा के अध्यक्ष, शक्ति केंद्र के प्रभारी, संयोजक सह संयोजक इस महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिए। मेरा बूथ सबसे मजबूत के तहत सभी बूथों पर कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष के माध्यम से भाजपा के द्वारा पर्ची वितरण का कार्यक्रम एवं मोदी जी के विभिन्न कार्यक्रमों विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाकर आगामी 01 जून को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने हेतु पाकुड़ नगर के सभी बूथों पर अभियान चलाने का कार्य किया जाएगा। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को जानकारी दिया गया कि आगामी 28 मई को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकुड़ जिला के लिट्टीपाड़ा प्रखंड में आगमन होने जा रहा है। इसकी तैयारी सभी बूथों पर आगामी दिनों में जोर-शोर से करने का संकल्प लिया गया।

कोडरमा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में पोलिंग कराने जा रहे मतदान कर्मियों द्वारा सड़क जाम

गिरिडीह जाने हेतु वाहन नहीं मिलने पर हजारीबाग गिरिडीह मार्ग को अवरुद्ध कर की नारेबाजी

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। कोडरमा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र चुनाव कराने जा रहे जिले में डुमरी प्रखंड के मतदान कर्मियों ने रविवार की सुबह वाहन उपलब्ध नहीं रहने के कारण आक्रोशित होकर

हजारीबाग - गिरिडीह मार्ग को डुमरी वनांचल चौक में जाम कर दिया।इसके साथ ही स्थानीय प्रशासन के विरूद्ध नारेबाजी करने लगे। वहीं

लगभग एक घंटे सड़क जाम रहने से मार्ग के दोनों ओर तथा पुराना जीटी रोड में वाहनों की लम्बी कतार लग गयी।जाम की सूचना मिलने पर एसडीएम डुमरी शहजाद परवेज, बीडीओ अन्वेषा ओना, बीईईओ जयकुमार तिवारी जाम स्थल पर पहुंचकर आक्रोशित मतदान कर्मियों

को समझा बुझाकर अनुमंडल कार्यालय सभागार ले गये।

जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। वहीं अनुमण्डल कार्यालय सभागार में सभी मतदान कर्मियों को पानी,

चाय और अल्पाहार स्वरूप फल खिलाया गया। तत्पश्चात जिला से वाहन पहुंचने पर करीब 9 बजे सभी मतदान कर्मियों को जिला डिस्पैच सेंटर रवाना कर दिया गया।जबकि मतदान कर्मी डीलचंद महतो ने बताया कि वे तथा कई मतदान कर्मी भाड़े की गाड़ी से गिरिडीह पहुंचे।

इस संबंध में मतदान कर्मियों ने बताया कि कोडरमा लोकसभा चुनाव कराने के लिए लोकसभा क्षेत्र के अलग अलग बूथों में ड्यूटी लगाया गया है। जिसके लिए जिला के अलग अलग स्थानों में डिस्पैच सेंटर बनाया गया है। जहां उन सभी को रविवार की सुबह 5ः30 बजे ही रिपोर्टिंग करना था। जिसको लेकर सभी मतदान कर्मियों को सुबह 5 बजे बुलाया गया था। लेकिन जब सभी मतदान कर्मी सुबह विभिन्न क्षेत्रों से डुमरी पहुंचे तो वाहन का कोई अतापता नहीं था और ना ही कोई कुछ बताने वाला था।बताया कि काफी इंतजार करने के बाद जब वाहन नहीं पहुंचा तो विरोध जताने के लिए सड़क जाम करना पड़ा।इस दौरान कमल किशोर महतो,डीलचन्द महतो,भोलाराम क्रान्ति,संजय

यादव,राजेश कुमार,हीरालाल महतो,बालेश्वर महतो, नागेश्वर महतो,सोहराय महतो,प्रयाग महतो,जानकी महतो,सुरेन्द्र पांडेय,बिनोद प्रसाद महतो,सुदीप पांडेय, बिरेन्द्र पांडेय,राजकुमार पांडेय,संजय कुमार,कमला प्रसाद आदि सहित अन्य मतदान कर्मी उपस्थित थे इधर एसडीएम शहजाद परवेज ने कहा कि मतदान कर्मियों को डिस्पैच सेंटर ले जाने के लिए वाहन समय पर नहीं आने के कारण मतदान कर्मियों में थोड़ा आक्रोश था, जिसे सलटा लिया गया।बताया कि वाहन जिला से रात्रि को ही डुमरी आने वाला था। लेकिन किसी कारणवश नहीं आ पाया,जिससे ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो गई।

कल्पना सोरेन के संभावित कार्यक्रम को लेकर झामुमो जिलाध्यक्ष ने किया कार्यक्रम स्थल का मुआयना

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,पाकुड़। जिले के पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत झिकरहटी पश्चिम पंचायत में आगामी 26 मई दिन रविवार व रहसपुर पंचायत में आगामी 27 मई दिन सोमवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन की पत्नी झामुमो नेत्री सह पार्टी की स्टार प्रचारक कल्पना मुर्मू सोरेन के संभावित कार्यक्रम को लेकर झामुमो जिलाध्यक्ष श्याम यादव द्वारा हैलीपेड व सभा स्थल

निर्माण हेतू झिकरहाटी पश्चिमी पंचायत के केकेडीएम हाई स्कूल मैदान व रहसपुर के ईदगाह मैदान का मुआयना किया गया। मौके पर अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष हबीबुर्रहमान, अभियंता जनार्दन मंडल, जिला सदस्य फिरोज अली, प्रखंड उपाध्यक्ष अजफारुल शेख, पंचायत अध्यक्ष फुरकान शेख, पंचायत अध्यक्ष रफिजुद्दीन शेख सहित अन्य मौजूद थे।

मंडलकारा पाकुड़ में हुआ जेल अदालत का आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, पाकुड़। झालसा रांची के निर्देशानुसार 19 मई 2024 रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ बाल कृष्ण तिवारी के निर्देश पर सचिव अजय कुमार गुड़िया एवं जेल के प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में मंडलकारा पाकुड़ में जेल अदालत का आयोजन किया गया।

केंद्रीय कारा मेदिनीनगर में जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

मेदिनीनगर (पलामू)। एल ए डी सी के कार्यप्रणाली पर डाला प्रकाश।मेदिनीनगर, केंदीय कारा मेदिनीनगर में रविवार को पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । इस मौके पर उन्होंने लीगल एड डिफेंस कौंसिल के बारे में बन्दियों से जानकारी ली।व कहा कि ये अधिवक्ता आपके लिए नियुक्त किये गए है।उन्होंने कहा कि कोई भी बन्दी बिना अधिवक्ता के नही रहे।साथ ही आपको या परिवार के सदस्य को कोई समस्या हो तो इनके माध्यम से सादे कागज पर एक आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में भेजे आपके समस्या का निदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सजायाप्ता बन्दी अभी तक किसी कारण से अपील नहीं कर पाए हैं उनको अपील करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कोई भी सजा पाए बन्दी बिना अपील किए नहीं रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से वैसे बन्दियों को बिना खर्च के अपील करने की व्यवस्था की गई है । उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से समाज के कमजोर व बंचित लोगों को मुफ्त विधिक सहायता उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने बन्दियों से समस्या पूछा व उसका निराकरण का उपाय भी बताए।उन्होंने कहा कि हम यहाँ केस का मैरिट डिसाइड करने नही आये बल्कि आपको अपना पक्ष रखने में क्या समस्या हो रहा है।इसके लिए यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।बन्दियों ने आधार कार्ड बनाने ,राशन कार्ड में नाम जोड़वाने व केस से सम्बंधित समस्या को रखा।उन्होंने डालसा सचिव को इन समस्या के निराकरण करने को कहा।।इस मौके डालसा सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने कहा कि डालसा के माध्यम से कई कार्यक्रम किये जा रहे हैं। केस में पक्ष रखने के

लिए फ्री में डिफेंस काउंसिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं।साथ ही गाँव गाँव मे जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है।लीगल एड दिया जा रहा है।विक्टिम कम्पनशेषन के तहत मुवावजा प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब न्याय पाने में गरीबी बाधक नही है।सभी को सुलभ व सस्ता न्याय उपलब्ध कराया जा रहा है इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह ने कहा कि जैसे ही किसी बन्दी का आवेदन एल ए डी सी में आता हैं हमलोग उसका काम शुरू कर देते हैं।आप विश्वास के साथ आवेदन भेजे हमलोग मेहनत कर आपके मामले में न्यायालय में पक्ष रखते हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग सिर्फ जो केस एल ए डी सी को मीलता है उसमें ही काम करते हैं।इसलिए कहि आपको काम मे शिकायत नही मिलेगा।इस मौके पर एल ए डी सी के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि बिगत एक बर्ष में 500 केस में एल ए डी सी काउंसिल कार्य कर रहे हैं।जिसमे दो दर्जन से अधिक केस में रिहाई भी कराया गया है वही सैकड़ो केस में जमानत कराया गया है। एल ए डी सी की विशेषता यह है कि हमलोग के माध्यम से काम कराने से कोई खर्च नही लगता साथ ही आपको केस का अपटूडेट बराबर मिलते रहता है।उन्होंने कहा कि एल ए डी सी से जुड़े काउंसिल प्रति दिन जेल में आते हैं आप उनसे मिलकर अपना केस के बारे में तहकीकात कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि जिनका जमानत अभी तक किसी कारण बस नही हो पाया है वे बन्दी आवेदन जरूर भेजे। साथ ही कोई भी सजा प्राप्त बंदी अपील हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार में बंदी आवेदन भेज सकता है। जिसको मुफ्त में माननीय उच्च न्यायालय में सर्वोच्च न्यायालय में व जिला और सत्र न्यायालय में अपील का प्रावधान है ।उन्होंने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट से सजा प्राप्त बन्दी का अपील जिला जज के अदालत में अपील दाखिल कर सकते हैं ।जबकि जिला जज के यहां से सजा प्राप्त बंदी माननीय उच्च न्यायालय में अपील कर सकते हैं ।उन्होंने कहा कि लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के माध्यम से जमानत ,अपील, रिवीजन ,गवाही बहस,आदि का कार्य मुफ्त में किया जा रहा है। कोई भी बंदी जेल में बंदी आवेदन भेज कर मुफ्त में विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है।उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का समस्या हो तो पीएलभी से लिखवा कर जेल प्रशासन के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकार में भेजने का कार्य करें। ताकि आपको सहयोग प्रदान किया जा सके ।इस मौके पर सी जे एम आनन्द सिंह, निबन्धक कमल प्रकाश ,कारा अधीक्षक भागीरथ करजी,जेलर प्रमोद कुमार ,पीएलभी लीगल एड डिफेन्स काउंसिल के असिस्टेंट वीर बिक्रम वक्स राय, पुष्कर राज,नीतू सिंह, उत्तम कुमार ,पी एल भी नीरज कुमार समेत सैकड़ो बन्दी उपस्थित थे। के अलावे दर्जनों बंदी उपस्थित थे।

पांचवें चरण की मतदान की तैयारी पूरी, मतदानकर्मी पहुंचे मतदान केंद्रों पर: के. रवि कुमार

- तीन संसदीय क्षेत्रों में कुल 58,34,618 मतदाता करेंगे मतदान
- अभी तक 121 करोड़ 91 लाख की हो चुकी है अवैध सामग्री और नकदी की जब्ती

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने कहा है कि पांचवें चरण के मतदान की तैयारी पूरी हो चुकी है। सभी बूथ व्यवस्थित किये जा चुके हैं। मतदानकर्मी मतदान केंद्रों पर पहुंच चुके हैं। मतदाताओं को सुविधाजनक ढंग से मतदान केंद्र जाकर मतदान कराने के लिए तमाम उपाय किये गए हैं। इस फेज में तीन संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े सात जिले समाहित हैं। यहां कुल 58,34,618 मतदाता हैं। इनमें 29,99,233 पुरुष और 28,35,329 महिला मतदाता हैं। कुल बूथों की संख्या 6705 है। इनमें से 575 बूथ शहरी क्षेत्र में और 6130 बूथ ग्रामीण इलाके में हैं। इनमें से 73 बूथ महिलाओं, 13 बूथ दिव्यांगों और 13 बूथ युवाओं के द्वारा संचालित होंगे। वहीं 36 यूनिक बूथ हैं, जो उस क्षेत्र की पहचान से जुड़े होंगे। वह रविवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में प्रेस वार्ता कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि पांचवें चरण में चतरा, हजारीबाग और कोडरमा

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सोमवार को मतदान होना है। मतदान सुबह सात बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। जिस बूथ पर शाम पांच बजे तक मतदाता कतार में होंगे, उनके मतदान तक मतदान प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि चतरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 16,89,926 मतदाता हैं। जिनमें 8,61,959 पुरुष और 8,27,965 महिला मतदाता हैं। चतरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 1899 बूथ हैं। उनमें 112 शहरी क्षेत्र में और 1787 ग्रामीण इलाके में हैं। इनमें से 16 बूथ महिलाओं, 4 बूथ दिव्यांगों और 3 बूथ युवाओं के द्वारा संचालित होंगे। वहीं इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 5 यूनिक बूथ हैं।

उन्होंने बताया कि कोडरमा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 22,05,318 मतदाता हैं। जिनमें 11,40,049 पुरुष और 10,65,246 महिला मतदाता हैं। इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2552 बूथ हैं। उनमें 136 शहरी क्षेत्र में और 2416 ग्रामीण इलाके में हैं। इनमें से 23 बूथ महिलाओं, 1 बूथ दिव्यांगों और 4 बूथ युवाओं के द्वारा संचालित होंगे। वहीं इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 20 यूनिक बूथ हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि हजारीबाग संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 19,39,374 मतदाता हैं। जिनमें 9,97,225 पुरुष और 9,42,118 महिला मतदाता हैं। इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2254 बूथ हैं। उनमें 327 शहरी क्षेत्र में और 1927 ग्रामीण इलाके में हैं। इनमें से 34 बूथ महिलाओं, 8 बूथ दिव्यांगों और 6 बूथ युवाओं के द्वारा संचालित होंगे। वहीं इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 11 यूनिक बूथ हैं।

उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक राज्य में 121 करोड़, 91 लाख, 54 हजार की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की गयी है। उसमें से आयकर विभाग की जांच के दायरे में 5,07,72,332 रुपये की नकद राशि और अन्य बहुमूल्य सामग्री शामिल है। जांचोपरांत इनमें से 2,99,76,200 रुपये की नकद राशि एवं 20,70,043 रुपये मूल्य की सामग्री जब्त कर ली गयी। वहीं 1,62,51,172 की नकदी को संबंधितों को वापस कर दिया गया।

चुनाव प्रचार प्रसार का शोरगुल समाप्त, वोटिंग आज, भाजपा और काँग्रेस के बीच कांटे की टक्कर

19.35 लाख मतदाता 17 लोस उम्मीदवारों का करेंगे भाग्य का फैसला

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो ,हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र के पांचवी चरण का मत दान 20 मई को है। जिसमें 17 लोकसभा प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला 19 लाख 35 हजार 784 मतदाता मतदान कर एबीएम मशीन में बंद करेंगे। हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र में पांच विधानसभा क्षेत्र पड़ता है। जिसमें हजारीबाग सदर, मांडू, बड़कागांव, रामगढ़, और बरही विधानसभा क्षेत्र पड़ता है। जिसमें हजारीबाग सदर विधानसभा मे 4 लाख 32 हजार 279 मतदाता, मांडू विधानसभा मे 4 लाख 30 हजार 200 मतदाता,बड़कागांव में 3 लाख 86 हजार 081 मतदाता, बरही विधानसभा मे 3 लाख 31 हजार 624 मतदाता, रामगढ़ विधानसभा मे 3 लाख 55 हजार 600 मतदाता है। जिसमें 9 लाख 40 हजार 432 महिला मतदाता और 9 लाख 95 हजार 321 पुरूष मतदाता है। वही इन दो के अलावा 31 मतदाता तीसरे लिंग के है। जबकि सरकार की नई आंकड़ों के अनुसार लगभग 50 हज़ार नए युवक युवती मतदाता पहली बार अपने मतदान का उपयोग करेंगे। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल 2254 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें हजारीबाग सदर विधान सभा मे 486, मांडू विधानसभा मे 510, बड़कागांव विधान सभा मे 456, रामगढ विधान सभा मे 402, बरही विधान सभा में 400 मतदान केंद्र है। जिसमे 17 लोकसभा उम्मीदवारों में किसका भाग्य की लकीर चमकेगी, यह इन्हीं मतदाताओं के हाथों में है।

इस बार जैसा कि देखा जा रहा है पार्टी की राजनीति और रणनीति को लेकर क्षेत्र में विशेष रूप चर्चा का विषय बना हुआ है।

अपने-अपने प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने का अपील किया गया। हालांकि मतदाताओं के बीच मतदान को लेकर काफी उत्साहित देखने को मिल रही है, ईधर चुनाव आयोग के द्वारा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष भाव से चुनाव कराने को लेकर सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जिला और प्रखंड से संबंधित पुलिस प्रशासन के द्वारा चुनाव को शांतिपूर्ण सफल को लेकर प्रत्येक बूथ पर विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु लगातार पेट्रोलिंग किया जा रहा है।

महिला मतदान पदाधिकारियों को मालाएं पहनाकर बढ़ाया गया हौसला, सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न कराने की शुभकामनाओं के साथ जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों एवं अधिकारियों ने डिस्पैच सेक्टर से किया रवाना

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, रामगढ़। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत 14 लोकसभा क्षेत्र हजारीबाग रामगढ़ के लिए 20 मई को होने वाले मतदान के मद्देनजर रामगढ़ जिले में कुल 14 ऐसे मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिनका संचालन महिला मतदान पदाधिकारियों के द्वारा किया जाएगा। इसी क्रम में रविवार को वरीय पदाधिकारी जिला निर्वाचन समन्वय कोषांग सह अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो, जिला पंचायती राज पदाधिकारी निशा कुमारी सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारियों, अधिकारियों के द्वारा महिला मतदान पदाधिकारियों को पुष्प मालाएं पहनाकर उनका हौसला बढ़ाया गया। जिसके उपरांत अधिकारियों ने सभी महिला मतदान पदाधिकारियों को सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न कराने की शुभकामनाएं देते हुए रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ में बनाए गए डिस्पैच सेंटर से रवाना किया।

संसद में रांची की आवाज बनेंगी यशस्विनी ~राजद

कांग्रेस के पक्ष में नुक्कड़ सभाएं करने का निर्णय

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से इंडिया महागठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय का चुनाव जीतना लगभग तय है। सुश्री सहाय लोकतंत्र के मंदिर भारतीय संसद में रांची की आवाज बनेंगी। उक्त बातें रविवार को प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने कही। उन्होंने कहा कि बिहार झारखंड में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को मदद करने का निर्देश राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने दिया है।

उन्होंने कहा कि हमारा संगठन पूरी ताकत के साथ जनसंपर्क अभियान में जुट गया है। रांची में चुनाव प्रचार की समाप्ति तक 15 नुक्कड़ सभाएं की जाएगी और 23 मई को विशाल जनसभा का आयोजन होगा। श्री यादव ने कहा कि झूठ और जुमलों की केंद्र सरकार को यह अंदेशा हो गया है कि इस बार रांची सीट महागठबंधन के पाले में जाने वाली है। यही कारण है कि केवल रांची में ही प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का रोड शो हुआ। अन्यथा अभी तक जितने भी जगहों पर प्रधानमंत्री गये, वहां केवल सभाएं की। उन्होंने कहा कि जनता इस बार झूठ और जुमलों की सरकार से तंग आकर परिवर्तन के मूड में है। इसीलिए ऐसा लग रहा है मानो कोई इस बार राजनीतिक दल नहीं, बल्कि जनता खुद चुनाव लड़ रही है। सुश्री सहाय की जीत से विकास कार्य को और बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ पूरे जी जान से प्रचंड जीत दिलाने का काम प्रदेश राजद के कार्यकर्ता कर रहे हैं। प्रदेश राजद की ओर से चुनाव अभियान समिति बनाया गया है। श्री यादव ने कहा कि वर्तमान सांसद का कोई काम जनता के सामने आज तक नहीं आ पाया। 22 महीनों से एच ई सी के कर्मचारी बिना वेतन के काम कर रहे हैं।घरों में बूढ़े बुजुर्गों के लिए दवा नहीं खरीद पा रहे हैं, बच्चों की फीस नहीं दे पा रहे हैं, राशन लाना मुश्किल हो गया है। लेकिन वर्तमान सांसद को इसकी कोई चिंता नहीं। केंद्र में महागठबंधन की सरकार बनते ही एच ई सी की समस्या को दूर की जाएगी। श्री यादव ने रांची के मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की है। इस मौके पर राजद के वरिष्ठ नेता राजेश यादव, श्रमिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुधीर गोप, संजय टाइगर, इम्तियाज हुसैन वारसी, रमेश सिंह उपस्थित थे।

आज बरही के 123 बूथों में डाले जाएंगे वोट, एक लाख छह हजार तीन सौ चौवन मतदाता करेंगे अपना मतदान

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, बरही। आज होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर बरही प्रखंड के 123 बूथों पर वोट डाले जाएंगे। ज्ञात हो कि 18वीं लोकसभा चुनाव में बरही प्रखंड से कुल 1,06,354 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिसमे 54,576 पुरुष और 51,788 महिला मतदाता शामिल हैं। उक्त जानकारी देते हुए जेपीएस सावना मांझी ने बताया कि मतदान को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। बरही विधानसभा में कुल 400 और बरही प्रखंड में कुल 123 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। बरही के 12 बुथ क्रिटिकल घोषित किए गए हैं, जिनमे कटिऔन बूथ संख्या 298, केवाल बूथ संख्या 285, करियातपुर बूथ संख्या 362, 363, 364, जीतपुर बूथ संख्या 348, कुटूमा बूथ संख्या 349, दुलमहा बूथ संख्यां 367, 368, 369, 370 तथा श्रीनगर बूथ संख्या 344 शामिल है, जहां सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। इन सभी केंद्रों पर सीसीटीवी लगाए जा रहे हैं। जहां मतदान को कंट्रोल रूम के साथ सीधे लाइव किया जायेगा। वही केवाल स्थित विरहोर कॉलोनी के बूथ को स्पेशल घोषित किया गया है, जिसे विशेष रूप से सोहराय कला से सजाया जा रहा है। इस मतदान केंद्र पर कुल 106 विरहोर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। श्री मांझी ने बताया कि वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं के लिए ऑटो की व्यवस्था की गई है, जो मतदान के लिए लाने और वापस घर ले जाने का काम करेगा। इसके साथ ही मतदान केंद्रों पर दिव्यांगजनों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है।

बादम में हुई घटना को लेकर लोकनाथ महतो ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। बड़कागांव पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने शनिवार को बादम में दूसरे समुदाय के द्वारा भाजपा की प्रचार बाइक रैली पर हुई हमला के बाद दो कार्यकर्ता के साथ मारपीट करने घटना की तीव्र निंदा की है। उन्होंने रविवार को अपने विधायक मोहल्ला आवास में बादम घटना को लेकर कहा की दूसरे समुदाय के लोगों के द्वारा भाजपा की प्रचार बाइक रैली पर हमला एक सोची समझी साजिश थी। हम अपने देश में जय श्री राम का नारा नहीं लगाएंगे तो क्या हम पाकिस्तान में लगाएंगे। कानून को हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है, इसके लिए प्रशासन है। प्रशासन से शिकायत करनी चाहिए थी प्रशासन जांच कर कार्रवाई करती। दो भाजपा कार्यकर्ता को पड़कर बेरहमी से मारपीट करना बिल्कुल कायरतापूर्ण है। पुलिस जल्द से जल्द इस पर कार्रवाई करें और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजें। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिवलाल महतो, अजय सिंह, कुलेश्वर महतो, किशोर राणा, पवन तुरी के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

सांसद के रूप में किस्मत आजमा रहे दो विधायकों में सीधी टक्कर की है उम्मीद

पुसू प्रतिनिधि

हजारीबाग। पांचवें चरण के लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 20 मई को होगी जिसे लेकर पार्टी के उम्मीदवार का चुनाव प्रचार प्रसार अभियान कार्यक्रम समाप्त हो चुका है। इस बार जैसा कि देखा जा रहा है पार्टी की राजनीति और रणनीति को लेकर क्षेत्र में विशेष रूप से चर्चा का विषय बना हुआ है। एक तरफ भाजपा से उम्मीदवार मनीष जयसवाल हैं तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन से कांग्रेस उम्मीदवार जय प्रकाश भाई पटेल हैं। आपको बताना चाहेंगे कि 2014 से भारतीय जनता पार्टी से मनीष जयसवाल हजारीबाग सदर विधानसभा के विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं जिनका विधायक के रूप में कार्यकाल अत्यंत सराहनीय माना जाता है। वहीं दूसरी तरफ चुनाव से ठीक पूर्व भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेस में शामिल होने वाले मांडू विधानसभा विधायक जय प्रकाश भाई पटेल हैं। झामुमो से भाजपा और फिर भाजपा से कांग्रेस

में शामिल होने वाले जय प्रकाश भाई पटेल मांडू विधानसभा से 2014 से विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। 2014 में पहली बार झामुमो से और दूसरी बार 2019 में भाजपा से रहे हैं विधायक। भाजपा में शामिल होने के बाद इन्हें पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ साथ विरोधी दल के सचेतक के पद पर भी मनोनीत किया जा चुका है। इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल बनाम एनडीए से भाजपा प्रत्याशी मनीष जयसवाल के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना बनी हुई है, जैसा कि आपको बता दें की दोनो ही उम्मीदवार अपने अपने विधानसभा क्षेत्र से 2014 से वर्तमान तक दो बार विधायक चुने जा चुके हैं और दोनों ही उम्मीदवार पहली बार अपने विधानसभा क्षेत्र से कदम आगे बढ़ते हुए हजारीबाग संसदीय क्षेत्र से सांसद के रूप में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसलिए इस बार हजारीबाग संसदीय क्षेत्र का रोमांचक मुकाबला काफी दिलचस्प माना जा रहा है क्योंकि एक ही संसदीय क्षेत्र के दो विधायक के बीच सीधी भिड़ंत की उमीद है। जिसे लेकर स्टार प्रचारक के रूप में कई पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के अलावा अन्य राज्य के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्री जैसे नेताओं ने चुनावी जनसभा में भाग लिया एवं चुनावी कार्यक्रम में संबोधन के दौरान क्षेत्रों में विकास संबंधी वादे कर उपस्थित जनता जनार्दन से अपने-अपने प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की है। बहरहाल अब किस्मत आजमा रहे इन दोनो प्रत्याशियों में से किसकी जीत होती है किसकी हार इसका नतीजा आने वाले चार जून को ही पता चलेगा। हालांकि मतदाताओं के बीच मतदान को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। ईधर चुनाव आयोग के द्वारा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष भाव से मतदान कराने को लेकर सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। क्षेत्र से संबंधित पुलिस प्रशासन के द्वारा मतदान को शांतिपूर्ण और सफल बनाने को लेकर प्रत्येक बूथ पर विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है।

हरमू के श्री श्याम मंदिर का आठवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

मोहिनी एकादशी उत्सव आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में रविवार को वैशाख शुक्ल पक्ष के मोहिनी एकादशी के अवसर पर मंदिर का अष्टम स्थापना दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। प्रातः 5 बजे मंदिर के पट खोल दिए गए 5~30 बजे की मंगला आरती के बाद बाबा का प्रातः कालीन श्रृंगार किया गया। एकादशी के अवसर होने के कारण भक्तों की भीड़ सुबह मंगला आरती में ही बहुत थी। 8~30 बजे की श्रृंगार आरती में भक्तों का भाव देखते ही बन रहा था। 12~15 बजे की विश्राम आरती के बाद मंदिर के पट लगा दिए गए। दोपहर के बाद मंडल के मंत्री श्याम सुंदर शर्मा एवं मंदिर के आचार्य ने बाबा का संध्या कालीन विशेष श्रृंगार करके बाबा को मनभावन रूप दिया। कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए ऑर्किड लाल गुलाब पीला गुलाब रानी गुलाब जिप्सो फुल रजनीगंधा लाल गेंदा पीला गेंदा

तुलसी दल की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम का अद्भुत श्रंगार किया गया । संध्या 4~30 बजे बाबा के पट खुलते ही भक्तों का भीड़ मंदिर में लग गई। शाम 7 बजे की ग्वाल आरती एवं 8~30 बजे की रात्रि कालीन आरती के बाद एकादशी एवं मंदिर स्थापना दिवस की विशेष तैयारी मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली एवं सदस्यों ने मिलकर अंतिम रूप दिया। 9~30 बजे बाबा की अखंड पावन ज्योति मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी एवं धर्मपत्नी अन्नपूर्णा सरावगी ने प्रज्वलित कर पेड़ा ,रबड़ी, फल प्रसाद पान का भोग लगा बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई। रबड़ी प्रसाद अन्नपूर्णा सरावगी पंचमेवा प्रसाद अमित मित्तल गिरीगोला सेवा एवं फल प्रसाद एक श्याम भक्त आशिक श्रृंगार सहयोग सेवा मोहित कुमार द्वारा निवेदित थी।इसके बाद भजनों का कार्यक्रम चालू हुआ। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, सलज अग्रवाल, पवन शर्मा, मदन सोनी, तनय कटपाल, पंकज गाड़ोदिया ने भजनों का निरंतर गायन कर भक्तों को झुमाया। स्थापना दिवस के अवसर पर कोलकाता से आए अभिषेक शर्मा ने इसके उपरांत भक्तों को भक्ति रस में डुबोए रखा। निरंतर भजनों का कार्यक्रम देर रात्रि तक चलता रहा। समापन आरती के बाद स्थापना दिवस एवं एकादशी समारोह संपन्न हुआ। एकादशी के अवसर पर विशेष प्रसाद एवं फल भक्तों के बीच निरंतर रात्रि तक वितरित होते रहा। इस अवसर पर संजय सराफ, अरविंद सोमानी, रौनक पोद्दार, रोशन खेमका, दिनेश अग्रवाल, आशुतोष खेतान, लोकेश जालान, विशाल पोद्दार, सर्वेश अग्रवाल उपस्थित थे।

झारखंड आंदोलनकारी नेता ने इंडिया गठबंधन के पक्ष में किया जनसंपर्क

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारी नेता प्रभाकर तिर्की ने रविवार को खिजरी व सिल्ली प्रखंड के विभिन्न पंचायतों और गांवों में सभा कर रांची लोकसभा क्षेत्र की महागठबंधन प्रत्याशी कांग्रेस यशस्विनी सहाय के पक्ष में प्रचार अभियान चलाया। खिजरी प्रखंड के बाह्य पंचायत, नवागर पंचायत और कामता, कुच्चू तथा हुंडरू क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ बैठक की। इसके बाद सिल्ली प्रखंड के जोन्हा पंचायत में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। जिसमें काफी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रभाकर तिर्की ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के अधिकारों को एक साजिश के तहत छीनने का प्रयास कर रही है, जिसे कांग्रेस सरकार ने इस वर्ग के लोगों के सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए ढेर सारी नीतियां व योजनाएं बना कर दी थी। लेकिन बीजेपी संविधान में छेद करके हमारे विकास को बाधित करने की साजिश कर रही है। हमें बीजेपी के इस साजिश का मुहतोड़ जवाब आने वाले चुनाव में देना होगा। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक समुदाय द्वारा भाजपा के मोटरसाइकिल रैली पर पथराव एवं रैली में शामिल कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के बादम गांव में एक समुदाय द्वारा भाजपा के मोटरसाइकिल रैली पर पथराव एवं रैली में शामिल कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। मारपीट में दो भाजपा कार्यकर्ता विक्की राणा पिता स्वर्गीय विनय राणा ग्राम खरांटी एवं दिवाकर नायक पिता स्वर्गीय अशोक नायक ग्राम गोसाई बलिया घायल हो गया जिन्हें बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी डॉ अविनाश कुमार ने बताया कि दिवाकर नायक बोलने में असमर्थ है जबकि विक्की राणा को भी जबड़ा एवं गार्डन में काफी छोटे लगी है ।इस संबंध में दिवाकर नायक के ब्यान पर बड़कागांव थाना में तीन लोग मोहम्मद मोंटी पिता मोहम्मद मोतिउल्लाह, मोहम्मद नासीब पिता आसान खान, जिसान खान पिता हसन अली ग्राम बादम एवं 50 से 60 अज्ञात लोगों के विरुद्ध आवेदन दी गई है। आवेदन में कहा गया है कि नयाटांड़ मंगल बाजार से मोटरसाइकिल रैली निकालकर विभिन्न गांव होते हुए गोंदलपुरा गांव से वापसी के क्रम में बड़कागांव मस्जिद के निकट दूसरे समुदाय के कुछ युवकों द्वारा नारा लगाए जाने पर आपत्ति जताते हुए रोक कर जाति सूचक संबोधन करते हुए मारपीट करने लगे जिससे मैं एवं विक्की राणा घायल हो गया। इसकी सूचना मिलते ही हजारीबाग लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल बड़कागांव पहुंचकर स्थिति का जायजा ली। इस संबंध में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बहुत ही शर्मनाक एवं कायरता पूर्ण घटना प्रतीक होती है। हताश होकर इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया है। आए दिन बड़कागांव में एक समुदाय द्वारा जो भी घटनाएं की जा रही है वह राज्य सरकार के इशारे पर हो रही है। श्री जायसवाल ने पुलिस प्रशासन से कार्रवाई करते हुए दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से कहा है कि यदि इस पर शिथिलता बरती गई तो वोट के बाद आंदोलन करने के लिए हम लोग विवश होंगे जिसका सारा जवाब दे प्रशासन की होगी। उक्त घटना की सूचना मिलते ही बड़कागांव में आग की तरह फाइल गई एवं लोगों में व्याप्त रोष है। वहीं दूसरी ओर दूसरे समुदाय द्वारा समाचार लिखे जाने तक आवेदन देने की तैयारी की जा रही है जिसमे रैली में शामिल लोगों पर बादम मस्जिद के समीप आते ही आपत्तिजनक नारा लगाने का आरोप है।

मोहिनी एकादशी पर श्री कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट का 150 वां अन्नपूर्णा भंडारा आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। प्रणामी परिवार के सदस्यों के सौजन्य से श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे में 1300 से अधिक श्रद्धालुओं ने अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

संस्था के संतोष बजाज एवं कुछ सदस्यों गुप्त दान के सौजन्य से पड रही प्रचंड गर्मी को देखकर 1300 बोतल जलजीरा शर्बत का वितरण किया गया।

मोहिनी एकादशी एवं रविवार के दिन 150 वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद भगवान श्री राज श्यामा जी एवं गुरू महाराज को अर्पित कर 1300 श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया। पूर्णब्रह्म परमात्मा की अपार कृपा श्री राज श्यामा जी महाराज एवं परमहंस भागवत भास्कर संत शिरोमणी डाक्टर श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज के आशीर्वाद से एम आर एस श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम ट्रस्ट रांची एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट रजिज़ दिल्ली शाखा राँची के सयुंक्त तत्वाधान मे प्रणामी समाज के सेवाभावी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से रविवार को 150 वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का प्रसाद प्रणामी परिवार के सदस्यों के सौजन्य से किया गया। गुरू महाराज के जनसेवा को समर्पित जीवन के स्वर्णिम 52 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को भंडारा का आयोजन किया गया।

भंडारे की सेवा में हनुमान मंडल के अध्यक्ष सज्जन पाडिया, सचिव श्रवण अग्रवाल,प्रभाकर मोदी, प्रेमचन्द श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान,राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी,विशाल जालान,बिष्णु सोनी,अंजनी अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी,प्रभाष गोयल, अग्रवाल,ओमप्रकाश सरावगी, शिव भगवान अग्रवाल,संजय अग्रवाल,पवन पोद्दार,सुशील गाडोदिया,सुरेश भगत,ज्ञान प्रकाश शर्मा, चिरंजीलाल खण्डेलवाल, बिमल मोदी,चन्द्रदिप साहु, महेश वर्मा,प्रेम कुमार,परमेश्वर साहु महिला समिति की प्रमिला पुरोहित,सुधा सुल्तानिया, विद्या देवी अग्रवाल,संतोष देवी अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

उक्त जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

पांच वर्ष से फरार चल रहे वारंटी को बिशुनपुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, बिशुनपुरा(गढ़वा)। बिशुनपुरा पुलिस ने एक वारंटी को गिफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस सम्बंध में बिशुनपुरा थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि बिशुनपुरा थाना कांड संख्या- 54/19, दिनांक- 20/08/19, धारा- 302/ 201/ 34 भा0द0वी0 के प्राथमिकि अभियुक्त वीरेंद्र भूईया उम्र करीब 37 वर्ष पिता बच्चन राम भुईया, ग्राम पिपरीकला, थाना-बिशुनपुरा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जो 5 वर्ष से फरार चल रहा था।

पापी पड़ोसी: शैंपू लाने के बहाने बुलाई युवती...घर के अंदर आते ही की घिनौनी करतूत; 18 दिन बाद दर्ज हुआ मुकदमा

आगरा , एजेंसी। न्यू आगरा थाना क्षेत्र में शैंपू मंगाने के बहाने बुलाकर युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया था। पीड़िता के शिकायत करने पर थाना पुलिस ने घटना को झूठा बताकर कोई कार्रवाई नहीं की। मामले में 18 दिन टहलाने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। निषाद महासभा के लोगों ने चेतावनी दी है कि गिरफ्तारी नहीं होने पर समाज आंदोलन के लिए बाध्य होगा। न्यू आगरा थाना क्षेत्र की पीड़िता ने बताया कि 26 अप्रैल को वह घर के बाहर गेट पर खड़ी थी। इस दौरान घर के सामने रहने वाले आरोपी हृदयेश ने अपने पास बुलाया। शैंपू लाने की बोला। वो शैंपू देने पहुंची तो आरोपी के घर के अंदर दबोच लिया। दुष्कर्म कर वीडियो बना ली। बाद में बदनाम करने की धमकी दी। बार-बार बुलाकर दुष्कर्म किया। तबीयत खराब होने पर पीड़िता ने मां को जानकारी दी। परिजन के शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। 28 अप्रैल को थाने में शिकायत की। मगर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित परिवार के साथ निषाद महासभा आगरा के लोग समर्थन में आए। पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे। घेराव किया तब दुष्कर्म की धारा में केस दर्ज किया गया। ताज सुरक्षा एसीपी सैयद अरीब अहमद के बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

खड़े ट्रक के नीचे सोया था, चालक ने बढ़ा दी गाड़ी, गई जान

अलीगढ़ , एजेंसी। गौमत चौराहा स्थित बाजना रोड पर खड़े ट्रक के नीचे एक व्यक्ति सो गया। इससे अनजान चालक ने अचानक ट्रक बढ़ा दिया, जिससे सो रहे व्यक्ति की मौत हो गई। बताते हैं कि गांव मानपुर निवासी पप्पू सिंह पुत्र राम सिंह ने गौमत चौराहे पर शराब पी। इसके बाद छायादार जगह देखकर एक खड़े ट्रक के नीचे सो गया। इसी बीच अचानक चालक ने ट्रक को आगे बढ़ा दिया। इससे पहिए के नीचे आकर पप्पू सिंह की मौत हो गई। लोगों के अनुसार मृतक के परिवार में कोई नहीं है। वह पूरे दिन शराब पीकर इधर-उधर घूमता रहता था। उधर हादसे के बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

दहेज के लिए प्रताड़ित कर हाथरस रोड पर छोड़ गए ससुराल वाले

अलीगढ़ तोछीगढ़ पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता को ससुराल वाले दहेज की मांग पूरी न होने पर कस्बे में हाथरस रोड पर छोड़कर चले गए। मामले में रिपोर्ट दर्ज हो गई है। विवाहिता के पिता के अनुसार उन्होंने अपनी बेटी की शादी 26 जनवरी 2023 को कासगंज में की थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वाले कार की मांग करते हुए बेटी को प्रताड़ित करने लगे। 29 जुलाई 2023 को ससुर ने कमरे में घुसकर बेटी को बुरी नीयत से पकड़ लिया। खबर पाकर वह पहुंचे तो समझौता कर चले गए। इसके बाद 31 जुलाई 2023 को उनकी बेटी को ससुराल वाले हाथरस रोड पर एक गेस्ट हाउस के पास छोड़कर चले गए। कई बार समझौते का प्रयास किया लेकिन बेटी के ससुराल वाले कार की मांग पर अड़े हैं।

जूता कारोबारियों पर छापा: नोट गिनते-गिनते थकी मशीन, कुछ देर के लिए रोकी गिनती, बैडों में भरी नोटों की गड्डियां

आगरा , एजेंसी। आगरा में जूता कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है। बीते दिन से शुरू हुई नोटों की गिनती का सिलसिला अभी थमा नहीं है। पूरा रात नोटों की गिनती होती रही। सुबह तक 60 करोड़ रुपये की रकम बरामद हुई है। इसी दौरान नोट गिनने की मशीन गर्म होकर बंद हो गई, जिसके बाद गिनती कुछ समय के लिए रोक दी गई। कार्रवाई में अबतक 60 करोड़ की नकदी मिल चुकी है। यह संख्या 100 करोड़ से ज्यादा निकलने की संभावना है। हरमिलाप ट्रेडर्स, बीके शूज और मंशु फुटवियर पर आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही है। बता दें इन्वेस्टिगेशन विंग ने आगरा, लखनऊ, कानपुर के कर्मचारियों के साथ इन कारोबारियों के छह ठिकानों पर कार्रवाई की। इनमें बीके शूज के एमजी रोड स्थित प्रतिष्ठान और सूर्य नगर स्थित घर की तलाशी ली गई। जूते की ट्रेडिंग कर रही मंशु फुटवियर और बीके शूज के मालिक रिश्तेदार हैं और बीते कुछ वर्षों में ही बाजार में बड़ा नाम बन गए हैं।

फोर्ब्स की एशिया 30 अंडर 30 की सूची में कुशाग्र जैन, युवा उद्यमी ने दृष्टिहीनों के लिए बनाया विशेष दस्ताना

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के युवा कौशल और हुनर के दम पर पूरी दुनिया में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिका फोर्ब्स ने एशिया 30 अंडर 30 में यूपी के कुशाग्र जैन को भी स्थान मिला है। मूलतः कानपुर निवासी 23 वर्ष के कुशाग्र ने दृष्टिहीनों और दृष्टिबाधितों के लिए एक विशेष ग्लव्ज (दस्ताना) तैयार किया है।

ये डिवाइस न केवल ब्रेल लिपि पढ़ने में मदद करेगी बल्कि उन्हें ब्रेल लिपि सिखाने का भी काम करेगी। एशिया में 30 वर्ष से कम उम्र के सबसे प्रतिभावान युवाओं में शामिल कुशाग्र जैन ने बताया कि पूरी दुनिया में 25 करोड़ लोग या तो देख नहीं सकते या न के बराबर ही देख पाते हैं।

2018 में जब बंगलौर में पढ़ने के लिए संघर्ष करते ऐसे युवाओं को देखा तो मन विचलित हो गया। वहां ऐसी कम्युनिटी के 90 फीसदी लोगों को पढ़ना नहीं आता था। वे ब्रेल लिपि को भी पढ़ने में अक्षम थे। थोड़ा गहराई में गए तो पता चला कि ब्रेल सिखाने वाले शिक्षकों की संख्या सीमित है। ब्रेल लिपि सीखने में भी तीन से चार साल लगते हैं। तब इस डिवाइस को बनाने की प्रेरणा मिली। 2022 में कुशाग्र ने कम्प्यूटर साइंस की पढ़ाई के बाद अमेरिका में ओरामा-एआई स्टार्टअप की नींव रखी। ओरामा के दो अर्थ हैं। पहला- विजन अर्थात दृष्टि। दूसरा- मेरे राम। इसके तहत उन्होंने एक ग्लब्स बनाया, जिसे हाथों में पहनने के बाद ब्रेल लिपि को पढ़ने में मदद मिलती है। दस्ताने में एक एम्बेडेड कैमरा और स्पीकर है, जो उंगलियों की गतिविधियों पर नजर रखता है और स्पर्श किए गए ब्रेल बिंदुओं को श्रव्य रूप से पहचानता है। बार-बार ब्रेल को छूने से एक साल में ब्रेल अक्षरों का ज्ञान हो जाता है। यानी ये ग्लव्ज शिक्षक की भूमिका भी अदा करता है। सीखने के बाद ग्लव्ज की जरूरत ही नहीं रह जाती। लोगों की जिंदगी को आसान करने वाली इस डिवाइस को गूगल ने हाथोंहाथ लिया। गूगल बोर्ड मेम्बर ने इस स्टार्टअप में वित्तीय मदद की है। साथ ही अमेरिकी सरकार की साइंस एजेंसी ने भी वित्तीय मदद दी है। इसे पूरी दुनिया के दृष्टिहीनों और दृष्टिबाधितों तक पहुंचाने का लक्ष्य दिया है।

न जाने चुनावी ऊंट किस करवट बैठेगा यह तय करेंगे चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता अपने मतदान से

- चतरा जिले में प्रत्याशियों के बीच कांटे का मुकाबला, हार-जीत बूथ कमिटियों की सक्रियता पर निर्भर
- जिला प्रशासन के द्वारा मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मुकम्मल सारी व्यवस्थाएं पूरी

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में आज लोकसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र के मतदाता मतदान करेंगे। प्रत्याशियों और मतदाताओं की स्थिति जानने के लिए चतरा विधानसभा और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों का दौरा किया। ये लोकतंत्र के महापर्व से एक दिन पहले का नजारा है। खामोश सड़कें, सुनसान चौराहे, कोई पोस्टर-बैनर और कोई भीड़ नहीं चुनाव प्रचार अभियान समाप्त होने के बाद खामोशी का वातावरण बना हुआ है। जब मैं प्रत्याशियों के प्रति मतदाताओं का रुझान जानने की कोशिश की तो अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग रुझान देखने को मिला। लेकिन मुख्य मुकाबला दो प्रत्याशियों के बीच साफ नजर आया लेकिन कहीं कहीं से बसपा उम्मीदवार के पक्ष में भी मतदाताओं के विचार मिले। कुछ मतदाता निर्दलीय उम्मीदवारों के संदर्भ में भी अपना मंतव्य प्रकट किये । हार-जीत का अंतर ज्यादा नहीं दिखता। इसलिए बूथ कमेटियों की सक्रियता उम्मीदवारों की जीत हार के लिए काफी हद तक निर्भर करती है। कहीं राजनीतिक दलों की विचारधारा मतदाताताओं को प्रभावित करती है तो कहीं क्षेत्र और जातीय समीकरण। इन तमाम समीकरणों से यह कयास लगाया जा सकता है कि इस बार के चुनाव में हार जीत का अंतराल बहुत ज्यादा नहीं रहेगा। कुछ इलाकों में दस-बारह किलोमीटर पर प्रत्याशियों के रुझान में बदलाव भी देखा गया। प्राप्त रुझानों से ऐसा लग रहा है कि दोनों उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर होने वाली है। राजीनीतिक दलों के पारंपरिक मतदाताताओं में भी बिखराव देखने को मिला। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि हवा किसी एक उम्मीदवार के पक्ष में ज्यादा चल रही है। प्रत्याशियों के लिए डैमेज कंट्रोल और स्थिति बेहतर करने के लिए आज की रात अति महत्वपूर्ण है। मिस मैनेज और ओवर कंफीडेंस घातक साबित हो सकता है। इसके अलावे राजनीतिक दलों के आंतरिक कलह और भीतर घात का भी मसाला हार जीत के अंतराल को प्रभावित कर सकता है। अब देखना यह है कि चतरा संसदीय सीट पर चुनावी राजनीति का खड़ा ऊंट अब किस करवट बैठेगा। यह सब कुछ आज के मतदान और मतदाताओं के रुझान के ऊपर निर्भर करता है। यह आगामी चार जून को स्पष्ट होगा।

मतदान केंद्रों पर जिला प्रशासन की ओर से मुकम्मल सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतदान केंद्रों पर सामियाना, पानी, कुर्सियां ??और बिजली की अभूतपूर्व व्यवस्था देखने को मिला। भयमुक्त माहौल में मतदान संपन्न कराने के लिए मतदानकर्मियों और अर्धसैनिक बलों का काफिला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर पहुंच चुका है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक और कड़े प्रबंध के प्रशासनिक स्तर पर किए गए हैं।

भाजपा का प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित

बुद्धिजीवी वर्ग की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता -गौरव भाटिया

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने उपस्थित चिकित्सकों, वकीलों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं प्रोफेसर को संबोधित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया। भारतीय जनता पार्टी के बुद्धिजीवी,आर्थिक, चिकित्सा,एवं न्याय प्रकोष्ठ के संयोजकों ने गौरव भाटिया के साथ दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद वंदे मातरम का गान किया गया। आर्थिक प्रकोष्ठ के जेपी शर्मा एवं सुधीर श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छा देकर एवं शाल ओढ़ाकर किया। बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ.उमाशंकर केडिया ने स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि गौरव भाटिया का स्वागत किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने अपने संबोधन में अबकी बार 400 पार के नारे का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बुद्धिजीवी समाज किसी देश के विचारों की रीढ़ होते हैं और समाज के बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता है। अपनी वैचारिक क्षमता से बुद्धिजीवी वर्ग कई लोगों को प्रभावित कर सकता है। समाज में चिकित्सक का भी विशेष महत्व होता है। इसे नकारा नहीं जा सकता है। चिकित्सक एक भगवान की तरह होता है। आर्थिक क्षेत्र के संयोजन के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट का भी विशेष स्थान है। अच्छे अधिवक्ता का भी महत्व कम नहीं है। भारतीय राजनीति में नकारात्मक राजनीति करने वाले की भी गौरव भाटिया ने आलोचना की। छोटा से छोटा योगदान थी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने अपने संबोधन में इंडि गठबंधन की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि भारत अनेकता में एकता वाला राष्ट्र है और इस देश को एक सूत्र में बांधने का काम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए पूरा देश एक परिवार है और उन्होंने अपने कार्य से इस सूत्र वाक्य को चरितार्थ किया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान खतरे में नहीं है, भ्रष्टाचारी खतरे में है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के द्वारा कांग्रेस ने संविधान की मूल भावना को नष्ट करने का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें बहुसंख्यक के लिए कोई स्थान नहीं है तब जबकि हिंदू विश्व में सर्वाधिक सहिष्णु है। समानता का अधिकार संविधान का मूल अधिकार है। नरेंद्र मोदी ने इसे खत्म किया है। इससे मुस्लिम महिलाओं को कई प्रकार के अधिकार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि संविधान से ही देश चलेगा। व्यक्तिगत कानून का देश में कोई स्थान नहीं है। कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन डॉ अभिषेक रामा ने किया। उक्त जानकारी चिन्मय भारद्वाज (मीडिया प्रभारी)भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ, ने दी।

चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता आज करेंगे मतदान, चुनेगें अपने लिए प्रतिनिधि

- जिले में चुनाव की सभी तैयारियां पूरी,आदर्श आचार संहिता के उलंघन के मामले में होगी कार्रवाई
- चतरा लोकसभा क्षेत्र में कुल 1899 बूथ, पूरे लोस क्षेत्र में 1689926 हैं मतदाता

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर जिला निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त चतरा रमेश घोलप द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। उन्होने बताया कि चतरा जिले में 5वें चरण में 20 मई को चुनाव होना निर्धारित है। इसके लिए शनिवार को चतरा कॉलेज चतरा से सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के 24 बूथ केन्द्र एवं चतरा विधानसभा क्षेत्र के 08 बूथ केन्द्र कुल 32 बूथ केन्द्रों के लिए क्क2 पार्टी को इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम हेतु डिस्पैच किया गया। वहीं शेष पार्टियों को उनके निर्धारित मतदान केंद्र पर रविवार 19 मई 2024 को चतरा कॉलेज चतरा से डिस्पैच किया गया ।

उन्होने कहा जिस बूथ केन्द्र पर 1000 से अधिक मतदाता है वहां अतिरिक्त मतदान कर्मी प्रतिनियुक्त किए जा रहे है जिससे मतदान प्रक्रिया में तेजी आए। मतदान वृद्धि को लेकर कहा जिले में कुल 50 कम मतदान प्रतिशत वाले बूथ को चिन्हित किया गया है और सभी बूथों के लिए एक अधिकारी भी नियुक्त किए गए है जिनके द्वारा तीन बार वैसे बूथों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही अधिकारी डोर-टू-डोर जाकर मतदाताओं को जागरूक कर रहे है।

- वर्तमान में पूरे चतरा लोकसभा क्षेत्र से 05 विधानसभा मिलाकर 1689926 मतदाता है।
- 26-सिमरिया विधानसभा में कुल 419 पोलिंग स्टेशन, 280 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष मतदाता 193181, महिला मतदाता 182072 है।
- 27-चतरा विधानसभा में कुल 475 पोलिंग स्टेशन, 332 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष मतदाता 217471, महिला मतदाता 207996, थर्ड जेंडर 02, कुल 425469 मतदाता है।
- 73-मनिका में कुल 321 पोलिंग स्टेशन, 231 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष मतदाता 130573, महिला मतदाता 129630 कुल 260203 मतदाता है।
- 74-लातेहार में कुल 358 पोलिंग स्टेशन, 273 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष मतदाता 155350, महिला मतदाता 151588 कुल 306938 मतदाता है।
- 75-पांकी में कुल 326 पोलिंग स्टेशन, 276 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष मतदाता 165384, महिला मतदाता 156679 कुल 322063 मतदाता है।

इसी प्रकार पूरे चतरा लोकसभा क्षेत्र में 1899 पोलिंग स्टेशन, पोलिंग स्टेशन लोकेशन 1392, पुरूष मतदाताओं की संख्या 861959, महिला मतदाताओं की संख्या 827965, थर्ड जेंडर 02 कुल मतदाताओं की संख्या 1689926 है।

वहीं 14558 नए मतदाताओं का निबंधन किया गया , 3239 मृत मतदाताओं को विधिवत विलोपित किया गया है एवं 4571 मतदाताओं के नाम/पता आदि में शुद्धिकरण का कार्य किया गया है।

मैन्युअल मॉडल कोड का कंडक्ट मार्च 2019 के अध्याय आठ के कंडिका 8.12 के अनुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-126 में मतदान की समाप्ति के लिए निर्धारित अवधि से 48 घंटे पहले किसी भी प्रकार की सभा/रैली तथा जनसभा को प्रतिबंधित किया गया है तथा लॉउड स्पिकर पूर्णतः वर्जित है। साथ ही किसी भी प्रकार प्रचार-प्रसार भी प्रतिबंधित है।

अभ्यर्थियों को कुल 03 वाहन (क्क्ट-2, ष्ट-2) की अनुमति दिनांक 19.05.2024 एवं 20.05.2024 के लिए दी जाएगी।

चतरा जिला अंतर्गत 32 मतदान दल एवं लातेहार जिला अंतर्गत 244 मतदान दल जिनका पी-2 में डिस्पैच हुआ, वे दिनांक 20.05.2024 का मतदान के पश्चात अपने संबंद्ध द्रुस्क्र पर रूकेंगे तथा दिनांक 21.05.2024 को क्क1 में बज्रगृह चतरा कॉलेज चतरा वापस पहुंचेंगे।

चतरा एवं सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में वितरित की जाने वाले मतदाता सूचना पर्ची की संख्या 800165 जिसमें 776375 मतदाताओं के बीच वितरण कर दिया गया है। 97.03 प्रतिशत वितरण हो चुका है। 8533 मतदाताओं जिनके पास ईपीक कार्ड नहीं है। मतदाताओं की संख्या जिनके पास लिमिनेटेड ईपीक कार्ड है वैसे मतदाता 55325 है। मतदाता पर्ची वितरण के दौरान अबसेंटी सिफ्टेड एवं डेथ (एएसडी) की संख्या 22070 है जिसे चिन्हित किया गया है।

चतरा जिला प्रशासन के द्वारा जिले भर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम, अन्य विभागों के द्वारा किए जा रहे विभिन्न गतिविधियां जिसमें रात्रि चौपाल, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग प्रतियोगिता, कैंडल मार्च, हस्ताक्षर अभियान, रंगोली प्रतियोगिता, सेल्फी अभियान, डोर टू डोर विजिट, रैली, बूथ अवेयरनेश ग्रुप द्वारा जागरूकता कार्यक्रम।

वैसे मतदाता जिनका नाम मतदाता सूचि में है परन्तु उनके पास वोटर कार्ड या मतदाता पर्ची नही हैं वो भी कर सकेंगे मतदान

जिन मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में है परन्तु वोटर कार्ड या मतदाता पर्ची प्राप्त नहीं हुआ है वैसे मतदाता भी फोटोयुक्त इन दस्तावेजों के साथ मतदान कर सकते है। जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, पेंशन दस्तावेज, सेवा पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, अधिकारिक पहचान पत्र, फोटोयुक्त पासबुक, पासपोर्ट, दिव्यांग यूनिक आईडी, स्मार्ट कार्ड (आरजीआई द्वारा जारी)। साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चतरा श्री रमेश घोलप ने लोगों से अपील की आप सभी मतदान करने अवश्य अपने घर से निकल कर बूथ पर जाएं, परिवार के साथ जाएं और मतदान करें। वहीं अपने आस पास जान्ने पहचान्ने वाले लोगों को भी मतदान करने हेतु प्रेरित करें। पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा चतरा जिला नक्शल प्रभावित जिला रहा है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी तैयारी कर ली गई है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स भी तैनात किए गए है।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, जिले के सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बंधु समेत अन्य उपस्थित थे।

भ्रम का जाल, उपभोक्ताओं की सेहत के साथ खिलवाड़

संपादकीय

लंबे समय से इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि डिब्बाबंद और तुरंत आहार खासकर बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहे हैं।कुछ दिन पहले भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आइसीएमआर की आनुषंगिक संस्था राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने अपने एक अध्ययन में बताया था कि जीवन-शैली संबंधी आधी से अधिक बीमारियों खानपान में गड़बड़ी की वजह से होती हैं। अब उसी क्रम में आइसीएमआर ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के ऊपर लिखी जानकारियां भ्रामक हो सकती हैं। इसलिए उनके चुनाव में सावधानी बरतनी चाहिए। उसने बकायदा उदाहरण देकर समझाया है कि फलों के रस के नाम पर बिकने वाले पेय में दस फीसद ही फलों का अंश हो सकता है, बाकी शर्करा हो सकती है। ऐसे अनेक खाद्य पदार्थों के डिब्बों पर भ्रामक दावे लिखे मिल सकते हैं कि उनका उपयोग सेहत के लिए अच्छा है। निश्चय ही आइसीएमआर के इस सुझाव से लोगों में कुछ जागरूकता पैदा हो सकती है। मगर सवाल है कि जब यह बात खुद आइसीएमआर जैसी स्वास्थ्य से जुड़ी शीर्ष संस्था को पता है कि भ्रामक जानकारियों के साथ डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ बाजार में बेचे जा रहे हैं, तो इसके प्रति वह केवल उपभोक्ता को जागरूक बना कर इस समस्या से पार पा लेने का कैसे भरोसा कर सकती है। लंबे समय से इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि डिब्बाबंद और तुरंत आहार खासकर बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहे हैं। इनके चलते मोटापा, मधुमेह, हृदयरोग जैसी अनेक बीमारियां पैदा हो रही हैं। फिर भी हैरानी की बात है कि ऐसे खाद्य पदार्थों के जोखिम खुद उपभोक्ता के कंधे पर डाल कर जिम्मेदारी से मुक्ति पा लेने की कोशिश की जा रही है। कुछ दशक पहले जब डिब्बाबंद खाद्य और पेय पदार्थों में हानिकारक तत्त्व मिले होने को लेकर सवाल उठने शुरू हुए थे, तब सरकार ने ऐसे उत्पाद की गुणवत्ता पर नजर रखने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने की गरज से भारत खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआइ का गठन किया था। यह नियम बना कि एफएसएसएआइ से प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना कोई भी डिब्बाबंद या पैकेट वाला खाद्य पदार्थ बाजार में नहीं उतारा जा सकता। बाजार में उपलब्ध इस तरह के हर खाद्य पदार्थ की थैली या डिब्बे पर इस प्रमाणपत्र का उल्लेख होता है। मगर इसके बावजूद उनमें हानिकारक पदार्थों का इस्तेमाल और भ्रामक दावे बंद नहीं हो पा रहे हैं, तो इस बारे में नए सिरे से सोचने की जरूरत है। आइसीएमआर ने तो डिब्बों पर लिखे विवरण जांच कर ही खाद्य पदार्थ खरीदने की सलाह जारी कर दी है, मगर सवाल है कि ऐसा कितने लोग कर पाते हैं और कर पाएंगे। खाद्य पदार्थों की थैलियों और डिब्बों पर अव्वल तो विवरण इतने महीन अक्षरों में लिखे होते हैं कि उन्हें पढ़ना मुश्किल होता है। ज्यादातर विवरण अंग्रेजी में होते हैं। कितने लोग अंग्रेजी पढ़ पाते हैं। दूर-दराज गांवों के लोगों के लिए तो यह विवरण काला अक्षर भैंस बराबर ही होता है। फिर, ऐसे पदार्थों के उपभोक्ता ज्यादातर बच्चे, किशोर और युवा होते हैं। उनकी जीभ पर अब ऐसी चीजों का स्वाद इस कदर चढ़ चुका है कि वे विवरण बांच कर उन्हें खरीदते ही नहीं। ऐसे में जिम्मेदारी आखिरकार स्वास्थ्य और खाद्य से जुड़ी संस्थाओं की है कि वे ऐसे खाद्य पदार्थों के उत्पादन पर ही अंकुश लगाने का कोई उपाय तलाश करें, जिनसे लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

शिवाजी महाराज के शासनकाल की आर्थिक नीतियां

(प्रह्लाद सबनानी)

शिवाजी महाराज के राज्य में प्रारम्भिक काल में व्यापार बहुत कम मात्रा में होता था और राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। इस राज्य में उस समय चौथ एवं सरदेशमुखी, यह दो प्रकार के कर प्रचलन में थे।

इतिहास के किसी भी खंडकाल में भारतीय सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए किए गए समस्त प्रकार के कार्यों में सफलता निश्चित मिलती आई है। ध्यान में आता है कि भारतीय आर्थिक दर्शन भी सनातन संस्कृति के अनुरूप ही रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज भी हमारे वेदों एवं पुराणों में वर्णित नियमों के अनुसार ही अपने राज्य में आर्थिक नीतियों का निर्धारण करते थे। अपनी रियासत के नागरिकों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं हो और वे परिवार सहित अपने लिए दो जून की रोटी की व्यवस्था आसानी से कर सकें, इसका विशेष ध्यान आपके शासनकाल में रखा जाता था। उस खंडकाल में नागरिकों के लिए रोजगार हेतु कृषि क्षेत्र ही मुख्य आधार था। कृषि गतिविधियों के साथ साथ पशुपालन कर ग्रामों में निवासरत नागरिक अपने एवं अपने परिवार का भरण पोषण सहज रूप से कर पाते थे एवं अति प्रसन्नचित तथा संतुष्ट रहते थे, हालांकि कालांतर में व्यापार एवं उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाने लगा था।

विश्व के कई भागों में सभ्यता के उदय से कई सहस्त्राब्दी पूर्व, भारत में उन्नत व्यवसाय, उत्पादन, वाणिज्य, समुद्र पार विदेश व्यापार, जल, थल एवं वायुमार्ग से बिक्री हेतु वस्तुओं के परिवहन एवं तत्संबंधी आज जैसी उन्नत नियमावलियां, व्यवसाय के नियमन एवं करारोपण के सिद्धांतों का अत्यंत विस्तृत विवेचन भारत के प्राचीन वेद ग्रंथों में प्रचुर मात्रा में मिलता है। प्राचीन भारत में उन्नत व्यावसायिक प्रशासन व प्रबंधन युक्त अर्थतंत्र के होने के भी प्रमाण मिलते हैं। हमारे प्राचीन वेदों में कर प्रणाली के सम्बंध में यह बताया गया है कि राजा को अत्यधिक कराधान रूपी अत्याचार से विरत रहना चाहिए। कौटिल्य के अनुसार करों की अधिकता से प्रजा में दरिद्रता, लोभ, असंतोष, विराग आदि भाव उपजते हैं। राजा द्वारा, स्मृतियों द्वारा निर्धारित, कर के अतिरिक्त अन्य कर लगाया जाना निछिद्ध था। कर की मात्रा वस्तुओं के मूल्य एवं समय पर निर्भर होती थी। राजा सामान्यतया उपज का छठा भाग ले सकता था। हां आपत्ति के समय अतिरिक्त कर लगाने की केवल एक बार की छूट रहती थी। अनुर्वर भूमि पर भारी कर नहीं लगाया जाता था। कर सदैव करदाता को हल्का लगे, जिसे वह बिना किसी कठिनाई व कर चोरी के चुका सके। जिस प्रकार मधुमक्खी पुष्पों से बिना कष्ट दिए मधु लेती है, उसी प्रकार राजा को प्रजा से बिना कष्ट दिए कर लेना चाहिए। कर प्रणाली के माध्यम से आर्थिक असमानता एवं घाटे की वित्त व्यवस्था पर अंकुश लगाया जाता था। चुंगी को भी कर की श्रेणी में शामिल किया जाता था, जो क्रेताओं एवं विक्रेताओं द्वारा राज्य के बाहर या भीतर ले जाने या लाए जाने वाले सामानों पर लगती थी। राजा के पास राजकोष के लिए तीन साधन थे- उपज पर राजा का भाग, चुंगी एवं दंड। इस प्रकार राजकोष पर प्राचीन ग्रंथों में अत्यंत विस्तृत व व्यावहारिक विमर्श पाया जाता है।

शिवाजी महाराज के राज्य में प्रारम्भिक काल में व्यापार बहुत कम मात्रा में होता था और राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। इस राज्य में उस समय चौथ एवं सरदेशमुखी, यह दो प्रकार के कर प्रचलन में थे। नागरिकों को राज्य में सुरक्षा प्रदान करने के एवज में चौथ नामक कर लगाया जाता था। इस प्रकार का कर अन्य रियासतों द्वारा भी अपने नागरिकों से वसूला जाता था, उस खंडकाल में यह एक सामान्य कर था, जिसके अंतर्गत किसानों एवं श्रमिकों को यह आश्वासन दिया जाता था कि राज्य पर किसी भी बाहरी आक्रमण के समय इन नागरिकों को प्रशासन द्वारा सुरक्षा प्रदान की जावेगी।

दूसरी ओर, सरदेशमुखी नामक कर प्रचलन में था। इस कर प्रणाली के अन्तर्गत, राज्य द्वारा जमीन पर अर्जित की गई आय का 10 प्रतिशत हिस्सा कर के रूप में किसानों से वसूल किया जाता था। शिवाजी महाराज ने 1660 के दशक के शुरुआती वर्षों में ही उक्त वर्णित दोनों प्रकार के कर अपने नागरिकों से लेना शुरू कर दिए था। सरदेशमुखी कर वसूल करते समय प्रशासन द्वारा इस बात का ध्यान जरूर रखा जाता था कि जिन किसानों की जमीन कम उपजाऊ है, उनसे कर की वसूली कम दर पर की जाय ताकि इस श्रेणी के किसानों को अपने एवं परिवार के जीवन यापन में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। कौन सी जमीन अधिक उपजाऊ एवं कौन सी जमीन कम उपजाऊ है, यह जानने के लिए समय समय पर सर्वेक्षण भी कराए जाते थे और इस सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर ही विभिन्न किसानों के लिए कर की दर निर्धारित की जाती थी। साथ ही कर की अधिकतम राशि भी निर्धारित की जाती थी एवं यह कुल उपज के एक तिहाई से अधिक नहीं रखी जाती थी। सरदेशमुखी मानक कर केवल उपज पर ही लगाया जाता था।

शिवाजी महाराज के राज्य में खेती-बाड़ी ही राजस्व का मुख्य और लगभग इकलौता जरिया था, अतः शिवाजी महाराज का प्रशासन परती जमीन पर खेती करने वालों को उचित रियायतें भी प्रदान करता था। इन किसानों से कम दर पर कर लिया जाता था। कई बार तो पहले चार वर्षों के लिए प्रशासन द्वारा पट्टे पर दी गई जमीन पर किसानों से कोई किराया ही नहीं वसूला जाता था, पांचवें साल में आधा किराया वसूला जाता था और फिर उसके बाद पूरा किराया वसूला जाता था।

शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा उस खंडकाल में जारी एक सर्कुलर से यह पता चलता है कि शिवाजी महाराज द्वारा किसानों को आवश्यकता पड़ने पर ब्याज मुक्त ऋण भी प्रदान किया जाता था, ताकि किसान अपने कृषि कार्य को सुचारू रूप से जारी रख सकें। प्रशासन के नियमों के अनुसार किसानों से केवल मूलधन की राशि ही वापिस ली जाती थी और वह भी किश्तों में।

शिवाजी महाराज के शासनकाल में कृषि क्षेत्र पर दबाव कम करने के उद्देश्य से नमक उद्योग को भी बढ़ावा दिया गया था एवं नमक उद्योग में राज्य ने भी अपना निवेश किया था। इससे किसानों के लिए यह आय का एक अतिरिक्त स्त्रोत बनकर उभरा था। शिवाजी महाराज के राज्य में प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को बढ़ावा दिए जाने के पूर्व नमक का आयात पुर्तगाली व्यवसाईयों के माध्यम से होता था। राज्य में नमक के आयात को कम करने एवं अपने राज्य में उत्पादित नमक के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुर्तगाल से आयात किए जाने वाले नमक पर प्रशासन ने आयात कर को बढ़ा दिया था ताकि आयातित नमक की कीमत बाजार में अधिक हो जाए एवं राज्य के व्यापारी नमक आयात करने के लिए निरुत्साहित हों तथा स्थानीय नमक उत्पादनकर्ताओं के हित सुरक्षित हो सकें। इस प्रकार, आयात कर का चलन शिवाजी महाराज के शासन काल में ही प्रारम्भ हुआ था।

शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को प्रदान की गई विशेष सुविधाओं के चलते कुछ समय पश्चात तो राज्य से नमक का निर्यात भी होने लगा था जिससे धीरे धीरे पानी के जहाज बनाने का उद्योग भी राज्य में फलने फूलने लगा था। कालांतर में पानी के जहाजों का इस्तेमाल राज्य में नौ सेना के लिए भी किया जाने लगा था। विशेष रूप से अरब सागर को नियंत्रित करने और अपने साम्राज्य के तटीय क्षेत्रों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से शिवाजी महाराज ने एक दुर्जेय नौसैनिक बेड़ा बनाया था। इस प्रकार शिवाजी महाराज ने समुद्री सुरक्षा के सामरिक महत्व को बहुत पहिले ही समझ लिया था। आपकी नौसेना ने न केवल कोंकण तट को समुद्री खतरों से बचाया था, बल्कि हिंद महासागर के व्यापार मार्गों में यूरोपीय शक्तियों के प्रभुत्व को भी चुनौती दी थी। इतिहासकार श्री जदुनाथ सरकार अपनी एक पुस्तक में लिखते हैं कि शिवाजी महाराज के राज्य में विभिन्न आकार के लगभग 400 पानी के जहाज थे। हालांकि उस समय के एक अन्य प्रतिवेदन में यह संख्या 160 की बताई गई है। शिवाजी महाराज की नौ सेना ने पुर्तगालियों, डच एवं अंग्रेजों की नौसेना को निशाना बनाने में सफलता पाई थी। शिवाजी महाराज ने अपने राज्य एवं आज के महाराष्ट्र के पेन, पनवेल और कल्याण क्षेत्रों में पानी के जहाज बनाने के उद्योग प्रारम्भ किये थे। इन क्षेत्रों में पानी के जहाज बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में लकड़ी उपलब्ध थी। यहां पर निर्मित किए गए पानी के जहाज वजन में हलके होते थे एवं तेज गति से चलते थे। कुछ जहाज तो आकार में बहुत बड़े भी रहते थे, जिन पर आठ तोपें तक लादी जाती थीं। वर्ष 1663 आते आते शिवाजी महाराज के जहाज आज के यमन के शहरों तक जाने लगे थे। बाद के वर्षों में तो व्यापारिक जहाज आज के ईरान एवं ईराक के बसरा शहर तक भी गए थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल में सरल कर प्रणाली के चलते नागरिकों की आर्थिक स्थिति समय के साथ साथ काफी सुदृद्ध होती चली गई क्योंकि नागरिकों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का भी अच्छा उपयोग किया जाने लगा था। अधिकतम नागरिक ग्रामों में ही निवास करते थे एवं कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर थे। विभिन्न प्रकार की फसलें उगाकर गाय एवं भेड़ें पालते थे, जानवरों का शिकार करते एवं भेड़ों की ऊन से कपड़े बनते थे। इस खंडकाल में लगभग समस्त ग्रामों में नागरिकों की यही जीवन शैली थी। शिवाजी महाराज के शासनकाल में व्यापार के भी बढ़ावा दिया जा रहा था। मुख्य रूप से कपास, चमड़े से निर्मित उत्पाद एवं मसालों का निर्यात अन्य देशों को किया जाता था। भारत के पश्चिमी तट पर सूरत के बंदरगाह के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्यापार किया जाता था। जबकि, सूती एवं रेशमी कपड़ों का घरेलू व्यापार भी किया जाता था।

आज भी यह माना जाता है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिससे संप्रभु और शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य की नींव पड़ी थी। यह साम्राज्य गुप्त, मौर्य, चोल, अहोम एवं विजयनगर साम्राज्य की ही तरह शक्तिशाली, सुसंगठित और सुशासित था। शिवाजी महाराज ने एक महान हिंदवी साम्राज्य की स्थापना कर न केवल हिंदुओं की सुप्त चेतना को जागृत किया था, बल्कि उन्हें संगठित करते हुए विभाजनकारी और दमनकारी इस्लामी शासन को खुली चुनौती भी दी। उन्होंने भारतीय अस्मिता, सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित करने और मंदिरों के संरक्षण और निर्माण कार्य पर सर्वाधिक बल दिया। आज शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में पूरे देश में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने के प्रयास हो रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी इसे एक पर्व के रूप में मनाए जाने का आह्वान किया है तथा संघ की देश भर में फैली शाखाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है।

(लेखक सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

(ललित गर्ग)

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है।

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्ठाओं का पर्दापाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है।

भारत सहित एशियाई देश वर्ष 2024 में विश्व की अर्थव्यवस्था में देंगे 60 प्रतिशत का योगदान

(प्रह्लाद सबनानी)

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक के बाद अब मूडीज ने भी भारत में आर्थिक विकास के संदर्भ में बताया है कि आने वाले कुछ वर्षों तक भारत की आर्थिक विकास दर विश्व में सबसे अधिक बने रहने की प्रबल सम्भावना बनी रहेगी।

वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अभी तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकसित देशों का दबदबा बना रहता आया है। परंतु, अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 में भारत सहित एशियाई देशों के वैश्विक अर्थव्यवस्था में 60 प्रतिशत का योगदान होने की प्रबल सम्भावना है। एशियाई देशों में चीन एवं भारत मुख्य भूमिकाएं निभाते नजर आ रहे हैं। प्राचीन काल में वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 32 प्रतिशत से भी अधिक रहता आया है। वर्ष 1947 में जब भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी उस समय वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 3 प्रतिशत तक नीचे पहुंच गया था क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को पहिले अरब से आए आक्राताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने बहुत नुक्सान पहुंचाया था एवं भारत को जमकर लूटा था। वर्ष 1947 के बाद के लगभग 70 वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था के योगदान में कुछ बहुत अधिक परिवर्तन नहीं आ पाया था। परंतु, पिछले 10 वर्षों के दौरान देश में लगातार मजबूत होते लोकतंत्र के चलते एवं आर्थिक क्षेत्र में लिए गए कई पारदर्शी निर्णयों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं। आज भारत इस स्थिति में पहुंच गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2024 में अपने योगदान को लगभग 18 प्रतिशत के आसपास एवं एशिया के अन्य देशों यथा चीन, जापान एवं अन्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था में एशियाई देशों के योगदान को 60 प्रतिशत तक ले जाने में सफल होता दिखाई दे रहा है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। साथ ही, भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना बन रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रही है, अक्टोबर-दिसम्बर 2023 को समाप्त तिमाही में तो आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत की रही है। इस विकास दर के साथ भारत के वर्ष 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की प्रबल सम्भावना बनती दिखाई दे रही है। केवल 10 वर्ष पूर्व ही भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और वर्ष 2013 में मोर्गन स्टैनली द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार भारत

विश्व के उन 5 बड़े देशों (दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, इंडोनेशिया, टर्की एवं भारत) में शामिल था जिनकी अर्थव्यवस्थाएं नाजुक हालत में मानी जाती थीं।

आज भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में लगातार तेज वृद्धि आंकी जा रही है, जिससे भारत के वित्तीय संसाधनों पर दबाव कम हो रहा है और भारत पूंजीगत खर्चों के साथ ही गरीब वर्ग के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लिए वित्त की व्यवस्था आसानी से कर पा रहा है। केंद्र सरकार के बजट में न केवल वित्तीय घाटा कम हो रहा है बल्कि आने वाले समय में केंद्र सरकार को अपने सामान्य खर्च चलाने के लिए ऋण लेने की आवश्यकता भी कम पड़ने लगेगी। दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत लगातार स्थिर बनी हुई है, जिससे विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास भी बढ़ रहा है और भारत में विदेशी निवेश भी लगातार बढ़ता जा रहा है। तीसरे, भारत में मुद्रा स्फीति पर भी तुलनात्मक रूप से नियंत्रण पाने में सफलता मिली है। अन्य देश अभी भी मुद्रा स्फीति की समस्या से जूझ रहे हैं। आर्थिक क्षेत्र में उक्त कारकों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक बने रहने की प्रबल सम्भावनाएं बनी रहेंगी। इसके ठीक विपरीत, जापान एवं जर्मनी की आर्थिक विकास दर या तो मंदी के दौर से गुजर रहीं हैं अथवा विकास दर बहुत कम अर्थात एक-दो प्रतिशत से भी कम बनी हुई है।

भारत के स्टील उद्योग, सिमेंट उद्योग एवं ऑटोमोबाइल निर्माण के क्षेत्र ने 10 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर ली है। डिजिटल आधारभूत ढांचे के निर्माण के क्षेत्र में तो भारत विश्व गुरु बन गया है और इससे आज भारत में 13400 करोड़ से अधिक के डिजिटल व्यवहार हो रहे हैं जो पूरे विश्व के डिजिटल व्यवहारों का 46 प्रतिशत है। जन-धन योजना के अंतर्गत खोले गए 50 करोड़ से अधिक बैंक खातों में आज 2.32 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा हो चुकी है, जो देश के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रही है। वर्ष 2013-14 से वर्ष 2022-23 के दौरान मुद्रा स्फीति की औसत दर 5 प्रतिशत की रही है जो वर्ष 2003-04 से वर्ष 2013-14 के दौरान औसत 8.2 प्रतिशत की रही थी। मुद्रा स्फीति कम रहने का सीधा लाभ देश के गरीब वर्ग को मिलता है।

साथ ही, अब तो आर्थिक विकास के साथ ही भारत में रोजगार के भी पर्याप्त अवसर निर्मित होने लगे हैं। स्कोच नामक संस्थान द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के दौरान 51.4 करोड़ व्यक्ति वर्ष के नए रोजगार निर्मित हुए हैं। इसमें केंद्र सरकार द्वारा किये गए सीधे प्रयासों के चलते 19.79 करोड़ व्यक्ति वर्ष के रोजगार के अवसर भी शामिल हैं। शेष 31.61 करोड़ व्यक्ति वर्ष रोजगार के अवसर अपने व्यवसाय प्रारम्भ करने के उद्देश्य से बैंकों से लिए गए ऋण के चलते निर्मित हुए हैं। स्कोच नामक संस्थान द्वारा उक्त प्रतिवेदन 80 संस्थानों पर की गई रिसर्च (केस स्टडी) के आधार पर जारी किया गया है। सूक्ष्म एवं लघु स्तर के ऋण लेने वाले व्यक्तियों ने रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए हैं। इस प्रतिवेदन के अनुसार औसतन प्रत्येक सूक्ष्म संस्थान 6.6 रोजगार के नए अवसर निर्मित करता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक के बाद अब मूडीज ने भी भारत में आर्थिक विकास के संदर्भ में बताया है कि आने वाले कुछ वर्षों तक भारत की आर्थिक विकास दर विश्व में सबसे अधिक बने रहने की प्रबल सम्भावना बनी रहेगी। इस प्रकार, एक के बाद एक विभिन्न वैश्विक आर्थिक संस्थान भारत में आर्थिक विकास दर के मामले में अपने अनुमानों को लगातार सुधारते/बढ़ाते जा रहे हैं। इस प्रकार, आगे आने वाले समय में भारत का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान भी लगातार बढ़ता जाएगा और सम्भव है कि कालचक्र में ऐसा परिवर्तन हो कि भारत एक बार पुनः वैश्विक स्तर पर अपने आर्थिक योगदान को 32 प्रतिशत के स्तर तक वापिस ले जाने में सफल हो।

(लेखक सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)।

प्याज की वैज्ञानिक खेती

परिचय

प्याज ऐमारलीडेसी परिवार का सदस्य है। इसका वैज्ञानिक नाम एलियस सेपा है। अंग्रेजी में इसे ओनियन कहा जाता है। पूरे संसार में इसकी मांग है।

गुण एवं उपयोग

प्याज की खेती 5 हजार वर्षो और इससे अधिक समय से होती आयी है। चूँकि प्याज में गंधक युक्त यौगिक पाये जाते हैं इसी वजह से प्याज में गंध और तीखापन होता है।

दवा के रूप में इसके उपयोग से खून के प्लेट बनने में अवरोध पैदा होता है जिससे मनुष्य की पतली नसों में खून के प्रवाह में बाधा पैदा नहीं होती है।

1. मसाले के रूप में
2. आयुर्वेदीय औषधि में
3. भोजन स्वादिष्ट बनाने में
4. सलाद बनाने में
5. आँख की ज्योति बढ़ाने में
6. मवेशियों एवं मुर्गियों के भोजन में
7. कीटनाशक के रूप में
8. प्याज में विटामिन-सी, लोहा और चूना अधिक पाया जाता है।

इसकी खेती के लिए समशीतोष्ण और वर्षा रहित जलवायु की सर्वोत्तम होती है। प्याज के लिए शुरू में 200 सें. गर्मी और 4 से 10 घंटे की धूप लेकिन बाद में 100 सें. गर्मी तथा 12 घंटे धूप अच्छी होती है। अन्य देशों में इसकी औसत उपज 15 टन/हें. है। वर्ष 1980 से अभी तक इसकी उपज में 65.55त्न की वृद्धि हुई है। भारत वर्ष में औसत उपज 10.32 टन/हें. है जबकि विश्व के अन्य देशों में औसत उपज 15 टन/हें. है।

बिहार में सब्जी उत्पादन

किसी भी सब्जी के वैज्ञानिक तरीके से उत्पादन में उसके प्रभेदों का अधिक महत्व है तथा हमारी मिट्टी के लिए कौन सा अनुशंसित प्रभेद हैं इसका ध्यान रखना अधिक आवश्यक है। कुछ अनुशंसित प्रभेदों के नाम नीचे दिये जा रहे हैं। ये अधिक उपज देते हैं साथ ही साथ यहाँ की जलवायु के लिए पूर्णतया उपयुक्त हैं।

इसके अलावे प्याज के और प्रभेद भी हैं जिसे किसान सब्जी बीज की दुकान से प्राप्त कर लगाते हैं। वे प्रभेद भी रजिस्टर्ड कम्पनी की होती है लेकिन यह उनकी विश्वसनीयता पर निर्भर करती है।

बागवानी

प्याज की बागवानी हेतु भूमि का चयन भी आवश्यक है क्योंकि कंद का विकास भूमि की संरचना पर भी निर्भर करती है।

जीवांशयुक्त हल्की दोमट मिट्टी सबसे अच्छी है। अधिक अम्लीय मिट्टी सर्वथा अनुपयुक्त है। जमीन की जुताई अच्छी के साथ-साथ खाद एवं उर्वरक जुताई के समय डालकर अच्छी तरह मिला दिया जाय। मिलाने के बाद पाटा देना चाहिए। इससे खेत की नमी सुरक्षित रहती है तथा खाद को मिट्टी में मिलाने में आसानी होती है। भूमि की तैयारी के साथ पौधशाला की भी तैयारी उतनी ही आवश्यक है। पौधशाला की तैयारी में ख़ास ध्यान देकर उसे खरपतवार से मुक्त कर मिट्टी को भुरभुरी बनाये। पौधशाला में जल जमाव नहीं हो इसका विशेष ध्यान दें। पौधशाला को छोटी क्यारियों में बाँट दें। पौधशाला अपनी आवश्यकता अनुसार बनावें। साधारणतया एक हेक्टेयर प्याज की खेती हेतु 1/12 हें. में बीज लगाते हैं।

पौधशाला में बीज गिराने के बाद उसे पुआल आदि से ढँक देते हैं। बिचड़े को 4-5 सेंमी. के होने के बाद, डायथेन एम-45 का छिड़काव किया जाय ताकि सड़ने गलने से बच सकें।

बीज की मात्रा

बीज की गुणवत्ता के आधार पर ही इसकी मात्रा निर्भर करती है। (क) बीज स्वस्थ हों, (ख) बीज की अंकुरण क्षमता प्रमाणित हो, (ग) बीज हमेशा नामांकित जगहों से प्राप्त करें।

एक हेक्टेयर प्याज लगाने के लिए 10-12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

प्याज की बुआई तीन प्रकार से की जाती है:

(क) सीधे बीज डालकर- इसे बलुआही मिट्टी में उपयोग करते हैं। इस विधि में मिट्टी को अच्छे ढंग से तैयार कर बीज खेत में छोड़ देते हैं। इस विधि में बीज की मात्रा 7-8 किलो प्रति हें. लगाते हैं।

(ख) गांठों से प्याज लगाना- छोटे प्याज के गांठों को अप्रैल-मई में लगायी जाती है। प्याज की 12-14 क्विंटल प्रति हें. गाँठ लगते हैं।

(ग) बीज से पौध तैयार कर खेत में लगाना- यह प्रचलित विधि है जिसके द्वारा प्याज की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है।

खेत में रोपाई: दिसम्बर-जनवरी

बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर के सब्जी विभाग में कुछ वर्षों के लगातार प्रयोग के आधार पर (खाद एवं उर्वरक) में निम्नलिखित तथ्य सामने आये है और इन तथ्यों को भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा अनुशंसित किया गया है।

सबौर क्षेत्र में प्याज के पूसा रेड प्रभेद हेतु पंक्ति से पंक्ति की दूरी 15 सें.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सें.मी. रखने की अनुशंसा की गयी है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा- कम्पोस्ट 10 टन, 150 किलो नेत्रजन, 60 किलो फास्फोरस एवं 30 किलो पोटाश प्रति हें. देने की अनुशंसा की गयी है।

नेत्रजन का प्रयोग तीन बार करें और वह भी सिंचाई के बाद। स्फूर एवं पोटाश की पूरी मात्रा खेत तैयारी के समय ही दी जाय।

बरसाती प्याज की खेती

बरसाती प्याज के लिए अनुशंसित प्रभेदों में एन.-53 की खेती ज्यादा हो रही है। इसकी अच्छी पैदावार के लिएनिम्नलिखित बातों पर ध्यान देना आवश्यक है।

महाराष्ट्र में इसकी खेती अधिक क्षेत्र में हो रही है। मुख्य फसल से प्राप्त प्याज के गांठों को अक्टूबर-नवम्बर से आगे तक भंडारण नहीं किया जा सकता है। सभी प्राय- फूट जाती है और गाँठ खोखले हो जाते हैं। उनकी विक्री समाप्त हो जाती है।

बरसाती प्याज की खेती मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा बिहार में भी हो रही है। नेफेड के द्वारा सेट उगाकर लगाने की तकनीक भी विकसित की गई है जो लाभकारी है।

बीज बोने का समय - मई के अंतिम सप्ताह से जून तक
प्रतिरोपण - अगस्त
अलगाने का समय - दिसम्बर-जनवरी

अन्य प्रभेद जिसकी खेती बरसाती प्याज के रूप में की जाती है ङ्क एग्रीफाऊड डाकरेड, बसवंत 780, अरका कल्याण, उपज 19 -20 टन/हें. ।

बरसाती प्याज के लिए सेट तैयार करना

दिसम्बर जनवरी के माह में प्याज के बिचडों में छोटा गाँठ बाँधने पर पौधशाला से ही उखाड़ लिये जाते हैं। इन्हें गुच्छों में बांधकर रख देते हैं। रखने से पहले इसे धूप में सुखाते भी हैं। इन सेटों का प्रतिरोपण अगस्त में करते हैं। इनकी गाँठ 2 से 2.5 सें. आकार की अधिक उपयुक्त है। 25 ग्राम बीज प्रतिवर्ग मी. में बोआई करें। 12-15 क्विंटल सेट्स/हेक्टेयर के लिए आवश्यक है।

सागा प्याज उगाने के तकनीक

सागा प्याज में पूरी गाँठ बनने से पहले पौधा सहित उखाड़ना ही सागा प्याज की खेती में व्यवहार करते हैं। सागा प्याज की खपत है, प्याज की तैयार फसल की तरह करते हैं। प्रयोग के आधार पर सागा प्याज की खेती के लिए अर्ली ग्रानो, पूसा हवाइट फ्लैट तथा पूसा हवाइट राउंड उपयुक्त पाये गये हैं।

निकाई गुड़ाई एवं सिंचाई

प्याज एक ऐसी फसल है जिसमें बिचड़े की रोपनी के बाद यानि जब पौधे स्थिर हो जाते हैं तब इसमें निकौनी एवं सिंचाई की आवश्यकता पड़ती रहती है। इस फसल में अधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है। इसकी जड़ें 15-20 सें.मी. सतह पफ फैलती है।

1. इसमें पाँच दिनों के अंतराल पर सिंचाई चाहिए।
2. इस फसल में 12-14 सिंचाई देना चाहिए।
3. अधिक गहरी सिंचाई हानिकारक है।
4. पानी की कमी से खेतों में दरार न बन पाये।

आरम्भ में 10-12 दिनों के अंतर पर सिंचाई करें। पुन- गर्मी आने पर 5-7 दिनों पर सिंचाई करनी चाहिए।

हर दो-तीन सिंचाई के साथ घास-पात की निकासी आवश्यक है। इससे पौधों को उचित मात्रा में पोषक तत्व एवं प्रकाश मिलता रहता है।

खरपतवार के नियंत्रण के लिए खरपतवारनाशी टोक ई 25 का छिड़काव 5 ली. प्रति हें. की दर से करना चाहिए।

रोग एवं व्याधि

प्याज की आंगमारी- पत्ते पर भूरे धब्बे बाद में पत्ते सूख जाते हैं ङ्क इसके लिए 0.15त्न डायथेन जेड-78 का छिड़काव करें।

मृदुरोमिल फफूंदी- पत्ते पहले पीले, हरे और लम्बे हो जाते हैं तथा उन पत्तों पर गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं। बाद में ये पत्ते मुड़ने और सूखने लगते हैं।

इसकी रोक थाम के लिए 0.35त्न ताम्बा जनित फफूंदी नाशक दवा का छिड़काव करें।

गले का गलन- इसके प्रकोप होने पर शल्क गलकर गिरने लगते हैं।

इसकी रोकथाम के लिए फसल को कीड़े और नमी से बचावें।

प्याज का थ्रिप्स- इसके पिल्लू कीड़े पत्तों और जड़ों को छेद कर रस चूसते हैं। फलस्वरूप पत्तियों पर उजली धारियाँ दिखाई पड़ने लगते हैं और सारा फसल सफेद दिखने लगते हैं।

रोकथाम- इसके रोकथाम के लिए कीटनाशी दवा (मालाथियान) का छिड़काव करें।

फसल की कटाई- जब पौधों के तने सूखने लगे और सूखकर तना पीछे मुड़ने लगे तब प्याज के कंदों को खुरपी के सहारे उखाड़ लिया जाय।

गाँठ सहित पौधों को तीन-चार सप्ताह तक छाया में अवश्य सूखा लें।

बीजोत्पादन

जमीन की तैयारी पूर्व की तरह ही करें। बीज का उत्पादन

(क) कंद से बीज

(ख) बीज से बीज प्याज के कंद से ही बीज उत्पादन होता है। प्याज पर परागित पौधा है अत- एक ही किस्म के बीज एक जगह लगते हैं और दो किस्मों के बीच पर्याप्त दूरी छोड़ते हैं (कम से कम 700 मीटर) कंद लगाने का समय अक्टूबर है। फूल जनवरी में लगते हैं। समय-समय पर परागण हेतु प्याज के फल लगे डंठलों को हिलाना आवश्यक होता है, ताकि पूर्ण परागण हो सके।

(ग) पुराने एवं स्वस्थ गांठों को जमीन में रोपते हैं इन गांठों से बीज के बाल निकलते हैं। फूल लगते हैं। फूल के गुच्छे जब सूख जाते हैं तो इसे झाड़कर बीज प्राप्त करते हैं।

प्याज की उन्नत खेती

जलवायु - प्याज ठण्डे मौसम की फसल है। इसे सम जलवायु में अच्छी तरह से उगाया जा सकता है। प्याज की फसल के लिए बल्ब बनने के पूर्व 12.80 ङ्क 210 सेन्टीग्रेड एवं बल्ब के विकास हेतु 15.50 ङ्क 250 सेन्टीग्रेड तापक्रम उपयुक्त रहता है। प्रारम्भिक अवस्था में कम तापक्रम बोल्टिंग को बढ़ावा देता है एवं तापक्रम में अचानक बढ़ोत्तरी से शीघ्र परिपक्वता आती है, जिससे बल्ब का आकार छोटा रह जाता है ।

मृदा- प्याज सभी प्रकार की मृदाओं में उगायी जा सकती है, लेकिन कन्दीय फसल होने के कारण भुरभुरी तथा उत्तम जल निकास वाली बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है ।

भूमि की तैयारी- प्याज की रोपाई के पूर्व दो–तीन बखर चलाकर खेत को अच्छी तरह तैयार कर लेना चाहिए। तदुपरांत पाटा चलाकर खेत को समतल कर लें।

एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन - खाद एवं उर्वरकों का उपयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करें। सामान्यत- गोबर की खाद 200–250 क्विंटल, नत्रजन 100 किलोग्राम, स्फुर 80 किलोग्राम एवं पोटाश 60 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से दें । गोबर की खाद, स्फुर, पोटाश तथा नत्रजन की आधी मात्रा पौध रोपण के पूर्व भूमि की तैयारी के समय मृदा में मिलाएं तथा शेष नत्रजन की मात्रा को दो बराबर भागों में बांटकर रोपाई के 30 से 45 दिन बाद देना चाहिए ।

पौध तैयार करना- एक हेक्टेयर में रोपाई के लिए 10 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है ।पौध तैयार करने के लिए 331 मीटर आकार की 15 ङ्क 20 सेमी जमीन से ऊंची क्यारियां बनाएं। बीज को 4– 5 सेमी की दूरी पर कतारों में 0.5–1 सेमी की गहराई पर बोयें। बीज को बोने के पूर्व बाविस्टीन 1 ग्राम प्रति किलो या ट्रायकोडर्मा विरडी 4 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। बीज की बुवाई के बाद क्यारियों की सूखी घास अथवा पत्तों से ढंक दें।क्यारियों में आवश्यक नमी बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई करें ।बीज के अंकुरण होते ही पत्तों को हटा दें।पौध रोपाई के लिए 45 से 50 दिनों में तैयार हो जाती है। एक हेक्टेयर में रोपाई के लिए पौध तैयार करने हेतु 500 वर्ग मीटर स्थान की आवश्यकता होती है ।

बल्ब वर्गीय सब्जियों में प्याज का प्रमुख स्थान है।प्याज का उपयोग सब्जी, मसाले, सलाद तथा आचार तैयार करने के लिए किया जाता है। भारत में महाराष्ट, कर्नाटक, गुजरात, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडू, हरियाणा एवं उत्तरप्रदेश प्याज उत्पादन में अग्रणी राज्य है। भारत में 1320.44 हजार हेक्टेयर में प्याज की खेती की जाती है, जिससे 20931.21 हजार मीट्रिक टन उत्पादन (2015–16) प्राप्त होता है।

पौध रोपण एवं समय- पौध जब 10–15 सेमी ऊंचाई के हो जाए तब 15310 सेमी कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी पर रोपण करें।पौध रोपण के तुरंत बाद सिंचाई करें। रोपाई का उपयुक्त समय खरीफ में जुलाई से अगस्त एवं रबी में दिसम्बर से जनवरी रहता है।

निंदाई –गुड़ाई - प्याज एक उथली जड़ वाली फसल है। अत- प्याज के खेत में उथली निंदाई–गुड़ाई करें। प्याज में खरपतवार नियंत्रण के लिए खरपतवारनाशियों का भी छिड़काव करें। रोपण के तुरंत बाद स्टाम्प (पेन्डीमिथालीन 30 ईसी) की 3.3 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़कें।

सिंचाई जल प्रबंधन- सिंचाई की संख्या भूमि का प्रकार और जलवायु के ऊपर निर्भर करती है। प्याज एक उथली जड़ वाली फसल है।इसकी जड़ें भूमि की सतह से 8 सेमी की गहराई तक जाती है।प्याज में आवश्यकतानुसार प्रति सप्ताह हल्की सिंचाई करें। रबी फसल में 8–10 सिंचाई की आवश्यकता होती है।अधिक नमी में पर्पल ब्लॉच की संभावना बढ़ जाती है।खुदाई के 10 दिन पूर्व सिंचाई बंद कर दें।

खुदाई - जब पत्तियों का ऊपरी भाग सूखने लगे तो उसे भूमि में गिरा दें। जिससे प्याज के कंद अच्छी तरह से पक सकें।कंद की खुदाई सावधानीपूर्वक अथवा कुदाली से करें। खुदाई करते समय कन्द में चोट या खरोंच नहीं लगे।

उपज - प्याज की उन्नत किस्मों से औसतन 250–300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर।उपज प्राप्त की जा सकती है।

भण्डारण - प्याज का भण्डारण एक महत्वपूर्ण कार्य है। खुदाई करने के बाद कंदों को धूप में 7–10 दिन सुखाने के उपरांत हवादार कमरों में फैलाकर रखें। भण्डारण के पूर्व कटे–फटे व रोगी कन्दों को अलग कर दें।

उन्नत किस्में-

एग्रीफाउण्ड डार्क रेड ङ्क इस किस्म के कंद गोल, गहरे लाल, 4 – 6 सेमी व्यास के होते हैं।यह किस्म फसल रोपाई के 95–110 दिन में पककर तैयार हो जाती है।यह किस्म खरीफ के लिए उपयुक्त होती है।इस किस्म की औसत उपज 300 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है ।

एग्रीफाउण्ड लाइट रेड ङ्क इस किस्म के कंद गोल, हल्के लाल 4–6 सेमी व्यास के होते हैं। यह किस्म रबी के लिए अनुशंसित की जाती है। फसल रोपाई के 120–125 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की औसत उपज 300 क्विंटल प्रति हेक्टर है ।

एनएचआरडीएफ (रेड) यह किस्म वर्ष 2006 में विमोचित की गई है।इस किस्म की भारत के उत्तरी, केन्द्रीय एवं पश्चिमी भागों में रबी मौसम में उगाने के लिए अनुशंसा की गई है।इस किस्म के बल्ब आकर्षक लाल रंग के ग्लोबाकार, गोल, 5–6 सेमी व्यास के होते हैं। एक बल्ब का औसतन वजन 100–120 ग्राम होता है। इसमें कुल घुलनशील ठोस 13–14 प्रतिशत पाया जाता है।पौधों की पत्तियां गहरे हरे रंग की होती हैं।यह किस्म प्रमुख बीमारियों के प्रति मध्यम अवरोधिता रखती है।रोपाई के 115–120 दिनों में फसल पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की औसत उपज 250–300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

भीमा सुपर- इस किस्म के कंद ठोस, गोल, सकेन्द्रक, मध्यम लाल रंग के होते हैं। खरीफ में यह किस्म रोपाई के 108 दिन बाद एवं पिछेती खरीफ में 115–120 दिन बाद फसल पककर तैयार हो जाती है।

प्याज की नर्सरी तैयार करने से लेकर पौध की रोपाई तक, जानिए सब कुछ

अगर आप किसान हैं और पहली बार प्याज की खेती कर रहे हैं तो ये खबर आपके काम आ सकती है. इस खबर में हम आपको प्याज की नर्सरी से लेकर पौध की रोपाई तक की जानकारी दे रहे हैं.

प्याज की नर्सरी तैयार करने से लेकर पौध की रोपाई तक, जानिए सब कुछ

महाराष्ट्र सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है

प्याज एक ऐसी फसल है जिसे लोग सब्जी और मसाला, दोनों रूप में खाते हैं. वैसे तो देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी खेती साल में दो बार होती है, लेकिन यह रबी सीजन की प्रमुख फसलों में से एक है. किसानों की इसकी खेती को ओर रुझान भी तेजी से बढ़ा है. प्याज का रकबा हर साल बढ़ रहा है.

अगर आप किसान हैं और पहली बार प्याज की खेती कर रहे हैं तो ये खबर आपके काम आ सकती है. इस खबर में हम आपको प्याज की नर्सरी से लेकर पौध की रोपाई तक की जानकारी दे रहे हैं.

नर्सरी की तैयारी

प्याज की उन्नत एवं सिफारिश की गयी किस्म के बीज को 3 मीटर लम्बी व 1 मीटर चौड़ी, 15 सेमी ऊँची क्यारियों में बोएं.

500 वर्ग मीटर क्षेत्र में तैयार की गयी नर्सरी की पौध एक हेक्टेयर क्षेत्र में फसल उगने के लिए पर्याप्त होती है.

बीजों को क्यारी में बोने से पूर्व केप्टान या थायरम नामक फफुंदनाशक दवा से 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज या ट्राईकोडर्मा विरीडी से 5 ग्राम प्रति किलो ग्राम बीज की दर से उपचारित करें.

उपचारित बीजों को 5 सेमी के अंतर पर बने गई कतारों मे 1 से 2 सेमी गहरे पर बाएं.

इसके बाद कम्पोस्ट खाद या मिट्टी की हलकी परत से बीजों को ढंककर झारे से पानी दें और क्यारियों को घास फूस या अन्य किसी वनस्पति आवरण से ढंक दें.

बीज जब अच्छी तरह अंकुरित हो जाए तो क्यारियों से घास फूस हटा दें.

इसके पहले यदि नर्सरी में सिंचाई की आवश्यकता हो तो सूखी घास हटा कर सिंचाई करने के बाद क्यारियों को फिर से सूखी घास से ढंक दें.

अंकुरण के बाद पौधों को जड़ गलन बीमारी से बचने के लिए 2 ग्राम केप्टान या थायरम दवा को एक लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें.

खरीफ में बुआई के लगभग 6-7 सप्ताह बाद तथा रबी में 8-9 सप्ताह बाद पौध खेत में रोपण के लिए तैयार हो जाती है.

रोपाई करते समय ध्यान रखने योग्य बातें

- पौध को रोपनी से उखाड़ने के 2-3 घंटे पहले क्यारियों को सिंचित कर लेना चाहिए जिससे पौध आसानी से उखाड़ सकें.
- पौध की पत्तियों को रोपाई से पूर्व ऊपर से एक चोथाई तक काट लेना चाहिए , ऐसा करने से पौध जमीन में जल्दी लग जाती है.
- पौध की रोपाई सही समय (खरीफ में 6-7 सप्ताह बाद तथा रबी में 8-8 सप्ताह बाद) पर करना चाहिए.
- छोटी या बड़ी उम्र की पौध की खेत में रोपाई करने से प्रति इकाई क्षेत्र से उत्पादन कम मिलता है व उत्पादित प्याज की गुणवत्ता मे व भण्डारण क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है.
- जहाँ तक संभव हो पौध की रोपाई शाम के समय करना चाहिए.

पौध की रोपाई

- जब पौध लगभग 15 सेमी ऊंचाई के हो जाएं तब वह खेत में रोपाई के लिए उपुक्त होते हैं.
- रोपाई के पूर्व पौध की जड़ों को बाविस्टीन दवा की 2 ग्राम मात्रा के 1 लीटर पानी में बने हुए घोल में 15-20 मिनिट डुबोकर रखें, उसके बाद रोपाई करे ताकि फसल को बेंगनी धब्बा रोग से बचाया जा सके.
- रोपाई करते समय कतारों के बीच की दूरी 15 सेमी तथा पौध से पौध की दूरी 10 सेमी रखें.

संक्षिप्त समाचार

सरयू जल की रथ यात्रा सीता अम्मन मंदिर को हुई रवाना

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने देश के सांसदों के साथ मयूरपति श्री बद्रकाली अम्मन कोविल से पवित्र सरयू जल की रथयात्रा शुरू की। आध्यात्मिक महत्व से जुड़े इस औपचारिक कार्यक्रम में भारत के अयोध्या में सरयू नदी का पवित्र जल, सीता एलिया स्थित सीता अम्मन मंदिर के लिए यात्रा का शुभ प्रतीक बताया गया। झा न कोलंबो से सरयू जल की रथयात्रा को हरी झंडी दिखाई। भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, प्राचीन परंपराओं और दैवीय श्रद्धा से गूंजता यह कार्यक्रम भारत-श्रीलंका के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। संतोष झा ने कहा, इस पवित्र जल का उपयोग सीता एलिया में सीता अम्मन मंदिर के कुंभाभिषेक के लिए किया जाएगा। सरयू जल हिंदू पौराणिक कथाओं में पवित्रता के लिए पूजनीय है और धार्मिक अनुष्ठानों में काफी महत्व रखता है।

नॉर्वे के केंद्रीय बैंक ने अदाणी पोर्ट को काली सूची में डाला

ओस्लो , एजेंसी। यूरोपीय देश नॉर्वे के केंद्रीय बैंक ने भारत के अदाणी पोर्ट्स समेत तीन कंपनियों को सरकारी पेंशन फंड से ब्लैक लिस्ट कर दिया है। नैतिकता संबंधी चिंताओं की वजह से यह फैसला किया गया है। नॉर्वे के केंद्रीय बैंक नोर्जिस बैंक ने कहा कि वह कंपनी को अपने पेंशन फंड की लिस्ट से बाहर निकल रही है, क्योंकि किसी युद्ध या विवाद की स्थिति में कंपनी इंडिविजुअल राइट्स के गंभीर उल्लंघन के मामलों में लिप्त है। नोर्जिस बैंक ने अन्य दो कंपनियों में अमेरिका की एल3 हैरिस टेक्नोलॉजी और चीन की वाईचाई पावर जैसी कंपनियों को भी काली सूची में डाला है।

पाकिस्तान में दो भाइयों के पास घूम रही पार्टी की कमान, पीएम शहबाज ने नवाज के लिए छोड़ा पार्टी प्रमुख पद

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पार्टी का अध्यक्ष बनाने और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया है। नवाज शरीफ पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं जबकि उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ इस समय देश की कमान संभाल रहे हैं। दोनों नेताओं की सांगठनिक जिम्मेदारियों का औपचारिक एलान 28 मई को पार्टी की जनरल काउंसिल की बैठक में होगा। शहबाज शरीफ ने इसी सप्ताह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पद से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि वह इस भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने भाई नवाज शरीफ को पार्टी प्रमुख का पद दिए जाने की सिफारिश की है। नवाज और शहबाज को पार्टी के शीर्ष पद दिए जाने का निर्णय पीएमएल (एन) की सेंट्रल वर्किंग कमेटी ने लिया है। बता दें कि नवाज शरीफ का नाम पनामा पेपर लीक मामले में आने के बाद उनका पार्टी अध्यक्ष पद चला गया था। इसके बाद पार्टी ने सांगठनिक गतिविधियां चलाने के लिए शहबाज को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। लेकिन अब जबकि इलाज के लिए लंदन गए नवाज पाकिस्तान लौट आए हैं और उन पर लगे तमाम आरोप वापस ले लिए गए हैं, तब उन्हें एक बार फिर पार्टी की कमान देने का निर्णय लिया गया है।

पाकिस्तान में महिला जर्नलिस्ट की पिटाई, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में पत्रकार भी सुरक्षित नहीं है। दरअसल, परीक्षा केंद्रों पर नकल करने वाले लोगों के एक समूह ने महिला पत्रकार की पिटाई कर दी। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे कोरंगी के एक स्कूल में एक समूह महिला पत्रकार की जमकर पिटाई कर रहा है। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने वायरल वीडियो पर कार्रवाई की और स्कूल मालिक सहित तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मैट्रिक परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर नकल कराने में शामिल लोगों के एक समूह ने एक महिला पत्रकार को कथित तौर पर प्रताड़ित किया। इस मामले में सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर और विश्वविद्यालयों और बोर्ड के मंत्री मुहम्मद अली मलकानी ने संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है।

500 साल पहले कहां बनाई गई थी मोनालिसा की पेंटिंग, लियोनार्डो दा विंची के इस Myster4 का खुलासा

लंदन, एजेंसी। दुनिया की सबसे मशहूर और रहस्यमयी मोनालिसा की पेंटिंग को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। इटली की भूविज्ञानी एन पिज़ोरुसो ने एक नई थ्योरी निजात कर पता लगाया है कि आखिर में 500 साल पहले लियोनार्डो दा विंची ने विश्व प्रसिद्ध मोना लिसा की पेंटिंग कहा बनाई थी आपको बता दें कि मोनालिसा पेंटिंग का लोकेशन इतिहासकारों के बीच हमेशा से एक बहस का मुद्दा बना रहा है। हालांकि, अब एन पिज़ोरुसो ने अपनी नई थ्योरी के तहत इसका पता लगा लिया है। इतालवी पुनर्जागरण विशेषज्ञ एन पिज़ोरुसो के अनुसार, मोनालिसा को उत्तरी इटली के लेको में पेंट किया गया था।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने पिज़ोरुसो के हवाले से कहा, जब मैं लेको आई, तो मुझे एहसास हुआ कि विंची ने यहां मोना लिसा की पेंटिंग बनाई थी। लेको, कोमो झील के किनारे बसा एक छोटा सा शहर है। दरअसल, मोना लिसा की पेंटिंग की पृष्ठभूमि में एक धनुषाकार पुल है। स्कोलर्स के मुताबिक, यह धनुषाकार पुल 14वीं सदी के पोंटे एज़ोन विस्कोन्टी से बेहद मेल खाता है।

नीदरलैंड में 29 साल की महिला को इच्छा मृत्यु की मिली मंजूरी, 3 साल से कर रही थी कोशिश

एम्सटर्डम , एजेंसी।

नीदरलैंड में एक 29 साल की महिला को इच्छा मृत्यु की अनुमति मिल गई है। महिला का नाम जोराया टेर बीक है, जो नीदरलैंड में जर्मनी के बॉर्डर के पास रहती हैं। इच्छा मृत्यु के लिए उसने साढ़े तीन साल तक नीदरलैंड के प्रशासन को मनाने की कोशिश की । द गार्जियन के मुताबिक उसे इसी महीने इच्छा मृत्यु दी सकती है। कई सालों से ऑटिज्म और असहनीय मानसिक परेशानियों से जूझ रही जोराया कई बार खुद को मारने और चोट पहुंचाने की कोशिश कर चुकी थी । जोराया को लगा कि उनकी समस्या का अब कोई हल नहीं है। इसके चलते उन्होंने इच्छा मृत्यु की मांग की थी। हालांकि, जोराया शारीरिक रूप से बिल्कुल फिट है। ऐसे में उनकी इच्छा मृत्यु को मिली मंजूरी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि मानसिक बीमारियों से जूझ रहे लोग तेजी से इच्छा मृत्यु को अपना रहे हैं।

द गार्जियन के अनुसार जोराया

ने बताया कि उसकी परेशानियां बचपन में ही शुरू हो गई थीं। उनको क्रॉनिक डिप्रेशन, एंजायटी, ट्रॉमा और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर जैसी समस्याएं होने लगी। इसके अलावा उन्हें ऑटिज्म की भी समस्या थी। इसमें वह खुद को ही चोट पहुंचाने लगी। कुछ साल बाद जब जोराया को एक पार्टनर मिला तो उन्हें लगा था कि सब ठीक हो जाएगा। उनकी मानसिक समस्याएं अब दूर हो जाएंगी, मगर कोई हल नहीं निकला। जोराया ने खुद को नुकसान पहुंचाना जारी रखा। जोराया ने अपनी बीमारियों से लड़ने के लिए इलेक्ट्रोकन्वलसिव थेरेपी (श्टझ्ड़) की 30 से ज्यादा थेरेपी ली। इसमें रोगी को बिजली के झटके दिए जाते हैं। मगर उसकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ। जोराया ने कहा कि 10 सालों तक कई तरीकों से अपना इलाज कराने के बाद आखिरकार निराश होकर उसने स्वस्थ जीवन जीने की उम्मीद छोड़ दी। इसके बाद उसने इच्छा मृत्यु के लिए आवेदन दिया। उन्होंने कहा कि इच्छा मृत्यु पाना इतना भी आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि आप शुक्रवार को मरने की सोचें और रविवार को आपको मौत मिल जाए। यह लंबी प्रोसेस होती है जिसमें आप कई डॉक्टरों से मिलते हैं। जो तय करते हैं कि आपकी इच्छा मृत्यु की मांग उचित है या नहीं। हर स्टेज पर डॉक्टर आपसे ये पूछते हैं कि क्या आप जान देने को तैयार हैं हर और बार उसे इसके लिए हामी भरनी पड़ती।

बता दें कि नीदरलैंड वह पहला देश है जिसने इच्छा मृत्यु को कानूनी अनुमति दी है। साल 2001 में वहां इच्छा मृत्यु को वैधता मिली। नीदरलैंड में आमतौर पर इच्छा मृत्यु की मंजूरी मिलने के बाद डॉक्टर्स लास्ट टाइम प्रोसीजर संबंधित व्यक्ति के घर पर ही करते हैं। इस दौरान पेशेंट को एक खास तरह का इंजेक्शन दिया जाता है और कुछ ही मिनट में उसकी मौत हो जाती है। खास बात यह है कि मौत के बाद भी इस मामले की जांच होती है। अगर डॉक्टर्स की जरा भी लापरवाही सामने आती है तो उन्हें 12 साल की कैद हो सकती है। 2022 के दौरान नीदरलैंड में कुल 8501 लोगों ने इस कानूनी तरीके से प्राण त्यागे थे।

अमेरिका के इडाहो में भीषण सड़क हादसा, पिकअप और वैन की टक्कर में 6 लोगों की मौत और 10 घायल

इडाहो फॉल्स , एजेंसी। अमेरिका के इडाहो में शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। दो वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक बड़ी यात्री वैन भी शामिल थी। इडाहो राज्य पुलिस ने एक बयान के अनुसार, इडाहो फॉल्स के यूएस हाईवे 20 पर दुर्घटना में दस अन्य लोग घायल भी हो गए, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने बताया कि पूर्व की ओर जाने वाली एक पिकअप सुबह करीब साढ़े पांच बजे सड़क के दूसरी तरफ जा पहुंची जिससे पश्चिम की ओर जाने वाली एक यात्री वैन से उसकी टक्कर हो गई। वैन के चालक और पांच यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, वैन में सवार नौ अन्य यात्रियों और पिकअप के चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दुर्घटना का अन्य विवरण जारी नहीं किया है, जिसमें यह भी शामिल है कि वैन में सवार 15 लोग कहां के थे या वे कहां जा रहे थे।

रूसी सेना के हमले के बाद खार्किव पड़ा सुनसान, लगभग 10 हजार लोगों ने छोड़ा अपना घर; यूक्रेन के गर्वनर का दावा

रोम , एजेंसी। रूस-यूक्रेन की जंग को 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन अब तक युद्ध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। 10 मई को रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र पर जमीनी हमले किए।यूक्रेन के गवर्नर ने शनिवार को दावा किया कि इस जमीनी हमले के बाद से यूक्रेन के उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र में लगभग 10,000 लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने एएफपी को बताया कि यह हमला व्यापक हमले की पहली लहर हो सकता है। गवर्नर ओलेग सिनेगुबोव ने कहा कि हमले के एक सप्ताह बाद, कुल 9,907 लोगों को निकाला गया है।

सभी लोग रूसी सैनिकों से बचकर भाग रहे थे। बता दें कि रूसी सेना उत्तर-पूर्वी सीमा पर पांच से 10 किलोमीटर (तीन से छह मील) तक सीमा पार कर चुके है। रूसी सेना ने 9 से 15 मई के बीच 278 वर्ग किलोमीटर (107 वर्ग मील) पर कब्जा कर लिया है, जो 2022 के अंत के बाद से उनकी सबसे बड़ी बढ़त है।

ताइवान की संसद में अराजकता और हाथापाई, फाइलें छीनीं; पांच सांसदों को अस्पताल में कराना पड़ा भर्ती

ताइपे, एजेंसी। ताइवान की संसद में उस वक्त अराजकता पैदा हो गई जब सत्तारूढ़ और विपक्षी सांसदों में विवादास्पद विधेयकों पर तनाव चरम पर आ गया। दोनों पक्षों में हुई तीखी झड़प के बीच संसद में हाथापाई हुई, सांसदों ने एक-दूसरे पर मुक्केबाजी की और पोडियम पर कूदकर कार्रवाई बाधित करते हुए कुछ सांसद फाइलें छीन सदन के बाहर ले गए। झड़पों के दौरान लगी चोटों के कारण पांच सांसदों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इनमें डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) और कुओमिनतांग (केएमटी) दोनों पार्टियों के प्रमुख लोग शामिल थे। पूरे सत्र के दौरान क्रॉस- कांकिस वार्ताएं लड़खड़ाने से गतिरोध और भी बढ़ गया। डीपीपी सांसदों की विपक्षी केएमटी और टीपीपी पार्टी के सांसदों से झड़प कई घंटे चली।

यह घटना ऐसे वक्त में हुई है जब देश के नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते को सोमवार 20 मई को शपथ लेना था। ताइवान की संसद में एक प्रस्ताव पेश किया गया। जिसके मुताबिक सरकार के कामकाज पर नजर रखने वाले विपक्षी सांसदों के पास ज्यादा ताकत होगी। इसके अलावा, संसद में झूठा बयान देने पर सरकारी अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

ताइवान के इर्द-गिर्द नजर आए चीन के सैन्य विमान और जहाज

ताइपे, एजेंसी।

ताइवान के पास मिले चीन के सात सैन्य विमान और जहाज मिले हैं। अलर्ट जारी करते हुए उन्होंने ताइवान रक्षा मंत्रालय ने उसका जवाब दिया। चीन और ताइवान के बीच काफी लंबे समय से तनाव चल रहा है। चीन ताइवान पर अपने अपने संप्रभुता का दावा करता है। बता दें कि ताइवान ने अक्सर चीन की सैन्य गतिविधियों और बलपूर्वक ताइवान को मुख्य भूमि के साथ फिर से जोड़ने की उसकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में चिंता जता चुका है। एमएनडी ने पिछले कुछ वर्षों से चीनी सैन्य गतिविधियों पर दैनिक रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार उन चीनी विमानों, ड्रोन और गुब्बारों की पहचान की है जो ताइवान जलडमरूमध्य मध्य रेखा को पार करके ताइवान की ओर आते पाए गए हैं।

इसी बीच रविवार सुबह ताइवान रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने सात सैन्य विमान और सात पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) जहाजों का पता लगाया। एमएनडी ने कहा कि ताइवान के सशस्त्र बलों (आरओसीआर्मड्फोर्सेज) ने निगरानी की और तुरंत इसका जवाब दिया।

खैबर पख्तूनख्वा में फिर एक बार लड़कियों के स्कूलों में बमबारी, इमारत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त

कराची, एजेंसी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 2021 से ही लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं। इस दौरान लड़कियों के स्कूलों को निशाना बनाया जा रहा है। एक बार फिर दक्षिण वजीरिस्तान की वाना तहसील में एक लड़कियों के स्कूल को आतंकवादियों ने निशाना बनाया। लड़कियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से वाना वेलफेयर एसोसिएशन के समर्थन से स्थापित सोफिया नूर स्कूल की स्थापना के कुछ ही दिन बाद यहां बमबारी से हमला किया गया। हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी गई है। हमला दक्षिणी जिलों के स्कूलों में किए गए हमले के ठीक आठ दिन बाद किया गया है। शेवा शहर में नौ मई को इस्लामिया गर्ल्स स्कूल में भी बमबारी की गई थी, लेकिन इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। स्कूल पर बमबारी की घटनाओं ने प्रांत के निवासियों में डर पैदा कर दिया है।

बता दें कि यह हमला दक्षिणी जिलों के स्कूलों में किए गए हमले के ठीक आठ दिन बाद किया गया है। शेवा शहर में नौ मई को इस्लामिया गर्ल्स स्कूल में भी बमबारी की गई थी, लेकिन इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। स्कूल पर बमबारी की घटनाओं ने प्रांत के निवासियों में डर पैदा कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों में यहां शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाया गया है।

इस घटना को लेकर जारी रिपोर्ट के अनुसार, सोफिया नूर स्कूल के कुछ हिस्सों में निर्माण का काम चल रहा था। सुबह के तीन बजे यहां विस्फोट हुआ, जिसमें इमारत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर दावे किए जा रहे हैं कि स्कूल के प्रशासन को जबरन वसूली पत्र मिले हैं। स्थानीय लोगों ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया।

खैबर पख्तूनख्वा में एक दशक पहले सैकड़ों स्कूलों को निशाना बनाकर बमबारी, आगजनी या स्वचालित हथियारों से हमला किया गया था। पुलिस और सुरक्षा बलों ने मिलकर यहां अभियान भी चलाया, जिसके बाद स्थिति में सुधार देखने को मिला। लेकिन वजीरिस्तान में हुए इन हमलों ने एक बार फिर स्थानीय लोगों के मन में डर का माहौल पैदा कर दिया है।

राष्ट्रपति ने विवादास्पद विदेशी एजेंट विधेयक पर किया वीटो, हाल में हुए थे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन

त्बिलिसी , एजेंसी।

देश में भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच जॉर्जिया की राष्ट्रपति ने एक विवादित विधेयक पर वीटो किया। इसके मुताबिक अगर मीडिया और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेश से 20 फीसदी से ज्यादा पैसा मिलता है, तो उन्हें विदेशी शक्ति वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी।

जॉर्जिया की राष्ट्रपति सैलोम जौराबिचविली ने शनिवार को मीडिया को निशाना बनाने वाले एक विवादित विधेयक पर वीटो कर दिया। इस विधेयक के खिलाफ बीते हफ्तों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। इसके मुताबिक, अगर मीडिया और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेश से 20 फीसदी से ज्यादा पैसा मिलता है, तो उन्हें विदेशी शक्ति वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी। राष्ट्रपति ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि वह इस कानून को अस्वीकार्य मानती हैं।

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति जौराबिचविली ने विवादास्पद विदेशी एजेंट विधेयक से पैदा हुए तनाव को कम करने के मकसद से शनिवार को कानून को वीटो किया। इस कानून की व्यापक आलोचना हुई थी और इसके खिलाफ अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिले थे। इन प्रदर्शनों ने जॉर्जिया की लोकतांत्रिक साख और यूरोपीय संघ की आकांक्षाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। उन्होंने इसे रूसी कानून करार दिया।

हालांकि, राष्ट्रपति जौराबिचलविली का वीटो केवल इस प्रस्तावित कानून में देरी

करने का काम कर सकता है, क्योंकि संसद एक अतिरिक्त वोट के साथ इसे रद्द करने की शक्ति रखती है। सत्तारूढ़ जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी की ओर से प्रस्तावित और इस हफ्ते के शुरू में संसद द्वारा पारित कानून में गैर सरकारी संगठनों और मीडिया आउटलेट्स को विदेश से अपने वित्त पोषण का 20 फीसदी से अधिक धन प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी।

वीटो करने के बाद जौराबिचविली ने कहा, आज, मैंने रूसी कानून को वीटो कर दिया। यह कानून अपने सार और भावना में मौलिक रूप से रूसी है, जो हमारे संविधान और सभी यूरोपीय मानकों का उल्लंघन करता है। इस प्रकार यह हमारे यूरोपीय मार्ग के लिए एक बाधा पैदा करता है। इस कानून को निरस्त किया जाना चाहिए।

180 छात्रों को लेकर लाहौर पहुंचा विशेष विमान, पाकिस्तानी दूतावास की सलाह- घर के अंदर रहें

लाहौर, एजेंसी। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हिंसा भड़की हुई है। विदेशी छात्रों पर हमले किए जा रहे हैं। हिंसा के बीच 180 पाकिस्तानी छात्र लाहौर पहुंच चुके हैं। छात्रों को लेकर एक विशेष विमान शनिवार को अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। जहां पर आंतरिक मंत्री ने छात्रों का स्वागत किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किर्गिज पुलिस ने कहा कि उन्होंने हिंसा रोकने के लिए मध्य एशियाई देश की राजधानी में सेना जुटाई थी, लेकिन सैकड़ों किर्गिज लोगों ने पाकिस्तानियों सहित विदेशी छात्रों के आवास वाली इमारतों पर हमला कर दिया था। पाकिस्तानी दूतावास के अनुसार, किर्गिज राजधानी में 13 मई को मिस्र के लोगों के साथ विवाद के बाद वहां के स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानियों सहित विदेशी छात्रों पर हमला कर दिया था। रिपोर्ट में किर्गिज स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि हिंसा में 29 लोग घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 14 विदेशियों को इलाज के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई।

संक्षिप्त समाचार

सेबी के पास दाखिल अपना आईपीओ मसौदा वापस लेगा ओयो, अब कंपनी कर रही यह तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सॉफ्टबैंक समर्थित ओयो अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए सेबी को अपना मसौदा फिर से दाखिल करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार कंपनी ने सेबी के पास आईपीओ के लिए दाखिल अपना वर्तमान मसौदा या डीआरएचपी वापस लेने का आवेदन दिया है। सूत्रों के अनुसार वैश्विक ट्रैवल टेक कंपनी ओयो डॉलर बॉन्ड की बिक्री के जरिए 450 मिलियन अमरीकी डॉलर जुटाने की योजनाओं को अंतिम रूप देने के करीब है। एक सूत्र ने कहा कि जेपी मॉर्गन डॉलर बॉन्ड की बिक्री के माध्यम से 9 से 10 प्रतिशत प्रति वर्ष की अनुमानित ब्याज दर पर पुनर्वित्त हासिल करने की प्रक्रिया में लीड बैंकर की भूमिका निभाएगा। पुनर्वित्त की तैयारी कर रहे ओयो ने बाजार नियामक सेबी को दिए गए अपने वर्तमान ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) को वापस लेने का अपना आवेदन दायर कर दिया है। कंपनी ने बताया है कि वह बॉन्ड जारी करने के बाद संशोधित डीआरएचपी फाइल करना चाहती है। ओयो की मूल कंपनी ओरावेल स्टेज लिमिटेड ने नवंबर में पुनर्खरीद प्रक्रिया के जरिए 1,620 करोड़ रुपये के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चुकाया था। इस बायबैक में 66 करोड़ डॉलर के टर्म लोन बी की 30 प्रतिशत की पुनर्खरीद शामिल थी। इस कदम से कंपनी की बकाया ऋण राशि घटकर लगभग 45 करोड़ डॉलर डालर रह गई। कंपनी की आईपीओ योजना से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई कहा, पुनर्वित्तपोषण से ओयो के वित्तीय ब्योरे में महत्वपूर्ण बदलाव होगा। मौजूदा नियमों के अनुसार, इसे नियामक को दी गई अपनी फाइलिंग में संशोधन करने की आवश्यकता होगी।

दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का निधन, आईसीआईसीआई बैंक की शुरुआत करने का जाता है श्रेय

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय समूह आईसीआईसीआई की नींव रखने वाले दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का शनिवार को निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। वह गंभीर हालत में चेन्नई के अपोलो अस्पताल में पिछले दो दिनों से वेंटिलेटर पर थे। उनके परिवार के सदस्य ने मीडिया को बताया कि गिरने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वे बेहोश थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा हैं। नारायणन वाघुल ने भारतीय स्टेट बैंक में अपना करियर शुरू किया था। वे महज 44 साल की उम्र में एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बैंक ऑफ इंडिया के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बने। हालांकि उन्होंने नौकरशाहों के हस्तक्षेप से नाराज होकर बैंकिंग छोड़ दी थी। राजीव गांधी की सरकार के दौरान उन्हें आईसीआईसीआई बैंक का प्रमुख बनने के लिए कहा गया था। वाघुल को वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में योगदान के लिए वर्ष 2010 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

स्कैम 2010 सीरीज की सहारा परिवार ने की निंदा, कहा- कर सकते हैं कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। द सुब्रत रॉय सागा की घोषणा के एक दिन बाद, सहारा परिवार ने इसके खिलाफ एक बयान जारी कर इसे अपमानजनक हरकत बताया है। उन्होंने कहा है कि वह इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं। साथ ही वह इसकी निंदा भी करते हैं। फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने 16 मई को अपनी स्कैम फ्रेंचाइजी स्कैम 2010- द सुब्रत रॉय सागा की तीसरी किस्त का ऐलान किया।

कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी, भाव बढ़ने की आस में किसान बेचने से कर रहे परहेज

मुंबई , एजेंसी। दो महीने से कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। दूसरी ओर, किसानों को ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष कम उत्पादन के कारण कपास की कीमतों तेजी अवश्य आएगी। किसानों के इसी अनुमान की वजह से मौजूदा समय में मंडियों में कपास की आवक भी घट रही है।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के आंकड़ों के अनुसार कॉटन (कपास शंकर 6) की कीमतों में पिछले दो महीनों से लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट आई है। कपास की कीमतें गिरकर 16,057 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। जबकि दो महीने पहले 15 मार्च 2024 को इसी कपास के लिए 17,434 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लग रही थी। वहीं, एक साल पहले शंकर 6 किस्म के कपास का भाव 16,759 रुपये प्रति क्विंटल था। जानकारों के अनुसार यदि कपास के भाव में गिरावट इसी तरह जारी रही तो इससे किसानों को मुश्किल हो सकती है। चाहे वे इसे स्टोर करें या बेच दें पर उनको परेशानी झेलनी पड़ सकती है। महाराष्ट्र की अधिकतर मंडियों में कपास का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ज्यादा है उसके बावजूद किसान और अधिक दाम मिलने की आस में बैठे हैं। इससे मंडियों में कपास की आवक घट रही है। कॉटन एसोसिएशन के नए अनुमान के मुताबिक अक्टूबर-मार्च के दौरान कॉटन निर्यात 137 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख गांठ पहुंच गया था। जबकि पिछले साल की समान अवधि में निर्यात 7.59 लाख गांठ का रहा था। सीएआई के नए अनुमान के अनुसार आने वाले समय में कपास की आवक में और कमी रहने की आशंका है क्योंकि साल 2023-24 में 323.1 लाख गांठ के उत्पादन में से लगभग 280.6 लाख गांठ की आवक हो चुकी है। वायदा बाजार में भी कॉटन के भाव में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। एसएमसी कमोडिटी रिसर्च के अनुसार फिलहाल एमसीएक्स पर कपास 56,000-57,500 प्रति कैंडी (355 किलोग्राम की एक कैंडी होती है) के भाव कारोबार करता दिख रहा है। दूसरी ओर, कॉटन (अप्रैल 2025) वायदा की कीमतें 1,530-1,580 के दायरे में कारोबार रहने की आशंका है। महाराष्ट्र की मंडियों में कॉटन के भाव में लगातार गिरावट जारी है। हालांकि इस साल कपास के कम उत्पादन के अनुमान को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमतें 2021 और 2022 की तरह 9,000 से 12,000 रुपये प्रति क्विंटल तक जा सकती हैं।

कपास की कीमतों पर क्या है वैश्विक अनुमान

एक अगस्त से शुरू होने वाले 2024-25 सीजन में ब्राजील और तुर्की के साथ अमेरिका में कॉटन की फसल अधिक होने की उम्मीद से वैश्विक कॉटन की कीमते घट रही हैं। फिच सॉल्युशन रिसर्च एजेंसी बीएमआई का कहना है कि वैश्विक कॉटन बाजार में मंदी की भावना काफी हद तक 2024-25 में उत्पादन में सुधार विशेषकर अमेरिका में अधिक उत्पादन की उम्मीद के कारण है।

वहीं, अमेरिकी कृषि विभाग यूएसडीए के अनुसार 2024-25 सीजन में अमेरिका में कॉटन का उत्पादन बढ़कर 160 लाख गांठ (204.9 गांठ 170) किलोग्राम होने का अनुमान है। अगले सीजन में वैश्विक उत्पाद 11.90 करोड़ अमेरिकी गांठ (217.72 किलोग्राम) होने का अनुमान है। यूएसडीए को उम्मीद है कि अमेरिका, ब्राजील और तुर्की में कपास की अच्छी फसल चीन और भारत में कम फसल की भरपाई कर देगी। अमेरिका में अच्छी फसल के कारण इस साल फरवरी से कपास की कीमंते घट रही हैं। इस वजह से भारत में भी कपास की कीमतों पर असर पड़ा है। ऑल इंडिया कॉटन ब्रोकर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रामानुज दास का कहना है कि भाव 57,500 से 59,000 प्रति कैंडी की रेंज में स्थिर रह सकता है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर खुशखबरी, 2.56 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर भारत को खुशखबरी मिल रही है। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.561 अरब डॉलर की शानदार बढ़ोतरी हुई। अब अपना भंडार 644.15 अरब डॉलर का हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 10 मई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भंडार 2.561 अरब डॉलर से बढ़कर 644.151 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले लगातार तीन सप्ताह इसमें गिरावट आई थी। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का मुद्रा भंडार 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी पूंजी भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार 1.488 अरब डॉलर से बढ़कर 565.648 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 565.65 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़कर 55.95 अरब डॉलर हो गया।

आईएमएफ के पास भारत का आरक्षित जमा घटा

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 50 लाख डॉलर बढ़कर 18.06 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर घटकर 4.495 अरब डॉलर रह गया।

चुनावी माहौल में विदेशी निवेशकों का मोहभंग, 28000 करोड़ के बेच दिये शेयर

नई दिल्ली , एजेंसी। आम चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों में आकर्षक मूल्यांकन के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 28,200 करोड़ रुपये की निकासी की है। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने की चिंता के बीच अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 8,700 करोड़ रुपये निकाले थे।इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। आगे चलकर चुनाव नतीजों के बाद एफपीआई के इक्विटी प्रवाह में नाटकीय बदलाव देखने को मिल सकता है।

क्या है एक्सपर्ट की राय

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, राजनीतिक स्थिरता की स्थिति में भारतीय बाजार में भारी निवेश आएगा डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 17 मई तक शेयरों से शुद्ध रूप से 28,242 करोड़ रुपये निकाले हैं। मोजोपीएमएस के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील दमानिया ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में एफपीआई की बिकवाली की मुख्य दो वजह हैं। पहली चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता है। एफपीआई आमतौर पर अनिश्चितता की स्थिति में सुरक्षित तरीका अपनाते हैं। इसके अलावा बाजार मूल्यांकन काफी ऊंचा है जिसकी वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 178 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कुल मिलाकर इस साल अबतक एफपीआई शेयरों से 26,000 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

फ्यूचर एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग ने बढ़ाई सरकार की टेंशन!

शेयर बाजार में निवेशकों का रुझान फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग की ओर लगातार बढ़ रहा है। इस ट्रेडिंग में हाई रिस्क होने के बावजूद ज्यादातर निवेशक अपनी सेविंग्स के पैसे भी दांव पर लगा दे रहे हैं। सेबी के आंकड़े बताते हैं कि इसका नुकसान हर 10 में से 9 निवेशक को उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अब सरकार की ओर से निवेशकों को बार-बार चेताया जा रहा है। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक कार्यक्रम में लोगों को इस ट्रेडिंग को लेकर आगाह किया था। अब मुख्य आर्थिक सलाहकार सीईए वी अनंत नागेश्वरन ने भी लोगों को बचत के पैसे निवेश करने से बचने की सलाह दी है।

क्या कहा मुख्य आर्थिक सलाहकार ने

नागेश्वरन ने कहा कि जब भी वित्तीय क्षेत्र का विकास, राष्ट्रीय विकास से पहले हुआ है, तो ऐसे देशों के लिए नतीजे अच्छे नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि एशियाई संकट 1997-98 इसका एक बहुत महत्वपूर्ण उदाहरण है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने आगे कहा- जब हम इस तथ्य पर गर्व करते हैं कि हमारे पास फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) में दुनिया की सबसे बड़ी ट्रेडिंग वॉल्यूम है, तो हमें खुद से पूछने की जरूरत है कि यह प्रगति का संकेत है या चिंता का संकेत है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पूंजी बाजार उन क्षेत्रों में बढ़े, जहां हम वास्तव में भारतीय घरेलू बचत का उपयोग उत्पादक उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं।

एक होने जा रहे हैं आईडीएफसी लिमिटेड और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, मर्जर को शेयरहोल्डर्स की मिली मंजूरी

नई दिल्ली , एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी लिमिटेड और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का विलय होने जा रहा है। इस विलय को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अधिकतर शेयरधारकों ने मंजूरी दे दी है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की चेन्नई बेंच ने यह मीटिंग आयोजित की थी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शेयरधारकों के इस फैसले की जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को दे दी है। बैंक ने बताया कि मर्जर के प्रस्ताव को 99.95 फीसदी इक्विटी शेयरहोल्डर्स ने मंजूरी दी है। ह्टएऊ्र द्वारा आयोजित बैठक में ई वोटिंग और रिमोट ई वोटिंग के जरिए यह फैसला हुआ है। जल्द ही इस फैसले की घोषणा नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल द्वारा भी की जा सकती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने दिसंबर, 2023 में आईडीएफसी लिमिटेड और इसकी बैंकिंग सब्सिडियरी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिवर्स मर्जर की अनुमति दे दी थी। आईडीएफसी फाइनेंशियल होल्डिंग कंपनी लिमिटेड, आईडीएफसी लिमिटेड और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड ने इस मर्जर को जुलाई, 2023 में मंजूरी दी थी। इस प्रस्तावित रिवर्स मर्जर स्कीम के तहत आईडीएफसी के शेयरहोल्डर्स को 100 शेयर के बदले 155 शेयर मिलेंगे। आईडीएफसी लिमिटेड और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर्स की फेस वैल्यू 10 रुपए होगी।

1991 के आर्थिक सुधार से आगे बढ़ने की जरूरत, कैपिटल मार्केट में बड़े रिफॉर्म पर सोचना होगा, तभी आएगा निवेशः सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतें पूरी करने के लिए देश को पूंजी बाजार में और सुधार करने की जरूरत है। नागेश्वरन ने उद्योग मंडल सीआईआई के एनुअल बिजनेस समिट में कहा, ''कैपिटल मार्केट रिफॉर्म पिछले तीन दशकों में प्रौद्योगिकी के सबसे सफल सुधारात्मक कदमों में से एक रहा है लेकिन हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां हमें इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है इसीलिए पूंजी बाजार में सुधार के दूसरे चरण के बारे में सोचना होगा।''

वर्ष 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने पूंजी बाजार सुधारों की शुरुआत की थी। इस क्रम में पूंजी बाजार के कुशल विनियमन और विकास के लिए 1992 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की स्थापना की गई थी। सीईए ने यह भी कहा कि देश को समग्र और व्यापक तस्वीर के लिए लक्ष्य के अनुरूप निवेश को लेकर अनुमान लगाने की आवश्यकता है। इस निवेश को डेट और इक्विटी के माध्यम से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि भारत कुछ महीनों में जेपी मॉर्गन सरकारी बॉन्ड सूचकांक में शामिल होगाज्उसके बाद जनवरी 2025 से हम ब्लूमबर्ग बॉन्ड सूचकांक का भी हिस्सा होंगे। इससे देश में पूंजी आएगी।' नागेश्वरन ने यह भी कहा कि भारत को विदेशी पूंजी प्रवाह पर निर्भरता को लेकर बहुत सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, ''अगले तीन से पांच साल में हमें वैश्विक वित्तपोषण पर निर्भरता की सीमा के बारे में सतर्क रहने की जरूरत है लेकिन 2047 की यात्रा के दूसरे चरण में मुझे लगता है कि हमारे लिए विदेशों से बड़ी मात्रा में पूंजी लेने के अवसर होंगे।''

कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी, भाव बढ़ने की आस में किसान बेचने से कर रहे परहेज

मुंबई , एजेंसी। दो महीने से कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। दूसरी ओर, किसानों को ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष कम उत्पादन के कारण कपास की कीमतों तेजी अवश्य आएगी। किसानों के इसी अनुमान की वजह से मौजूदा समय में मंडियों में कपास की आवक भी घट रही है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के आंकड़ों के अनुसार कॉटन (कपास शंकर 6) की कीमतों में पिछले दो महीनों से लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट आई है। कपास की कीमतें गिरकर 16,057 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। जबकि दो महीने पहले 15 मार्च 2024 को इसी कपास के लिए 17,434 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लग रही थी। वहीं, एक साल पहले शंकर 6 किस्म के कपास का भाव 16,759 रुपये प्रति क्विंटल था। जानकारों के अनुसार यदि कपास के भाव में गिरावट इसी तरह जारी रही तो इससे किसानों को मुश्किल हो सकती है। चाहे वे इसे स्टोर करें या बेच दें पर उनको परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

रुल्का इलेक्ट्रिकल्स आईपीओ पर टूटे निवेशक, लिस्टिंग के दिन ही पैसे होंगे डबल! 21 मई तक दांव लगाने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। रुल्का इलेक्ट्रिकल्स आईपीओ गुरुवार 16 मई को ओपन हुआ था। निवेशक इस इश्यू में मंगलवार 21 मई तक दांव लगा सकते हैं। दो दिन तक इस इश्यू को करीबन 13.76 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया है। आईपीओ का प्राइस बैंड 223 रुपये से 235 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के बीच है। इसका फेस वैल्यू 10 रुपये है।

17 मई 2024 को रुलका इलेक्ट्रिकल्स एसएमई आईपीओ का वर्तमान जीएमपी 240 रुपये है। रुलका इलेक्ट्रिकल्स एसएमई आईपीओ की अनुमानित लिस्टिंग कीमत 475 रुपये है। इसमें प्रति शेयर 102.13त्न प्रतिशत लिस्टिंग गेन की उम्मीद है। बता दें कि रुल्का इलेक्ट्रिकल्स आईपीओ को एनएसई एसएमई पर लिस्ट किया जाएगा, जिसकी संभावित लिस्टिंग डेट शुक्रवार, 24 मई, 2024 तय की गई है।

एंकर निवेशकों से 7.5 करोड़ रुपये

एंकर निवेशकों ने पहले ही 235 रुपये प्रति शेयर पर 3.19 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री के जरिए 7.5 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, जिससे बीओएफए सिक्योरिटीज यूरोप एसए - ओडीआई, नेजेन अनडिस्कवर्ड वैल्यू फंड और गैलेक्सी नोबल ग्लोबल अपॉर्चुनिटीज जैसे दिग्गज निवेशकों को आकर्षित किया गया है। निवेशकों को न्यूनतम 600 शेयरों के लिए आवेदन करना आवश्यक है। आईपीओ में 8.42 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए 2.8 लाख इक्विटी शेयर बेचने की पेशकश शामिल है। आईपीओ ने विभिन्न श्रेणियों को शेयर आवंटित किए हैं, जिनमें बाजार निर्माताओं के लिए 56,400, एचएनआई के लिए 1.6 लाख, क्यूआईबी के लिए 2.13 लाख और खुदरा निवेशकों के लिए 3.73 लाख शेयर शामिल हैं। बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर के रूप में कार्य करता है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पेशकश के लिए रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करता है।

करियर के खातिर इन अभिनेत्रियों ने छुपाई पहचान

नाम बदलकर फैंस के दिलों पर कर रहीं राज

टीवी अभिनेत्रियों के चाहने वाले बॉलीवुड अभिनेत्रियों से कम नहीं हैं। टीवी हसीनाओं के भी लाखों में फैंस हैं, जिन्हें उनके बारे में हर बात जानने की खूब दिलचस्पी रहती है। सोशल मीडिया पर इन अभिनेत्रियों की तस्वीरें आते ही छा जाती हैं। मगर इन अभिनेत्रियों को ये पहचान यूं ही हासिल नहीं हुई है। इसके लिए इन्होंने कड़ी मेहनत की है। तब जाकर ये मुकाम हासिल हुआ है। वहीं, कई अभिनेत्रियों ने तो करियर की खातिर अपना नाम तक बदल दिया है। आज हम इस लेख में उन्हीं अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने अपने अभिनय करियर के लिए नाम बदल लिया। तो चलिए जानते हैं...

अंकिता लोखंडे

टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अंकिता लोखंडे का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अंकिता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। टीवी शो पवित्र रिश्ता से अंकिता को पहचान मिली थी। मगर उनके बारे में ये बहुत कम लोग जानते होंगे कि उनका नाम पहले तनुजा लोखंडे था। उन्होंने बाद में अपना नाम अंकिता रखा।

रश्मि देसाई

टीवी अभिनेत्री और बिग बॉस 13 फेम रश्मि देसाई का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अभिनेत्री दो बार अपना नाम बदल चुकी हैं। बचपन में उनका नाम शिवानी था, जिसे बदलकर बाद में उनकी मम्मी ने दिव्या नाम रख दिया था। मगर पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के लिए अभिनेत्री ने अपना फिर से नाम बदल दिया और रश्मि देसाई रख लिया।

दलजीत कौर

टीवी अभिनेत्री दलजीत कौर का नाम भी इसमें शामिल हैं। वह भी अपना नाम बदल चुकी हैं। दलजीत कौर का नाम पहले दीपा कौर था। अभिनय करियर की शुरुआत से दलजीत ने अपना नाम बदलकर दलजीत कौर रख लिया था। अभिनेत्री को सीरियल इस प्यार को क्या नाम दूं से पहचान मिली थी।

अनिता हसनंदानी

अनिता हसनंदानी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। अनिता किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई बड़े सीरियल में अपने अभिनय का दमखम दिखाया है। वह कई बॉलीवुड फिल्मों में भी बतौर लीड एक्ट्रेस काम कर चुकी हैं। जब उन्होंने अभिनय करियर की शुरुआत की तब उनका नाम नताशा हसनंदानी था, जिसे बदलकर बाद में उन्होंने अनिता हसनंदानी कर लिया था।

निया शर्मा

टीवी की सबसे बोल्ड अभिनेत्रियों में से एक निया शर्मा का नाम भी इसमें शामिल है। निया का नाम इंडस्ट्री में आने से पहले निशा शर्मा था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने से पहले अपना नाम निशा से बदलकर निया शर्मा रख लिया था। निया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

साल के अंत तक शादी कर सकती है सारा अली खान

मशहूर अभिनेता सैफ अली खान और एक्ट्रेस अमृता सिंह की बेटी एक्ट्रेस सारा अली खान हमेशा चर्चाओं में रहती हैं। सारा की प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ में लगातार कुछ न कुछ चलता रहता है।

अब तक सारा का नाम दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत, कार्तिक आर्यन और क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ जुड़ चुका है। हालांकि सारा ने कभी भी किसी रिलेशन के बारे में कोई बयान नहीं दिया। अब एक रेडिट पोस्ट में दावा किया गया है कि सारा जल्द ही विवाह बंधन में बंधेंगी। पोस्ट में यहां तक कहा गया है कि सारा की सगाई हो चुकी है और वह इस साल के अंत तक शादी कर लेंगी।

पोस्ट में लिखा है, मैंने यह पहले भी कहा था और किसी ने भी मुझ पर विश्वास नहीं किया, लेकिन अब सारा की सगाई हो चुकी है और कपल इस साल शादी करेगा। सारा बहुत जल्द मेट्रो इन दिनों की शूटिंग पूरी करेंगी। उन्होंने कोई नई फिल्म साइन नहीं की है और वह अपनी शादी की तैयारी शुरू कर देंगी। सारा उनके प्यार में पागल हैं और बहुत खुश हैं। उनके परिवार ने भी इस रिश्ते को मंजूरी दे दी है। विश्वास करो या नहीं, सारा को नई जर्नी के लिए शुभकामनाएं।

वह एक अमीर बिजनेसमैन हैं, जो सारा के प्यार में पागल हैं। वह भी इस रिश्ते से काफी खुश है। उनके परिवार को यह लड़का मंजूर है और सारा इस साल शादी करने की योजना बना रही हैं, जिसके लिए उन्होंने कोई नई फिल्म साइन नहीं की है। बता दें कि सारा फिलहाल मेट्रो इन दिनों की शूटिंग कर रही हैं। वह इसके बाद अक्षय कुमार के साथ फिल्म स्काई फोर्स में नजर आएंगी।

सारा ने साल 2018 में अभिषेक कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म केदारनाथ से शुरुआत की थी। सारा 'सिंबा', गैसलाइट, जरा हटके जरा बचके, मर्डर मुबारक, ऐ वतन मेरे वतन समेत कुछ और फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

हीरामंडी देखने के बाद

मनीषा कोइराला से सोनाक्षी ने माँगी माफी

हिन्दी फिल्मों के ख्यातनाम निर्देशक संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार इन दिनों दुनिया के 192 देशों में नेटफ्लिक्स के जरिये प्रसारित हो रहा है। अपने दूसरे सप्ताह में भी इस वेब सीरीज ने दर्शकों को अपने साथ जोड़ने में सफलता प्राप्त की है। भंसाली की यह वेब सीरीज उनकी फिल्मों की तरह ही लोकप्रियता हासिल कर रही है। सीरीज 1 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन, फरदीन खान समेत कई स्टार्स नजर आ रहे हैं, जो लाइमलाइट में हैं। 'दबंग गर्ल' सोनाक्षी ने रेहाना आपा और फरीदन का किरदार निभाया है। अब सोनाक्षी सिन्हा ने खुलासा किया की यह सीरीज देखने के बाद उन्होंने सीनियर कलाकार 'ईलू ईलू गर्ल' मनीषा कोईराला से माफी मांगी थी। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान जब उनसे पूछा गया कि मनीषा के साथ दोस्ती कैसे हुई? तो उन्होंने बताया कि मैं उनसे प्यार करती हूं। पूरी सीरीज देखने के बाद मैंने उनसे माफी भी मांगी! मैं कैसी थी, मैंने ये कैसे किया है? मेरी ये मजाल कहां से आई! वे अद्भुत हैं और यही खूबसूरती है कि आपके सामने इतनी अच्छी एक्ट्रेस हैं, क्योंकि वे आपको बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

वो मनीषा कोइराला हैं, जिन्हें हम देखते हुए बड़े हुए हैं। उनके पास काम करने की अद्भुत क्षमता है। मैंने सोचा कि मैं उनके सामने हूं इसलिए बेहतर होगा कि मैं कुछ अच्छा करूं। हमें एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करने में बहुत मजा आता है। आप इसमें पूरी तरह शामिल हो जाते हैं। मुझे मनीषा मैडम के साथ काम करने में बहुत मजा आया। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा जो मेरे बहुत काम आएगा।

सत्यराज की अगली फिल्म पर चर्चा तेज

पीएम मोदी की भूमिका निभाएंगे बाहुबली के कटप्पा?

प्रभास की फिल्म फ्रेंचाइजी बाहुबली में कटप्पा का किरदार निभा चुके अभिनेता सत्यराज अब पर्दे पर एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की तैयारी कर रहे हैं। यह पीएम नरेंद्र मोदी की भूमिका होगी।

साउथ अभिनेता अपनी दमदार अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। वे कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखा चुके हैं। उन्होंने प्रभास अभिनीत फिल्म फ्रेंचाइजी बाहुबली में कटप्पा का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। यह सत्यराज के करियर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी। वहीं, अब चर्चा है कि सत्यराज एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

सत्यराज बनेंगे पीएम मोदी!

दरअसल, सोशल मीडिया पर अभिनेता की अगली फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वे अगली बार बायोपिक में नजर आने वाले हैं और खबर है यह कि बायोपिक में सत्यराज वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, ये अफवाहें इंटरनेट पर तेजी से फैली हुई हैं। अभी इन खबरों की पुष्टि होना बाकी है। यदि ऐसा होता है तो सत्यराज को पीएम मोदी की भूमिका में देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

कई सितारे पर्दे पर बने पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन के बारे में बनने जा रही यह कोई पहली फिल्म नहीं होगी। इससे पहले भी पीएम मोदी का किरदार कई सितारे निभा चुके हैं। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने 2019 की पीएम मोदी की जीवनी पर आधारित फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी में उनका किरदार निभाया था। इसके

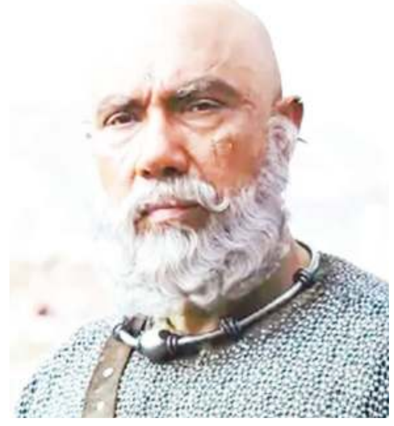

साथ महेश ठाकुर समेत अन्य सितारे में पर्दे पर पीएम मोदी बन चुके हैं।

इस साल शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

वहीं चर्चा है कि सत्यराज जिस फिल्म में पीएम मोदी का किरदार निभाने वाले हैं, उसकी शूटिंग इस साल शुरू हो जाएगी। हालांकि, फिल्म से जुड़ी अन्य जानकारी फिलहाल गुप्त रखी गई है। फिल्म के अन्य कलाकार और क्रू और तकनिकी टीम के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बाहुबली में कटप्पा की भूमिका निभाने के बाद से सत्यराज अपनी आगामी साउथ फिल्मों फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं।

हीरामंडी में अपने अभिनय के लिए तारीफ पा रही हैं संजीदा शेख

संजीदा शेख इन दिनों हीरामंडी: द डायमंड बाजार की वजह से चर्चाओं में हैं। संजीदा ने 'मल्लिकाजान' की बहन 'वहीदा' का रोल निभाया है। हीरामंडी में वहीदा के रूप में उनके अभिनय की दर्शकों ने खुलकर तारीफ की है। अब संजीदा ने तलाक को लेकर खुलकर बात की। संजीदा ने इंटरव्यू में कहा कि मेरे साइड की स्टोरी सिर्फ मैं जानती हूं। मेरे परिवार ने मुझे इतनी लिबर्टी दी कि मैं उस बारे में बात कर सकूं कि मैं क्या फील करती हूं। तो ऐसा नहीं है कि मैं बाहर जाऊं और इस बारे में बात करूं। मुझे ऐसा करने में बहुत गर्व महसूस होता है। मैं ऐसी नहीं हूं कि कोई जो सिर्फ महिलाओं का समर्थन करें और पुरुष को सिर्फ कोसे। मुझे पता था कि लोग आधी कच्ची पक्की स्टोरी पर दो दिन तक बात करेंगे और फिर उसे भूल जाएंगे। मेरी बेटी मुझ पर गर्व महसूस करती है और ये बहुत बड़ी ब्लेसिंग है। जब मेरा तलाक हुआ था तो लोग मेरे बारे में गंदी-गंदी बाते करते थे। अब लोग मुझे बतौर एक्टर सीरियसली लेने लगे हैं। अब लोग मेरी परफॉर्मेंस के बारे में लिखते हैं, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब लोग मेरे बारे में गंदी बाते लिखते थे। संजीदा और आमिर को साल 2007 में टीवी शो 'क्या दिल में है' के दौरान प्यार हो गया था। दोनों ने साल 2012 में शादी की और साल 2019 में सेरोगेसी के जरिए बेटी के पेरेंट्स बने।

प्रभास नहीं, कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर से शादी करेंगी अनुष्का शेट्टी?

रिपोर्ट में दावा- हो चुकी है दोनों की सगाई

खबर है कि अनुष्का शेट्टी की एक कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर से शादी करेंगी और उम्र 42 साल है। एक रिपोर्ट में दावा है कि कि अनुष्का शेट्टी की सगाई हो चुकी है और शादी की डेट भी फिक्स हो चुकी है। अब तक फैंस यह मानकर चल रहे थे कि अनुष्का शेट्टी बेस्ट फ्रेंड प्रभास को डेट कर रही हैं। बाहुबली की देवसेना यानी अनुष्का शेट्टी को लेकर जो खबर आई है, उससे फैंस को झटका लग सकता है। खासकर, उन फैंस को जो प्रभास के साथ उनकी शादी का सपना देख रहे हैं। दरअसल, ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि अनुष्का शेट्टी एक्टर प्रभास से नहीं बल्कि एक कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर से शादी करने वाली हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अनुष्का शेट्टी की प्रोड्यूसर से सगाई भी हो चुकी है। शादी इस साल के आखिर तक हो जाएगी। यह खबर वाकई प्रभास-अनुष्का के फैंस का दिल तोड़ने वाली है।

कान्स फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर उतरना जिंदगी में एक महत्वपूर्ण मोड़ की तरह : पॉप स्टार किंग

सिंगर-सॉन्गराइटर और रैपर किंग 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए और रेड कार्पेट पर चले। ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय पॉप आर्टिस्ट बन गए। किंग मान मेरी जान, तू आके देखले और उप्स जैसे अपने लोकप्रिय ट्रैक के लिए जाने जाते हैं। अनुभव के बारे में बात करते हुए किंग ने कहा, यह सिर्फ मेरे बारे में नहीं, बल्कि वहां मौजूद सभी प्रतिभाशाली भारतीय म्यूजिशियन का प्रतिनिधित्व करने के बारे में है। कान फिल्म फेस्टिवल एक महत्वपूर्ण मोड़ की तरह लगा, दुनिया को यह दिखाने का मौका मिला कि भारतीय म्यूजिक क्या कर सकता है। किंग ने कहा, मैं एक भारतीय डिजाइनर का आउटफिट पहनना चाहता था और अपने देश का एक हिस्सा अपने साथ लाना चाहता था।

पूर्व पति रितेश बोले- हंसी उड़ाने वालों की उलटी गिनती शुरू

सफलतापूर्वक हुई राखी की सर्जरी

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। उनकी तबीयत खराब है। आज उनकी सर्जरी हुई है, जो कि सफर रही। राखी सावंत के गर्भाशय में ट्यूमर पाया गया था, जिसकी सर्जरी आज हो गई है। अभिनेत्री के पूर्व पति रितेश ने उनकी सहेत का हाल बताते हुए कहा है, राखी सावंत की सर्जरी सफल रही। ट्यूमर काफी बड़ा था। अभी राखी होश में नहीं आई हैं। रितेश ने आगे बताया, राखी को करीब तीन घंटे तक ऑपरेशन थिएटर में रखा गया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हंसी उड़ाने वालों में इंसानियत नहीं है। लेकिन, अब उनकी उलटी गिनती शुरू हो गई हैं। रितेश ने कहा कि जो लोग हंस रहे थे मैं नहीं मानता कि उनमें इंसानियत बची है। दूसरे के दर्द को आप मजाक समझते हो। लेकिन, राखी तुम फिक्र मत करना, हम तुम्हारा ख्याल रखेंगे। आदिल दुर्रानी ने राखी सावंत की सर्जरी को ड्रामा बताया था।

दीपिका के मां बनने से पहले रणवीर ने उन्हें दिया नया नाम

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं और ऐसा लग रहा है कि बेबी का वेलकम करने से पहले रणवीर ने दीपिका को एक नया निकनेम दिया है. इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट में रणवीर ने अपनी पत्नी को बधाई देते हुए पोस्ट लिखी क्योंकि वह डेडलाइन की ग्लोबल डिसरप्टर्स 2024 सूची में शामिल होने वाली पहली भारतीय स्टार बन गई हैं. उन्होंने दीपिका को अपनी बेबी मम्मा कहा. डेडलाइन आर्टिकल का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए रणवीर ने लिखा, बेबी मम्मा ने मुझे हिलाकर रख दिया, हां. उन्होंने एक क्राउन इमोजी भी जोड़ा और दीपिका और डेडलाइन को टैग किया. दीपिका और रणवीर ने फरवरी में अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी.

बच्चा सितंबर में आने वाला है. बाफ्टा में साड़ी से पेट ढककर आने के बाद कपल ने उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अफवाहों को कनफर्म करने का फैसला किया. मार्च में रणवीर ने यह भी बताया था कि वह पिता बनने को लेकर कितने एक्साइटेड हैं. बता दें कि दीपिका ने इस हफ्ते की शुरुआत डेडलाइन की लिस्ट में शामिल होकर की. अपने सफर और इंस्पिरेशन के बारे में बात करते हुए दीपिका ने फिल्म इंडस्ट्री के सपोर्टिंग नेचर के लिए बेहद तारफ की और कहा, बेशक एक फिल्म की सफलता अहम है लेकिन मेरे लिए लोगों के साथ बिताया गया समय बहुत अहम है और फिल्म के सेट पर मेरे अनुभव सबसे अहम हैं.

- साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

RCB vs CSK:

महेंद्र सिंह धोनी की भावुक विदाई!

● आंखों में दिखे आंसू, सबके बीच रहकर भी अकेले पड़ गए माही

बेंगलुरु, एजेंसी। गत विजेता और पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी। घरेलू टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने करो या मरो के मैच में चेन्नई को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई। मैच के बाद अब एकबार फिर सारी निगाहें धोनी की ओर टकटकी लगाए देख रही है। जिस तरह एक के बाद एक इशारे मिल रहे थे, उसकी कड़ियों को जोड़ने पर यही लगता था कि धोनी आखिरी बार आईपीएल खेल रहे हैं। इसके बाद शायद संन्यास ले लेंगे। येलो आर्मी अगर चैंपियन बनती या फाइनल में भी पहुंचती तब तो ऐसे बिग इवेंट धोनी को ग्रैंड विदाई मिलती।

मगर अब एकबार फिर से कयासों का दौर शुरू हो चुका है। आरसीबी से हार के बाद धोनी की एक दिल तोड़ने वाली तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जब जीत की उम्मीदें धीरे-धीरे धुंधली पड़ रही थी। टीम को तीन गेंद पर 11 रन की जरूरत थी। धोनी पहली ही गेंद पर छक्का लगाने के बाद दूसरी पर आउट हो चुके थे। डगआउट में वापस जाकर दोबारा मैदान पर नजर गड़ाने की कोशिश कर रहे थे। सिर पीछे झुकाए, जो छुट गया उसके बारे में सोच रहे थे। आंखों में नमी थी। चेहरे पर खामोशी थी। एक अजीब सी शांति, जिसके भीतर जज्बातों का तूफान पल रहा था। शायद धोनी बखूबी जानते हैं कि वह 42 साल की उम्र में शानदार फॉर्म के बावजूद फाइनल के नजदीक पहुंचाने का मौका गंवा चुके हैं।

धोनी के तमाम चाहने वाले इस बात को लेकर टेंशन में है कि क्या 18 मई दिन शनिवार को धोनी ने सीएसके के लिए अपना आखिरी मैच खेला लिया और क्या उनका आईपीएल करियर का दुखद अंत हो गया। धोनी ने 13 गेंदों में 25 रन की साहसिक पारी खेली, जो सुपर किंग्स के लिए एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के खिलाफ काफी साबित नहीं हुई। यश दयाल ने आखिरी ओवर में सीएसके को जरूरी 17 रन बनाने नहीं दिए।

पेरिस ओलंपिक

परवीन के निलंबन के बाद ओलंपिक क्वालिफायर के 57 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी जैस्मिन

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल एशियाई खेलों में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली परवीन ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी थी, जबकि वाडा नियमों के तहत यह जानकारी देना अनिवार्य है । यही वजह है उन पर 22 महीने का निलंबन लगाया गया है। मुक्केबाज परवीन हुड्डा के निलंबन की वजह से भारत ने 57 किग्रा वजन वर्ग का पेरिस ओलंपिक कोटा गंवा दिया। हालांकि, अब जैस्मिन लाम्बोरिया थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने शुक्रवार को परवीन को 22 महीने के लिए निलंबित कर दिया था।

चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराया

सात्विक-चिराग ने थाईलैंड ओपन का खिताब जीता

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की स्टार जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराकर थाईलैंड ओपन बैडमिंटन पुरूष युगल खिताब जीत लिया।

पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुख्ता करते हुए दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने 29वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर 21.15, 21.15 से जीत दर्ज की।

एशियाई खेलों की चैम्पियन जोड़ी का यह सत्र का दूसरा खिताब है। उन्होंने मार्च में फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब जीता था। दोनों मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रहे थे। चिराग ने जीत के बाद कहा, 'बैंकॉक हमारे लिए खास है। हमने 2019 में यहां पहली बार सुपर सीरिज और फिर थॉमस कप जीता था।

सात्विक और चिराग आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में दूसरे दौर में हार गए थे। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण एशियाई चैम्पियनशिप नहीं खेल सके। थॉमस कप में भी वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए।

बॉक्सिंग

निकहत-मीनाक्षी ने स्वर्ण जीता

एलोरडा कप में भारत के नाम 12 पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। निकहत और मीनाक्षी के स्वर्ण पदकों के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने दो रजत और आठ कांस्य पदक जीतकर पिछले सत्र से काफी बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले सत्र में पांच पदक अपने नाम किए थे। मौजूदा विश्व चैंपियन निकहत जरीन और मीनाक्षी ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

शनिवार को भारतीय टीम ने एलोरडा कप मुक्केबाजी में अपना अभियान सर्वश्रेष्ठ 12 पदकों के साथ खत्म किया। निकहत और मीनाक्षी के स्वर्ण पदकों के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने दो रजत और आठ कांस्य पदक जीतकर पिछले सत्र से काफी बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले सत्र में पांच पदक अपने नाम किए थे।

निकहत (52 किग्रा) ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना दबदबा जारी रखते हुए कजाकिस्तान की जजीरा उराकबायेवा को 5-0 के स्कोर से हराकर अपने प्रभावशाली करियर में एक और स्वर्ण पदक जोड़ा। मीनाक्षी ने दिन की शानदार शुरुआत करते हुए महिलाओं के 48 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान की रहमोनोवा सैदाहोन को 4-1 से हराकर भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और उनका अभियान रजत पदक के साथ समाप्त हुआ।

अनामिका ने मौजूदा विश्व और एशियाई चैंपियन चीन की वू यू को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। मनीषा को कजाकिस्तान की विक्टोरिया ग्राफीवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल 2024

यश दयाल के शानदार प्रदर्शन से बेंगलुरु की चेन्नई पर 27 रन की जीत

बेंगलुरु, एजेंसी। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के मैच में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल ने 42 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसमें एम.एस. धोनी को अंतिम ओवर में सात रन पर आउट करना भी शामिल था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स पर 27 रन की शानदार जीत के साथ प्लेऑफ में प्रवेश करने का हौसला बनाए रखा।

कप्तान फाफ डु प्लेसिस (54), विराट कोहली (47), रजत पाटीदार (41) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 38) की सामूहिक बल्लेबाजी में 218/5 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने के बाद आरसीबी ने सीएसके को शुरू से ही परेशानी में डाले रखा। हालांकि रचिन रवींद्र ने 61 रन बनाए और रवींद्र जडेजा-एमएस धोनी ने 27 गेंदों पर 61 रन की साझेदारी की, लेकिन यह पर्याप्त नहीं थी, क्योंकि सीएसके प्रतियोगिता से बाहर होने के लिए 191/7 पर ही सीमित थी।

आरसीबी को लगातार छठी जीत मिली। अब वह 23 मई को अहमदाबाद में एलिमिनेटर खेलेगी। सीएसके शुरू से ही 219 रन का पीछा करने की कोशिश में नहीं थी। ग्लेन मैक्सवेल की शॉर्ट फाइन लेग पर सीधे शॉर्ट बॉल को टॉप-एज करने के बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ गोल्डन डक के शिकार हो गए।

डेरिल मिशेल कुछ खास नहीं कर सके और यश दयाल के खिलाफ मिड-ऑफ में गेंद गंवाने से पहले केवल छह गेंदों तक टिके रहे। रचिन ने अपने कट और पुल के साथ अजिंक्य रहाणे के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 66 रनों की साझेदारी करके सात चौके लगाकर शुरुआती झटकों के बाद सीएसके के जहाज को संभाला। लेकिन आरसीबी के स्पिनरों द्वारा बनाए गए दबाव का मतलब था कि अजिंक्य रहाणे लॉकी फर्ग्यूसन की पहली गेंद पर नियंत्रण करना चाहते थे, लेकिन 22 गेंदों में 33 रन बनाकर वाइड मिड-ऑफ पर आउट हो गए।

रचिन ने फर्ग्यूसन को डीप मिडविकेट पर छक्का लगाकर 31 गेंद में अर्धशतक पूरा किया, जो आईपीएल में उनका पहला अर्धशतक है। किस्मत सीएसके के साथ जा रही थी, जब सिराज ने लॉन्ग-ऑन पर शिवम दुबे का कैच छोड़ दिया। लेकिन उसी ओवर में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई और रवींद्र 37 गेंदों में 61 रन बनाकर रन आउट हो गए।

हालांकि ग्रीन की गेंद पर दिनेश कार्तिक ने जडेजा का कैच छोड़ दिया, लेकिन आरसीबी ने स्ट्राइक करना जारी रखा, क्योंकि दुबे ने फर्ग्यूसन की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट किया, जबकि फाफ डु प्लेसिस ने मिड-ऑफ पर एक हाथ से छलांग लगाकर मिशेल सेंटनर को सस्ते में आउट कर दिया।

सीएसके को 200 के पार ले जाने के लिए जडेजा और धोनी ने आपस में नौ शानदार चौके लगाए, लेकिन अंतिम ओवर में दयाल के आउट होने के बाद मैच आरसीबी के पक्ष में आ गया। सीएसके को अंतिम दो गेंदों पर क्वालिफाई करने के लिए 10 रनों की जरूरत थी, लेकिन दयाल ने एक भी रन नहीं देकर मैदान में जश्न का माहौल बना दिया।

संक्षिप्त स्कोर:

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 20 ओवर में 218/5 (फाफ डु प्लेसिस 54, विराट कोहली 47, शार्दुल ठाकुर 2-61, मिशेल सेंटनर 1-23) ने चेन्नई सुपर किंग्स को 20 ओवर में 191/7 (रचिन रवींद्र 61, रवींद्र जडेजा 42 नाबाद) यश दयाल 2-42, कैमरून ग्रीन 1-18) 27 रन से हराया।

धोनी ने मारा आईपीएल 2024 का सबसे लंबा छक्का, स्टेडियम के बाहर गई गेंद

बेंगलुरु, एजेंसी। आईपीएल 2024 का 68वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स की टीमों के बीच खेला गया। इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने बाजी मारकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की। वहीं, एमएस धोनी ने इस मैच में एक जुझारू पारी पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। इस पारी में एमएस धोनी ने एक छक्का जड़ा, जो स्टेडियम के बाहर गया। ये छक्का इस सीजन का सबसे लंबा छक्का था।

एमएस धोनी ने इस मैच में 13 गेंदों पर 25 रनों की पारी खेली। उन्होंने 192.31 की स्ट्राइक रेट से 3 चौके और 1 छक्का जड़ा। धोनी ने इस पारी के दौरान तेज गेंदबाज यश दयाल की गेंद पर इस सीजन का सबसे लंबा छक्का लगाया। यश दयाल ने पारी के आखिरी ओवर की पहली गेंद फुलटॉस गेंद फेंकी थी।

धोनी ने फाइन लेग के ऊपर से यह गेंद स्टेडियम के बाहर मारी। इस छक्के की लंबाई 110 मीटर था। इसी के साथ धोनी ने दिनेश कार्तिक को पीछे छोड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक इसी मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 108 मीटर लंबा छक्का लगाया था।

आईपीएल 2024 के सबसे लंबे छक्के

एमएस धोनी - 110 मीटर
दिनेश कार्तिक - 108 मीटर
शिम्रोन हेटमायर - 106 मीटर
हेनरिक क्लासेन - 106 मीटर
निकोलस पूरन - 106 मीटर
वेंकटेश अय्यर - 106 मीटर
जॉनी बेयरस्टो - 105 मीटर

चंडीगढ़ के दो शूटर्स को मिला पेरिस ओलंपिक का टिकट

चंडीगढ़, एजेंसी। शहर से जुड़े दो शूटर्स ने शनिवार को पेरिस ओलिंपिक का टिकट हासिल किया। डीएवी -10 में पढ़ने वाले सरबजोत सिंह और पूर्व छात्र अर्जुन बबूता ने ओलिंपिक जाने वाली भारतीय निशानेबाजी टीम में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। पुरुषों की एयर पिस्टल में सरबजोत सिंह ने 584 का स्कोर कर ओलिंपिक चयन ट्रायल (टी4) क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया।

अर्जुन सिंह चीमा 583 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वरुण तोमर (577) तीसरे, रविंदर सिंह (576) चौथे और नवीन (574) पांचवें स्थान पर रहे। वहीं पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में, नतीजों का स्टैंडिंग पर कोई असर नहीं पड़ा। संदीप सिंह (628.3 के साथ चौथे) और अर्जुन बबूता (624.7 के साथ पांचवें) ने कुल स्कोर में अपने शीर्ष दो स्थान बनाए रखे। ऐसे में यह सुनिश्चित है कि यह दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलिंपिक की 10 मीटर प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पेरिस ओलंपिक गेम्स के लिए भिंड की पूजा ओझा का चयन

कायकिंग कैनोइंग में लेंगी हिस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के भिंड की रहने वाली पूजा ओझा का चयन पेरिस पैरालंपिक खेल के लिए हुआ है. पूजा कायकिंग कैनोइंग में हिस्सा लेगी. देशभर से चयनित चार खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश से तीन महिला पैरा खिलाड़ियों में भिंड की रहने वाली पूजा ओझा, ग्वालियर से प्राची यादव, रजनी झा शामिल हैं. बता दें कि पेरिस पैरालंपिक खेल का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त, 2024 तक किया जा रहा है. दरअसल, पैरा खेलों में बेटियों को पहचान दिलाने के लिए जिले में साल 2017 में स्थानीय गौरी सरोवर स्थित वोट क्लब पर पहला केनो, कयाक सेंटर स्थापित किया गया. इसी क्लब में प्रशिक्षण लेकर पूजा ओझा प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बनी है. खेल प्रशिक्षक राधे गोपाल यादव ने कहा कि यहां विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है. आज देश के चार खिलाड़ियों में से तीन महिला और एक पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं. इन खिलाड़ियों में भिंड से पूजा ओझा, ग्वालियर से प्राची यादव और रजनी झा शामिल हैं. वहीं आगरा

के यश तोमर का भी ओलंपिक खेल में चयन हुआ है. गौरतलब है कि ये सभी खिलाड़ी भिण्ड के वोट क्लब में ही प्रशिक्षण लिया है.

30 खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बना चुके पहचान

राधे गोपाल यादव ने कहा कि भिण्ड के लिए ये गौरव का विषय है कि यहां से प्रारंभ हुआ यह खेल इन सबके लिए वरदान साबित हुआ. उन्होंने बताया इस क्लब के निर्माण के बाद से लगभग 30 खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं. आगे आने वाले समय में पूजा ओझा से प्रेरणा लेकर भिंड में और प्रतिभाएं निकल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरेंगी.

बेटियों की हत्याओं के लिए था बदनाम

दरअशल, भिंड की तस्वीरें अब लगातार बदल रही है. समय के साथ ही भिंडवासियों की सोच भी बदली. कभी ये जिला नवजात बेटियों की हत्याओं के लिए बदनाम रहा, लेकिन अब लड़कों की तरह हर क्षेत्रों में आगे आ रही है. साथ ही यहां की बेटियां कई स्तर पर अपने जिले का नाम रोशन कर रही है.

संक्षिप्त समाचार

कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग, गंजीपुरा इलाके में मची अफरातफरी

जबलपुर, एजेंसी। शहर के सबसे व्यस्ततम गंजीपुरा मार्केट स्थित एक तीन मंजिला कपड़े की दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ग्राउंड फ्लोर में लगी आग तेजी से ऊपर की ओर फैल गई और उसकी चपेट में ऊपरी मंजिल की होजयरी दुकान भी चपेट में आ गई। आनन-फानन में क्षेत्रीय नागरिक व दुकानदारों ने नगर निगम की दमकल शाखा को सूचना दी। मौके पर चार दमकल वाहन रवाना किए गए। दमकलकर्मी पानी की बौछार कर आग बुझाने की कवायद में अब भी जुटे हैं। आग तीन मंजिला इमारत के निचले हिस्से से होकर ऊपर तक पहुंच गई थी। आग भड़कती देख बाद में तीन टैंकर और रवाना किए गए। आग कपड़े की दुकान में लगी थी। संकरी गलियां होने के कारण आग को काबू करने नगर निगम का काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। आग लगने का कारण अभी अज्ञात है। आग में लाखों रुपये के नुकसान की आंशका जताई जा रही है।

2500 किमी दूर चेन्नई में धड़केगा 12 वर्षीय सयोगता का दिल, 6 लोगों की जिंदगी को कर गई रोशन

चेन्नई, एजेंसी। 12 साल की बच्ची जिसने अभी दुनिया ठीक से देखा भी नहीं था, वह दुनिया को अलविदा कह गई, लेकिन दुनिया से-जाते-जाते वह छह लोगों की जिंदगी को रोशन कर गई। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जिला बदायूं के गांव मुंडिया की 12 वर्षीय सयोगता का दिल 2500 किलो मीटर दूर चेन्नई में धड़केगा। सयोगता का दिल चेन्नई स्थित एमजीएम हेल्थकेयर अस्पताल में भर्ती छह वर्षीय बच्ची को ट्रांसप्लांट किया गया है। सयोगता 12 मई को हिमाचल के बद्दी में सड़क हादसे में घायल हो गई थी। उसे उपचार के लिए पीजीआइ में भर्ती किया गया था, लेकिन 17 मई को डाक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषितं कर दिया। परिवार ने सयोगता के अंगदान करने का फैसला किया, जिसके बाद पीजीआई में भर्ती पांच मरीजों को कार्निया, लिवर और किडनी प्रत्यारोपित्त किए गए और उसका दिल चेन्नई भेजा गया, जहां बच्ची को ट्रांसप्लांट किया गया है। पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल ने सयोगता के परिवार की तरफ से उसके अंगदान के फैसले की सराहना करते हुए आभार जताया। उन्होंने कहा कि परिवार के फैसले से न केवल जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे लोगों की जान बचाई है, बल्कि मानवता और करुणा का एक गहरा उदाहरण भी दिया है।

शालीमार एक्सप्रेस के डिब्बों पर गिरा बिजली का पोल, मासूम समेत तीन यात्री घायल

रायपुर। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन से बड़े हादसे की खबर आ रही है। यहां कलकत्ता से रायपुर आ रही शालीमार एक्सप्रेस की स-6 कोच समेत 2 से 3 डिब्बों पर बिजली का खंभा गिर गया। बोगी पर बिजली का खंभा गिरने से ट्रेन में सवार यात्रियों को चोटें आई है। इस हादसे में ट्रेन में सवार एक मासूम समेत तीन यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया है। जीआरपी, आरपीएफ समेत रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। रायपुर और उरकुरा स्टेशन के बीच हादसा हुआ है।

जेल से बाहर आने के लिए छटपटा रहा गुरमीत राम रहीम, हाई कोर्ट में बोला- पैरोल का हकदार हूं

चंडीगढ़ , एजेंसी।
दुष्कर्म और हत्या के मामलों में रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आना चाहता है। उसने पैरोल या फरलो देने पर रोक के आदेश को हटाने के लिए पंजाब एवम हरियाणा हाईकोर्ट के समक्ष गुहार लगाई है। डेरा प्रमुख के अनुसार इस साल उसके पास अभी भी 41 दिन की पैरोल बची हुई है और वह इसका लाभ उठाना चाहता है। इससे पहले 29 फरवरी को हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को भविष्य में अदालत की अनुमति के बिना डेरा प्रमुख को पैरोल देने से रोक लगा दी थी। दिलचस्प यह है कि लोकसभा चुनाव के समय राम रहीम ने परोल मांगी है। पंजाब और हरियाणा की कई सीटों पर डेरा इफेक्ट रहता है।

डेरा प्रमुख ने अर्जी में कहा है कि वह इस साल 20 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो सहित कुल 41 दिनों की रिहाई का हकदार है। 29 फरवरी के आदेशों पर रोक हटाने की मांग करते हुए डेरा प्रमुख ने अब दलील दी है कि पैरोल और फरलो देने का उद्देश्य सुधारात्मक प्रकृति का है और दोषी को परिवार और समाज के साथ अपने सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में सक्षम बनाना है। 29 फरवरी का आदेश डेरा प्रमुख के अधिकारों को नुकसान पहुंचा रहा है क्योंकि वह अधिनियम के अनुसार इस वर्ष 20 दिनों के लिए पैरोल और 21 दिनों के फरलो के लिए पात्र है और जैसा कि अन्य समान रूप से रखे गए दोषियों को दिया गया है।

डेरा प्रमुख ने यह भी कहा है कि हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (टेम्परारी रिलीज) एक्ट 2022 के तहत पात्र दोषियों को हर कैलेंडर वर्ष में 70 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो देने का अधिकार दिया गया है। राम रहीम ने दलील दी है कि नियम ऐसे किसी भी दोषी को पैरोल और फरलो देने पर रोक नहीं लगाते हैं, जिसे आजीवन कारावास और निश्चित अवधि की सजा वाले तीन या अधिक मामलों में दोषी ठहराया गया हो और सजा सुनाई गई हो। डेरा प्रमुख को हर कैलेंडर वर्ष में 70 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो देना पूरी तरह से कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद संबंधित वैधानिक प्रावधान के अनुसार है।

डेरा प्रमुख को बार बार दी जा रही पैरोल के खिलाफ शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस में हरियाणा सरकार पर नियमों को ताक पर रख अपने फायदे के लिए उसे बार बार पेरोल देने की बात कही गई थी। इस पर फरवरी में कोर्ट ने डेरा प्रमुख को भविष्य में कोर्ट की इजाजत के बगैर पैरोल या फरलो देने पद रोक लगा दी थी। राम रहीम को मिलने वाली पैरोल को लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया था। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि राम रहीम को अदालत से पूछे बिना पैरोल ना दी जाए। इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी पूछा कि इस तरह और कितने लोगों को अब तक पैरोल दी गई है। राम रहीम को डेरा की दो साधवियों के साथ दुष्कर्म के आरोप में 20 साल की जेल हुई है। 2021 में राम रहीम को डेरा के एक प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में 4 अन्य के साथ दोषी ठहराया गया था। डेरा प्रमुख और 3 अन्य को 2019 में पत्रकार रामचन्द्र छत्रपति की हत्या के मामले में 16 साल की जेल हुई थी। पिछले दो साल में राम रहीम को 6 महीने से ज्यादा की पैरोल मिल चुकी है।

जेल ट्रांसफर के बहाने हो सकती है मेरी हत्या; अबू सलेम को सता रहा एनकाउंटर का डर

मुंबई एजेंसी। जेल में बंद 1993 के बॉम्बे सीरियल बम विस्फोटों के दोषी अबू सलेम को अपनी जान का डर सताने लगा है। उन्हें इस बात का डर है कि जेल ट्रांसफर के बहाने उसकी हत्या ना कर दी जाए। इसके लिए उसने स्पेशल कोर्ट में याचिका दाखिल की थी और जेल ट्रांसफर नहीं करने के लिए आदेश देने की अपील कोर्ट से की है। कोर्ट ने उसकी याचिका पर सुनवाई करते हुए तलोजा जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगले आदेश तक अबू सलेम का जेल ट्रांसफर नहीं करें।

19 साल पहले पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के बाद से जेल में बंद अबू सलेम को आशंका है कि जैसे-जैसे जेल से उसकी रिहाई करीब आ रही है, उसे अन्य जेलों में स्थानांतरित करके उसे मारने की साजिश रची जा रही है। उसे अपनी जान पर खतरा महसूस हो रहा है। सलेम ने पिछले दो हमलों का भी हवाला दिया, जिनमें आर्थर रोड जेल में गैंगस्टर और इसी मामले में एक और दोषी मुस्तफा दोसा की हत्या कर दी गई थी।

आपको बता दें कि छोटा राजन के सहयोगी मुंबई सेंट्रल जेल, औरंगाबाद सेंट्रल जेल, अमरावती सेंट्रल जेल और कोल्हापुर सेंट्रल जेल जैसी विभिन्न जेलों में बंद हैं। अबू सलेम को आशंका है कि वे जेल अधिकारियों को रिश्वत देंगे और दबाव डालेंगे। उस पर हमला करो। अधीक्षक के जवाब के लिए मामले को 28 मई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

सलेम की याचिका में कहा गया है कि तलोजा जेल के अंडा सेल के अधिकारी सुरक्षा कारणों से अंडा सेल के टूटने या मरम्मत के बहाने उसे स्थानांतरित करने की योजना बना रहे हैं। याचिका में कहा गया है, भले ही इसे सच माना जाए और मरम्मत की आवश्यकता है, सलेम को आसानी से तलोजा सेंट्रल जेल के अंदर किसी अन्य सर्कल या बैरक या सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है, क्योंकि यह बहुत विशाल जेल है।

घर में 43 लड़कियों को देख पुलिस हुई हैरान, शक के बाद ऐक्शन; 62 लड़के भी मिले

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड पुलिस को सूचना मिली कि एक घर में दर्जनों लड़कियों और लड़कों को बंधक बनाया गया है। इनपुट मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहां 100 से ज्यादा लड़के-लड़कियां मौजूद थे। पुलिस को एक साथ इतने लड़के-लड़कियों को देखकर संदेह हुआ। पुलिस ने 43 लड़कियों का रेस्क्यू किया। लेकिन सभी लड़कियां वापस उसी जगह आ गईं और पुलिस पर परेशान करने का आरोप भी लगाया। यह रामगढ़ का मामला है।

दरअसल, कांकेबार स्थित एक निजी आवास से प्रशासन और पुलिस की ज्वाइंट टीम ने गुरुवार देर रात को कुल 43 युवतियों को रेस्क्यू कर सखी वन स्टॉप सेंटर पहुंचाया। प्रशासन को सूचना मिली थी कि कांकेबार स्थित एक आवास में सैकड़ों युवक और युवतियों को बंधक बना कर रखा गया है। जब पुलिस की टीम वहां पहुंची तो देखा गया कि सैकड़ों युवक और युवती वहां मौजूद हैं। जिसे देख सभी को संदेहास्पद प्रतीत हुआ।

तत्काल अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार ने सभी युवतियों को वहां से सखी वन स्टॉप सेंटर में ले जाने का निर्देश दिया। इसके बाद महिला थाना प्रभारी ने सभी 43 युवतियों को वहां से रेस्क्यू कर सखी वन स्टॉप सेंटर पहुंचाया। जहां से जांच के बाद शुक्रवार देर शाम सभी युवतियों को छोड़ दिया गया। इसके बाद सभी युवतियां वापस उसी स्थान पर पहुंच गई हैं।

मामले को लेकर युवतियों ने बताया कि वे मार्केटिंग कंपनी के लिए काम करती हैं। लेकिन अचानक देर रात पुलिस आती है और उनके साथ बुरा बर्ताव करते हुए बिना उनका पक्ष जाने जबरन सभी को ले जाती है। उन्होंने बताया कि वे गरीब परिवार से आती हैं, जिस कारण रोजगार के चलते यहां पर काम करने आई हैं। रामगढ़ के एसडीओ आशीष गंगवार ने बताया कि गुरुवार देर रात में सूचना मिली थी कि कांकेबार स्थित एक निजी आवास में सैकड़ों युवक युवती बंधक बनाए गए हैं। सूचना पर वहां जाने पर देख गया कि दर्जनों युवक युवती आवास के छत पर बैठे हुए थे।

ममता से लड़ना है तो राम के घर आओ; खड़गे की चेतावनी के बाद अधीर रंजन को भाजपा का ऑफर

कोलकाता , एजेंसी।
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ममता बनर्जी को लेकर हमेशा आक्रामक होने के कारण अपनी ही पार्टी में अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। ममता और टीएमसी के अन्य नेताओं ने बार-बार अधीर को भाजपा एजेंट करार दिया है। ममता ने हाल ही में कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो टीएमसी भी समर्थन देगी। टीएमसी सुप्रीमो के बयान पर अधीर रंजन ने कहा था कि ममता पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी टिप्पणी की है। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि ममता को लेकर जो भी फैसला होगा वह खड़गे खुद या आलाकमान सोनिया गांधी करेंगी।

खड़गे के बयान के बाद बीजेपी ने इस मौके को लपका और लगे हाथ बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने अधीर रंजन चौधरी को पार्टी बदलने का ऑफर दे दिया। शनिवार को प्रचार के दौरान एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में सुकांत मजूमदार ने कहा, मैं अधीरदा से यही कहूंगा कि अगर आप ममता बनर्जी से लड़ना चाहते हैं तो कोई उपयुक्त जगह ढूंढ लीजिए। जिस घर में आप हैं वह भयावहता से भरा है। भयावहता का घर छोड़ो। राम के घर चलो।

गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर पहले ही एक फर्जी मैसेज फैल चुका है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि अधीर चौधरी जून में बीजेपी में शामिल होंगे। हालांकि अधीर ने वायरल मैसेज का खंडन किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा अधीर को दी गई चेतावनी के बाद फिर कयासों का बाजार गर्म हो गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अधीर चौधरी को सख्त संदेश देते हुए ममता मुद्दे पर कहा, अधीर रंजन चौधरी फैसला नहीं लेंगे, हम फैसला लेंगे, कांग्रेस पार्टी फैसला लेगी। हम हाईकमान हैं। हम जो कहते हैं उसे मानना होगा, नहीं तो हमें जाना होगा। इसके अलावा खड़गे ने ममता के इंडिया ब्लॉक में होने को लेकर कहा, ममता बनर्जी शुरू से ही बाहर से समर्थन की बात करती रही हैं और बाहर से समर्थन कोई नई बात नहीं है। सबसे पहले यूपीए सरकार को वामपंथियों का भी बाहर से समर्थन प्राप्त था। हालांकि बाद में ममता ने यह भी कहा कि वह इंडिया गठबंधन में हैं और सरकार बनने पर उसमें शामिल होंगी।

खड़गे की चेतावनी के बाद अधीर रंजन ने बहरामपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह संभव नहीं है कि कोई कांग्रेस को नष्ट कर देगा। एक पार्टी सिपाही के तौर पर मैं इस लड़ाई को नहीं रोक सकता। मेरा विरोध नैतिक विरोध है। मेरे विरोध से मेरी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी को बचाने के लिए लड़ रहा हूं।

पाकिस्तान से लेंगे श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर, पंजाब में जमीन नहीं खरीद पाएंगे बाहरी लोग : अकाली दल

जालंधर , एजेंसी।
शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कहा कि अगर जनता हमें सेवा का अवसर देती है तो हमारी प्राथमिकता राज्य में ऐसा कानून लेकर आने की रहेगी, जिससे दूसरे राज्यों के लोग यहां पर कृषि जमीन नहीं खरीद सकेंगे।

इसके अलावा श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर भारत को दिलाने और इसके बदले में पाकिस्तान को कहीं अन्य जगह पर जमीन देने का करार किया जाएगा। ऐसा इसलिए भी जरूरी है कि पाकिस्तान के लिए वह टूरिस्ट हब हो सकता है, लेकिन भारतीयों के लिए आस्था का केंद्र है। सुखबीर बादल ने कहा कि अगर पंजाब के लोग जम्मू-कश्मीर या फिर हिमाचल प्रदेश जाकर जमीन नहीं खरीद सकते है तो फिर उन्हें पंजाब में कृषि जमीन खरीदने की आजादी क्यों दी गई है। इस मौके पर सुखबीर ने कहा कि हमारी प्राथमिकता पंजाब में नई इंडस्ट्री लगवाने व उनमें 75 प्रतिशत पंजाबियों को नौकरी देने का प्रविधान करने की भी रहेगी। राज्य के किसानों की जमीनों पर कब्जों को रोकने के लिए कानून लाने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अमृतसर स्थित वाघा, फाजिल्का व फिरोजपुर सीमा खोलने की मांग लोकसभा में रखी जाएगी। ऐसा करने से देश का कारोबार निश्चित रूप से बढ़ेगा। सुखबीर ने कहा कि राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। शिअद की सरकार के दौरान पठानकोट के क्षेत्र धारकलां को टूरिस्ट हब के रूप में विकसित करने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया था, लेकिन इस दौरान सरकार बदल गई थी। खासकर धारकलां से डल्हौजी व दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश की तरफ जाने वाली रोड पर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। पंजाब में रही अकाली सरकार की उपलब्धियों को तस्वीरों के माध्यम से बयां किया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ नेताओं की तस्वीरें प्रकाशित करके पार्टी का इतिहास दिखाया गया है।

अफेयर के शक में हैवान बना पति, पत्नी के प्राइवेट पार्ट में कील ठोकी; लगाया ताला

मुंबई एजेंसी।
पति के दिमाग पर अपनी पत्नी के किसी और से अफेयर के शक का बीज इस कदर हावी हो गया कि उसने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। मामला महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवाड़ इलाका है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी के गुप्तांग पर कील ठोक दी। इतना ही नहीं प्राइवेट पार्ट में पीतल का ताला भी लगा दिया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना बीती 11 मई की बताई जा रही है। महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़ में 30 वर्षीय नेपाली युवक ने अपनी पत्नी के साथ कथित तौर पर हैवानित की सारी हदें पार कर दीं। उसने पहले अफेयर के शक में 28 साल की अपनी बीवी को बुरी तरह मारा और फिर उसके निजीं अंगों को भी नुकसान पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने हैवानियत की सारी सीमाएं पार कर दीं। उसने अपनी नेपाली पत्नी के प्राइवेट पार्ट में दो कील ठोक दी और फिर वहां पीतल का ताला लगाा दिया। आरोपी शकी दिमाग का शख्स बताया जा रहा है। उसे अपनी पत्नी का किसी और से बातचीत करना बिल्कुल पसंद नहीं था। उसे लगता था कि उसकी बीवी का किसी और से अफेयर चल रहा है। पति के बेशर्म हमलों के बाद महिला मदद के लिए चिल्लाने लगी और खून से लथपथ फर्श पर लेटकर दर्द से कराह रही थी। बिल्डिंग के लोगों ने महिला को अस्पताल पहुंचाया और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। महिला ने गंभीर चोटें लगने के बावजूद बाद में पति के खिलाफ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पति चौकीदारी का काम करता है जबकि महिला गृहिणी है। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें धारा 326 (खतरनाक हथियारों या साधनों से जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाना), 506 (2) (आपराधिक धमकी), और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा) शामिल है।

काश मनीष सिसोदिया यहां होते, तो..., 13 मई की घटना को लेकर छलका स्वाति मालीवाल का दर्द

नई दिल्ली , एजेंसी।
आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आप पर उसके साथ मारपीट के आरोपी बिभव कुमार को बचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीएम आवास पर लगे सीसीटीवी फुटेज को गायब करने की भी बात कही।इसके साथ ही स्वाति ने दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भी याद किया। बता दें, बिभव कुमार को कोर्ट ने पांच दिनों की रिमांड पर भेज दिया है।

स्वाति मालीवाल ने ट्वीट किया- किसी दौर में हम सब निर्भया को इंसाफ दिलाने के लिए सड़क पर निकलते थे। आज 12 साल बाद सड़क पर निकले हैं, एक ऐसे आरोपी को बचाने के लिए जिसने सीसटीवी फुटेज गायब किए और फोन फॉर्मेट किया। काश इतना जोर मनीष सिसोदिया जी के लिए लगाया होता। वो यहां होते तो शायद मेरे साथ इतना बुरा नहीं होता! बता दें, स्वाति मालीवाल ने बिभव पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बिभव ने उनको थप्पड़ मारा, पेट पर लात मारी और सिर को टेबल पर पटका। हालांकि आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया है और इसके पीछे बीजेपी की साजिश करार दिया है।

हमला इतना खतरनाक कि मालीवाल की जान पर बन आती... दिल्ली पुलिस ने बिभव की रिमांड के लिए कोर्ट को बताया: आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर हमले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को 5 दिन की रिमांड में भेड दिया गया है। पुलिस ने बिभव की 7 दिन की हिरासत की मांग की थी। शनिवार देर शाम दाखिल की गई रिमांड अर्जी में कहा गया था यह एक गंभीर मामला है जिसमें बेरहमी से किया गया हमला घातक हो सकता था।

बिभव को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजने वाले मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल से जांच एजेंसी ने कहा कि केजरीवाल के सहयोगी पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहे और जवाब देने से बच रहे हैं। रिमांड अर्जी में कहा गया है, यह एक बहुत ही गंभीर मामला है जिसमें एक सार्वजनिक हस्ती, संसद सदस्य पर बेरहमी से हमला किया गया जो घातक हो सकता था। सवाल किए जाने के बावजूद आरोपी ने जांच में सहयोग नहीं किया है और वह जवाब देने से बच रहा है।''

रिमांड अर्जी में कहा गया है कि मजिस्ट्रेट के सामने मालीवाल की गवाही की मेडिकल सबूतों ने पुष्टि की है। अर्जी में कहा गया है कि मालीवाल के आरोपों के अनुसार, बिभन ने उन पर बेरहमी के हमला किया, उन्हें घसीटा और उनका सिर मेज पर मारा इसके अलावा वह उन पर चिल्लाए, उन्होंने उन्हें धमकाया और उनके लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। इसमें कहा गया है कि इस मामले में सबसे अहम सबूत घटनास्थल का डिजिटल वीडियो रिकॉर्ड (डीवीआर) है जिसे अभी तक पुलिस को मुहैया नहीं कराया गया है।

पुलिस हिरासत का अनुरोध करने वाली अर्जी में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के आवास के एक जूनियर इंजीनियर ने स्वीकार किया था कि उसकी उस स्थान तक पहुंच नहीं है जहां डीवीआर और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं लेकिन बाद में उसने डाइनिंग रूम का वीडियो उपलब्ध कराया लेकिन कथित घटना के समय के इसमें कोई फुटेज नहीं हैं। अर्जी में कहा गया है कि बिभव मुख्यमंत्री के आवास पर शनिवार को मौजूद थे और पूछताछ किए जाने पर उन्होंने टालमटोल करने वाले जवाब दिए। इसमें कहा गया है, ''अपराध स्थल पर उनकी मौजूदगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण समेत अहम सबूतों से छेड़छाड़ किए जाने की प्रबल संभावना पैदा करती है। आरोपी एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और वह एक आधिकारिक पद पर नौ साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)